राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 विनेश फोगाट का भव्य स्वागत ...

तीन महीने के ब्रेक पर होंगी मनु भाकर, सीखेंगी यह 3 चीजें, कोच राणा हुए ... 11

वर्ष : 15 | अंक : 127 | नई दिल्ली, रविवार,18 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 36°C
न्यूनतम तापमान 28.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 71,105
चांदी 81,500
सेंसेक्स 78,886
निफ्टी 24,117

आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद समाज के लिए गंभीर खतरा : मोदी

तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में पीएम का आह्वान

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल साउथ के देशों का आह्वान किया कि वे विकास संबंधी अपनी आशाओं, आकांक्षाओं एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एकजुट हों तथा अपनी क्षमताओं एवं अनुभवों को साझा करके दो तिहाई मानवता को न्याय दिलाएं। श्री मोदी ने तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने उद्बोधन में यह आह्वान किया। श्री मोदी ने कहा कि वह 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, तीसरी वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में सभी का हार्दिक स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, पिछले दो सम्मेलनों में, मुझे आप में से कई साथियों के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। मुझे खुशी है कि इस वर्ष, भारत में आम चुनावों के बाद, एक बार फिर आप सबसे इस मंच पर जुड़ने का अवसर मिल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि 2022 में, जब भारत ने जी-20 अध्यक्षता संभाली, तो हमने संकल्प लिया था कि हम जी-20 को एक नया स्वरूप देंगे। वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन एक ऐसा मंच बना, जहाँ हमने विकास से संबंधित समस्याओं और प्राथमिकताओं पर खुलकर चर्चा की जिसके आधार पर भारत ने ग्लोबल साउथ की आशाओं, आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं पर आधारित जी -20 एजेंडा तैयार किया और एक समावेशी और विकास-केंद्रित रुख से जी-20 को आगे बढ़ाया। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वह ऐतिहासिक क्षण था, जब अफ्रीकी संघ ने जी-20 में स्थायी सदस्यता ग्रहण की। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्आज हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अभी तक कोविड के प्रभाव से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है। दूसरी ओर युद्ध की स्थिति

ने हमारी विकास यात्रा के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। हम जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना तो कर ही रहे हैं और अब स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा की चिंताएं भी हैं। आतंकवाद, अतिवाद और अलगाववाद हमारे समाजों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। टेक्नोलॉजी से जुड़ी नई आर्थिक और सामाजिक चुनौतियाँ भी सामने आ रही हैं। पिछले सदी में बने वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान इस सदी की चुनौतियों से लड़ने में असमर्थ रहे हैं। उन्होंने कहा, यह समय की मांग है, कि ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर, एक स्वर में, एक साथ खड़े रहकर, एक दूसरे की ताकत बनें। हम एक दूसरे के अनुभवों से सीखें। अपनी क्षमताओं को साझा करें। मिलकर अपने संकल्पों को सिद्धि तक लेकर जाएं। मिलकर दो-तिहाई मानवता को मान्यता दिलाएं। श्री मोदी ने कहा, भारत, ग्लोबल साउथ के सभी देशों के साथ अपने अनुभव, अपनी क्षमताएं साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी व्यापार, समावेशी विकास, सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति, और महिला नीत विकास को बढ़ावा देना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में, बुनियादी ढांचा, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी से हमारे आपसी सहयोग को बढ़ावा मिला है। मिशन लाइफ के अंतर्गत, हम न केवल भारत में, बल्कि साझीदार देशों में भी रूफ टॉप सोलर और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमने वित्तीय समावेशन और अंतिम व्यक्ति तक डिलीवरी के अपने अनुभव को साझा किया है। ग्लोबल साउथ के विभिन्न देशों को यूपीआई से जोड़ने की पहल की है। शिक्षा, क्षमता निर्माण और कौशल विकास के क्षेत्रों में हमारी साझीदारी में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

संक्षिप्त खबरें

साबरमती एक्सप्रेस पत्थर से टकरा कर हुई बेपटरी, कोई नुकसान नहीं

नई दिल्ली/कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में गोविंदपुरी स्टेशन के निकट शनिवार तड़के वाराणसी से अहमदाबाद जा रही 19168 साबरमती एक्सप्रेस ट्रैक पर रखे गये बड़े पत्थर/बोल्डर से टकरा कर पटरी से उतर गयी हालांकि जानमाल का कोई विशेष नुकसान नहीं हुआ। दुर्घटना के कारण कानपुर से झांसी का रेलमार्ग बाधित हो गया है। अनेक ट्रेनों को रद्द किया गया है अथवा मार्ग में परिवर्तन किया गया है। रेलवे ने कानपुर, प्रयागराज, टूंडला सहित कई स्टेशनों पर हेल्पलाइनें खोल दी हैं। रेलवे बोर्ड ने भी घटना की जांच के आदेश दे दिये हैं। प्रथमदृष्टया मामला तोड़फोड़ एवं षड्यंत्र का होने की संभावना को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस एवं गुप्तचर ब्यूरो को जांच के लिए कहा गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, साबरमती एक्सप्रेस (वाराणसी से अमदावाद) का इंजन आज सुबह 02:35 बजे कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकराकर पटरी से उतर गया। तीव्र चोट के निशान देखे गए हैं। साक्ष्य सुरक्षित हैं. आईबी और यूपी पुलिस भी इस पर काम कर रही है। यात्रियों या कर्मचारियों को कोई चोट नहीं आई। यात्रियों के लिए अमदावाद की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन की व्यवस्था की गई।

भाजपा एक सितंबर से शुरू करेगी राष्ट्रीय सदस्यता अभियान

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू करने से पहले एक सितंबर से देशभर में पार्टी के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान को शुरू करने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर पर शुक्रवार को देर रात हुई महासचिवों की बैठक में यह फैसला किया गया। भाजपा में सदस्यता अभियान के बाद ही संगठन के चुनाव करवाए जाते हैं। पार्टी के संविधान के अनुसार सदस्यता अभियान के बाद मंडल,जिला और राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अध्यक्ष का चुनाव होता है। इसके साथ ही नड्डा के आवास पर शुक्रवार को देर रात हुई बैठक में शनिवार को दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक के एजेंडे पर भी मुहर लगाई गई। आपको बता दें कि, भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की अहम और महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को दोपहर दो बजे दिल्ली में होनी है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह के अलावा पार्टी के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, राज्यों के प्रभारी, सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश संगठन महासचिव भी इस बैठक में शामिल होंगे।

संसद में लोक लेखा समिति के अध्यक्ष बनाए गए केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन से जुड़ी महत्वपूर्ण समितियों के अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी है। परंपरा के मुताबिक, संसदीय व्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाली समिति लोक लेखा समिति (पीएसी) का अध्यक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद केसी वेणुगोपाल को नियुक्त किया गया है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए बुलेटिन पार्ट -2 के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ने वर्ष 2024-25 के लिए केसी वेणुगोपाल को लोक लेखा समिति का सभापति नियुक्त किया है। इस समिति में लोकसभा से 15 और राज्य सभा से 7 सांसद यानि कुल मिलाकर अध्यक्ष सहित 22 सांसद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने राजगीर खेल परिसर का किया निरीक्षण, निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने का दिया निर्देश

पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गया है राजगीर : नीतीश

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजगीर खेल परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पोर्ट्स एकेडमी सह निमार्णाधीण स्टेडियम का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचे हुये निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि इस खेल अकादमी में विश्वस्तरीय सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण करें। यह अकादमी देश के लिए अनोखी और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। यहां कई खेलों के ट्रेनिंग सेंटर के अलावे विश्वस्तरीय खेल पुस्तकालय भी होगा। इन प्रयासों

से राज्य में खेल का वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी साथ ही प्रतिभावान युवकों को अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने कहा कि राजगीर ऐतिहासिक स्थल है। यहां सभी प्रकार की सुविधाओं का इंतजाम किया गया है।

बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आते हैं। राजगीर अब पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बन गया है। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, पूर्व विधायक चन्द्रसेन कुमार, पूर्व विधायक ई सुनील, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरन, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरबरे, पटना प्रक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक गरिमा मल्लिक, नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, नालंदा के पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे।

निर्माणाधीन सुल्तानगंज-अगुवानी घाट गंगा पुल का सुपर स्ट्रक्चर धराशायी

2015 से चल रहा है निर्माण कार्य, 2026 में पुल को चालू करने का लक्ष्य

प्रातः किरण

भागलपुर/एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में शनिवार सुबह करोड़ों रुपए की लागत से निमाणाधीन सुल्तानगंज-अगुवानी घाट गंगा पुल का सुपर स्ट्रक्चर अचानक धराशायी हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि निमाणाधीन सुल्तानगंज -अगुवानी घाट गंगा पुल के पाया संख्या नौ और 10 के बीच का सुपर स्ट्रक्चर सपोर्ट सिस्टम एक जोरदार आवाज के साथ शनिवार सुबह गिर गया और गंगा में समा गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस पुल का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि इस हादसे के बाद पुल के निमार्ण कार्य को रोक दिया गया है। कंपनी, राज्य पुल निर्माण निगम के अधिकारी और जिला प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए हैं। गौरतलब है कि 1710.77 करोड़ रुपए की लागत वाले इस गंगा पुल का निर्माण कार्य 2015 से चल रहा है। वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा इसका शिलान्यास किया गया था।

इससे पूर्व वर्ष 2022 में पुल का पाया संख्या पांच और वर्ष 2023 में पाया संख्या नौ,10,11,12 का सुपर स्ट्रक्चर धराशायी हो गया था। इसके बाद इस पुल के चालू होने की अवधि बढ़ती जा रही है। वर्ष 2026 में पुल को चालू करने का समय निर्धारित किया गया है, लेकिन इस हादसे के बाद इसमें भी संशय उत्पन्न हो गया है।

तीन बार गिरा पुल का स्ट्रक्चर: पहली घटना 30 अप्रैल 2022 को हुई थी। भागलपुर-अगुवानी पुल का पिलर 4 और 6 को जोड़ने वाला 36 सेंगमेंट हवा में झोंके के कारण नदी में समा गया था। दूसरी घटना 5 जून 2023 की है। इस दिन पिलर संख्या 11,12 और 13 को जोड़ने वाला सुपर स्ट्रक्चर ध्वस्त हो गया था। एक बार फिर 17 अगस्त को पुल की पिलर संख्या 9 का सुपर स्ट्रक्चर गंगा में समा गया है। एसपी सिंघला कंपनी करा रही निमार्णः इस पुल का निर्माण एसपी सिंघला कंस्ट्रक्शन कंपनी करा रही है। कंपनी ने दावा की थी कि अगले साल इस पुल को चालू कर दिया जाएगा लेकिन पुल का स्ट्रक्चर गिरने के कारण गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले भी पुल का स्ट्रक्चर गिरा है।

कोर्ट तक पहुंचा था मामला: साल 2022 में जब पुल गिरा था। उस समय आईआईटी रुड़की, मुंबई और खड़गपुर की टीम आकर जांच की थी। निर्माण कंपनी के अधिकारी ने अश्वासन दिया था कि निर्माण की गुणवत्ता में सुधार कर काम आगे बढ़ाया जाएगा लेकिन ठीक एक साल बाद 2023 में फिर पुल का स्ट्रक्चर गिर गया। इस मामले में पटना हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि कंपनी अपने खर्च पर फिर से क्षतिग्रस्त हिस्सा का निर्माण नई डिजाइन के मुताबिक कराएगी। लेकिन क्षतिग्रस्त हिस्सा का अब तक काम शुरू नहीं हुआ है।

चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवा बूरी तरह प्रभावित

ओपीडी ठप रहने से मरीज दिन भर रहें हलकान

प्रातः किरण

पटना/एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के मामले को लेकर आंदोलन और तेज हो गया है। घटना के खिलाफ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आह्वान पर देशभर के अस्पतालों में 24 घंटे की हड़ताल से ओपीडी सेवा पूरी तरह प्रभावित रहा। मरीज व उनके परिजन दिन भर हलकान रहें। प्रदेश की राजधानी में पीएमसीएच, एनएमसीएच सहित अन्य सरकारी अस्पतालों में सुबह से ही ओपीडी सेवा प्रभावित रही। रेजीडेंट डाक्टरों ने मेडिकल संबंधित कार्यो का बहिष्कार कर दिया। प्रदेश के विभिन्न सरकारी अस्पतालों के अलावा लैब, पैथोलॉजी सेंटरों पर भी ताला लगा हुआ दिखा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की बिहार व क्षेत्रीय इकाईयों के पदाधिकारियों ने कोलकाता में महिला डाक्टर के साथ हुई दर्दनाक घटना के संबंध में

शनिवार को राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया है, जिसका असर राजधानी समेत प्रदेश के कई अस्पतालों में स्पष्ट दिखायी दे रहा है। पटना के सबसे बड़े अस्पताल पीएमसीएच में भी मरीज दिन भर इलाज के लिए भटकते रहें। नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हड़ताल का असर सुबह से ही देखने को मिल रहा है। हड़ताल के कारण छोटे-छोटे नौनिहाल बच्चों इलाज के लिए परिजन दिन भर भाग दौड़ करते रहे। डॉक्टर के हड़ताल का असर मरीज के वार्डों में भी दिखा। कई मरीज इलाज के अभाव में वार्ड में तड़पते रहें। डॉक्टर के नहीं रहने से कई मरीज अस्पताल छोड़कर निजी अस्पताल का रूख किये। कमोबेश यह स्थिति राजधानी पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान और एम्स में भी दिखा। एम्स में भी जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया। इधर, ओपीडी सेवा बाधित होने के कारण मरीज और तीमारदारों में आक्रोश है। गर्दनीबाग अस्पताल में भी डॉक्टरों के हड़ताल का असर देखने को मिला। यहां पर काउंटर पर कई लोगों को हड़ताल के नाम पर लौटाया जा रहा था। मरीज और तीमारदारों का कहना है कि हड़ताल के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने डॉक्टरों से जल्द से जल्द काम पर लौटने की अपील की : केंद्र सरकार ने इस मामले में सक्रियता दिखाते हुए डॉक्टरों से जल्द से जल्द काम पर लौटने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि फोर्डा, आईएमए और सरकारी अस्पतालों के आरडीए की तरफ से बताई गई चिंताओं के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्रालय उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कमेटी का गठन कर रहा है। यह कमेटी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को लेकर सभी संभव कदमों का ब्योरा देगी।

राज्य सरकार ने रक्षा बंधन के अवसर पर महिलाओं को दी बड़ी सौगात

रक्षा बंधन : महिलाओं व छात्राओं के लिए पटना में सिटी बसों की यात्रा मुफ्त

सुबह 6 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक मिलेगी यह सुविधा

प्रातः किरण

पटना। नीतीश कुमार की सरकार ने रक्षा बंधन के मौके पर महिलाओं और छात्राओं को बड़ा तोहफा दिया है। राखी के दिन पटना में चलने वाली सिटी बसों में यात्रा इनके लिए मुफ्त रहेगी। सिटी बस से पटना में कही भी ये बिना टिकट लिये यात्रा कर सकेंगी। 19 अगस्त को रक्षा बंधन है इस दिन बिहार राज्य पथ परिवहरण निगम की सभी सरकारी सिटी बसों में सफर करने वाली महिलाओं और युवतियों को टिकट नहीं लगेगा।

यह सुविधा सुबह 6 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक मिलेगी। परिवहन विभाग मंत्री शीला कुमारी के निर्देश पर पटना शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर महिलाओं एवं छात्राओं को निःशुल्क यात्रा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सिटी सर्विस की बसों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने एवं सुरक्षित सफर के लिए रक्षाबंधन पर विशेष

सुविधा प्रदान की जाएगी। महिलाओं को सुविधा प्रदान करने हेतु सभी बसों में पूर्व से ही 65 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित किये गए हैं। परिवहन विभाग रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को महिलाओं को एक सौगात देने जा रहा है। इस दिन महिलाएं एवं छात्राएं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस की बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। बस में सफर करने के लिए उन्हें किसी तरह का कोई शुल्क नहीं देना होगा। रक्षाबंधन के दिन पथ परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाली महिलाएं व छात्राओं को फ्री बस की सुविधा सुबह 6:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक मिलेगी। बिहार राजपथ परिवहन निगम की पटना नगर बस सेवा के मार्ग संख्या 111, 111अ, 222, 444, 555, 666, 888, 888अ 100, 200, 999 एवं पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से परिचालित बसों में निः शुल्क यात्रा कर सकती हैं। परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा राजधानी में कुल 135 सिटी सर्विस की बसों का परिचालन किया जा रहा है। इसमें 25 इलेक्ट्रिक एवं शेष सभी सीएनजी बसें हैं। इन सभी बसों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं एवं छात्राओं के लिए बस सेवा पूरी तरह फ्री रहेगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के प्रशासक अभय झा ने बताया कि 2018 से पटना शहर के विभिन्न मार्गों पर बिहार राजपथ परिवहन निगम के द्वारा सिटी बस सेवा का परिचालन किया जा रहा है। सिटी बसों का उपयोग महिलाओं द्वारा बड़ी संख्या में किया जाता है और महिलाओं के बीच सिटी बस सेवा काफी लोकप्रिय है। सभी बसों में 65 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित किये गए हैं। बसों में सफर के दौरान महिलाएं सुरक्षित महसूस कर सकें इसके लिए बसों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं एवं अन्य सुविधाएं प्रदान किये गए हैं।

विमोचन पुस्तक में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लाए गए परिवर्तनकारी बदलावों को दर्शाया गया

अमित शाह ने मोदी सरकार पर लिखी तरुण चुग की पुस्तक का किया विमोचन

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा नेता तरुण चुग द्वारा लिखी गयी एक पुस्तक का विमोचन किया, जिसके बारे में लेखक ने शनिवार को कहा कि इसमें (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में लाए गए परिवर्तनकारी बदलावों को दशार्या गया है, जिसमें चुनावी राज्य जम्मू-कश्मीर भी शामिल है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुग ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर योजना और नीति के केंद्र में आम नागरिकों को रखा है, ऐसे

बदलावों की शुरूआत की है जिससे समाज के सबसे कमजोर और गरीब तबके को सशक्त बनाया गया है तथा देश को भी मजबूती मिली है।

चुग ने कहा कि पुस्तक मोदीज गवर्नेंस ट्रायम्फः रीशेपिंग इंडियाज पाथ टू प्रॉसपेरिटी प्रधानमंत्री के दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन से प्रेरित है जो हमेशा देश के लिए समर्पित रहा है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कम मतदान प्रतिशत के कारण लंबे समय तक इस क्षेत्र पर शासन करने वाले तीन परिवार अपने भविष्य की संभावनाओं को लेकर हिल गए हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के युवराज उमर अब्दुल्ला और पीडीपी की राजकुमारी महबूबा मुफ्ती हालिया लोकसभा चुनावों में हार गए, जबकि नेहरू-गांधी परिवार की कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल पायी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों में बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश में विकास और प्रशासनिक क्षमता की शुरूआत की है, जिससे इस क्षेत्र में जीवन के केंद्र में आतंकवाद नहीं बल्कि पर्यटन आ गया है। चुग ने कहा, बड़ी संख्या में लोगों द्वारा मतदान का बहिष्कार करने के कारण सत्ता में आए लोग हिल गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। वह जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के प्रभारी भी हैं। पुस्तक के कथानक की बात करें तो इसमें विस्तार से बताया गया है कि किस तरह मोदी ने भाजपा के विचारक दीन दयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के दर्शन और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान को साकार किया है। उन्होंने विभिन्न अन्य योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि गरीबों के 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं और उनमें से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है।

पहलवान विनेश फोगाट ने बजरंग पुनिया साक्षी मलिक के साथ दिल्ली में किया रोड शो

नई दिल्ली/एजेंसी। पहलवान विनेश फोगट ने पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में रोड शो किया। रोड शो में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद थे।साक्षी मलिक ने कहा, विनेश ने देश के लिए जो किया है, वह बहुत कम लोग कर पाते हैं। उन्हें और अधिक सम्मान और सराहना मिलनी चाहिए। इस बीच, बजरंग पुनिया ने कहा, देशवासी उन्हें जबरदस्त प्यार दे रहे हैं, आप देख सकते हैं कि देश ने उनका कैसे स्वागत किया।

इससे पहले शनिवार को पहलवान विनेश फोगट दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। पेरिस से लौटने पर विनेश ने कहा, मैं सभी देशवासियों का शुक्रिया अदा करती हूं, मैं बहुत भाग्यशाली हूं। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली वह पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। हरियाणा में जन्मी यह पहलवान एयरपोर्ट के बाहर निकलने के बाद भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी। हालांकि, 50 किलोग्राम के स्वर्ण पदक मुकाबले में विनेश को अयोग्य घोषित कर दिया गया, क्योंकि उनका वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। बुधवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट ने संयुक्त रजत पदक दिए जाने की उनकी याचिका खारिज कर दी। अयोग्य घोषित किए जाने के एक दिन बाद 8 अगस्त को उन्होंने कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी। 29 वर्षीय विनेश का स्वागत करने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ उमड़ी।

संक्षिप्त समाचार

बस के नीचे सोया था युवक, टायर से कुचलकर मौत

हल्द्वानी, एजेंसी। मंगलपड़ाव चौकी क्षेत्र में सिडकुल स्थित कंपनी की बस के नीचे सड़क पर सो रहा युवक टायरों की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मंगलपड़ाव चौकी इंचार्ज दिनेश जोशी ने बताया कि पांडे गार्डन मंगलपड़ाव निवासी सूरज जोशी (24) पुत्र रघुवीर दो भाइयों में बड़ा था। काफी समय से वह बेरोजगार था। गलत संगत में पड़ने के कारण वह नशा करने लगा था और रात को घर जाने के बजाय वह कई बार सड़क किनारे ही सो जाता था। मंगलवार की रात सूरज पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर सिडकुल की एक कंपनी की बस के पीछे सो गया। बुधवार सुबह चालक ने बस को पीछे किया तो टायर युवक के ऊपर चढ़ गया। टायर से गला कुचलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कुछ लोगों ने युवक की हत्या की अफवाह उड़ाई जिसे पुलिस ने सिरे से नकार दिया। उधर कोतवाल उमेश मलिक ने कहा कि सीसीटीवी की मदद से बस का पता लगाया जा रहा है।

निकाह के लिए तय किया रिश्ता, फिर बना लिए शारीरिक संबंध, अब दहेज का मांग कर रहा दूल्हा

रामनगर, एजेंसी। युवती से पहले निकाह के लिए रिश्ता किया। इस बीच उसने झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बना लिए। अब युवक दहेज की मांग कर रहा है। पुलिस ने इस मामले में मुरादाबाद जिले के भोजपुर निवासी युवक के खिलाफ दुष्कर्म करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मोहल्ला गुलरघटटी निवासी एक युवती का उत्तर प्रदेश के जिला मुरादाबाद भोजपुर पीपलसाना निवासी अनस पुत्र अख्तर से शादी का रिश्ता तय हुआ था। आरोप है कि युवक ने रिश्ता होने की आड़ में युवती से शारीरिक संबंध बना लिए। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोपी के परिजनों ने युवती के परिजनों से दहेज की मांग भी की। इस मामले की तहरीर युवती ने कोतवाली में दी थी। पुलिस ने मामले में अनस के खिलाफ दुष्कर्म, धमकी देने व दहेज अधिनियम की पुरानी धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आकाशीय बिजली गिरने से गई लाइट, फिर पंखे का स्विच खोलते ही युवक को लगा करंट

चमोली, एजेंसी। बीती शाम करीब सात बजे क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से लाइट चली गई थी। इसके बाद जब लाइट आई तो युवक ने पंखे का स्विच खोला। तभी उसे जोरदार करंट लगा। चमोली के ग्राम कांडई मणखी ब्लॉक नन्दनगर में एक युवक को घर में करंट लग गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि एक दिन पहले क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरी थी, जिससे बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हो गया था। उसी वजह से युवक को करंट लगा है। मृतक के भाई सुरेंद्र कनियाल ने बताया कि बीती शाम करीब सात बजे क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से लाइट चली गई थी। इस दौरान जितेंद्र कनियल।(37) मंगसिरु लाल पंखे का स्विच खोलने गया। जैसे ही उसने बटन दबाया उसे करंट लग गया। जिससे उसकी जान चली गई। परिजन शव को जिला सस्पाल गोपेश्वर लेकर गए।

पेट्रोलियम के टैंकर से 365 टिन लीसा बरामद

ज्योलीकोट (नैनीताल), एजेंसी। ज्योलीकोट के मनोरा वन क्षेत्र में वन विभाग ने पेट्रो पदार्थ ले जाने वाले टैंकर में छिपाकर ले जाया जा रहा 365 टिन लीसा बरामद किया है। तस्करी के लिए इस्तेमाल किए गए टैंकर को भी जब्त कर लिया है। वन विभाग को बुधवार सुबह सूचना मिली कि एक टैंकर में बड़ी मात्रा में लीसा तस्करी कर हल्द्वानी की ओर ले जाया जा रहा है। इस पर रेंजर मुकुल शर्मा और उप वन क्षेत्राधिकारी आनंद लाल के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम ने रानीबाग चेकपोस्ट पर वाहनों की जांच शुरू की। इस दौरान पेट्रो पदार्थ ले जाने वाले टैंकर (यूपी 25 एफटी 8425) को रोका गया। इस बीच चालक मौका पाकर घटनास्थल से फरार हो गया। तलाशी लेने पर टैंकर के केबिनों से 365 टिन लीसा बरामद हुआ।

हल्द्वानी में डॉक्टर उतरेंगे सड़क पर, 13 हजार से अधिक मरीज होंगे प्रभावित

हल्द्वानी, एजेंसी।
देश भर के डॉक्टर आक्रोशित हैं। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म व हत्या के मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी में भी आज सरकारी व निजी अस्पतालों के 500 से अधिक डॉक्टर सड़क पर उतरेंगे। जुलूस निकालेंगे। नारेबाजी करते हुए आंदोलन करेंगे।

इसमें मेडिकल कालेज के स्टूडेंटस भी शामिल होंगे। इससे कुमाऊं भर से इलाज को पहुंचने वाले 13 हजार से अधिक मरीज प्रभावित होंगे। यद्यपि इमरजेंसी सेवा सभी निजी व सरकारी अस्पतालों में सुचारू रहेगी।

आइएमए के राष्ट्रीय आह्वान पर कुमाऊं में भी 17 अगस्त की सुबह से 24 घंटे तक ओपीडी सेवा पूरी तरह बंद रहेगी। आइएमए हल्द्वानी के महासचिव डा. प्रदीप पांडे ने बताया कि नौ अगस्त को कोलकाता में हुई घटना से देश स्तब्ध है। इस तरह घटना भविष्य में न हो। डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संगठन के राष्ट्रीय आह्वान पर सभी डॉक्टर डा. सुशीला तिवारी अस्पताल से शहीद पार्क तक जुलूस निकालेंगे। ज्ञापन सौंपेंगे। साथ ही रात में भी शहीद पार्क से कैंडल मार्च निकालेंगे। इसमें मेडिकल कालेज हल्द्वानी के रेजिडेंट डॉक्टर, इंटर्न और मेडिकल स्टूडेंट्स भी कार्य बहिष्कार करते हुए जुलूस में शामिल होंगे। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के अध्यक्ष डा. मनोज वर्मा व महासचिव डा. रमेश कुंवर की ओर से कहा गया है कि आरजी कर मेडिकल कालेज की महिला

रेजिडेंट डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए शांतिपूर्वक आंदोलन किया जा रहा है। बेस अस्पताल, महिला अस्पताल समेत सभी सरकारी अस्पताल में भी 17 अगस्त से 24 घंटे ओपीडी सेवा बंद रहेगी। अस्पतालों में केवल इमरजेंसी सेवाएं संचालित होंगी। साथ ही एनएचएम कर्मियों ने भी साथ देने का ऐलान किया है। शहर में आइएमए से 325 डॉक्टर जुड़े हैं। इसमें 225 डॉक्टरों की ओपीडी में ही अनुमानित तौर पर प्रतिदिन 11 हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। इसके अतिरिक्त बेस अस्पताल व महिला अस्पताल समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में दो हजार डॉक्टर पहुंचते हैं। ऐसे में लगभग 13 हजार मरीज सीधे-सीधे प्रभावित होंगे। पहले से तय आपरेशन भी नहीं हो सकेंगे। इसके लिए मरीजों को इंतजार करना पड़ेगा। डा. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में सीनियर डॉक्टर ड्यूटी पर रहेंगे। इसलिए ओपीडी सेवाएं संचालित होंगी। यहां पर केवल रेजिडेंट डाक्टर, इंटर्न डाक्टर व मेडिकल छात्र-छात्राएं हड़ताल पर रहेंगे। इसकी वजह से काम प्रभावित रहेगी।

परिवर्तनकामी छात्र संगठन (पछासं) ने 16 अगस्त को पश्चिम बंगाल में आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म व हत्या के विरोध में बुद्ध पार्कमें सभा की थी। पश्चिम बंगाल सरकार व अश्लील उपभोक्तावादी पूंजीवादी संस्कृति का पुतला दहन किया। वक्ताओं ने कहा कि बंगाल सरकार आरोपियों को बचाने का घृणित काम कर रही है। कैंडल मार्च करने वालों पर हमला करना शर्मनाक है। अश्लील उपभोक्तावादी संस्कृति ने लोगों की मानसिकता को इस हद तक बर्बाद कर दिया है कि महिलाएं घर, काम की जगह कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। हर पारिवारिक-सामाजिक संबंध तार-तार हो रहे हैं।

रानीखेत में चिकित्सकों ने काला फीता बांधकर किया प्रदर्शन

रानीखेत, एजेंसी।
कोलकाता के एक मेडिकल कालेज में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में चिकित्सकों में कड़ा आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को उप जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों ने इस घटना के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ के रानीखेत के अध्यक्ष डॉ. अशोक टम्टा ने कहा कि वर्तमान में चिकित्सक सुरक्षित नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ जो घटना घटी है। उससे पूरा चिकित्सक समाज आहत है। उन्होंने कहा कि जब तक इस मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिलेगी। तब तक चिकित्सक संघ चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि इस घटना के विरोध में शनिवार को रानीखेत में चिकित्सक पूर्ण कार्य बहिष्कार पर रहेंगे। प्रदर्शन में डॉ. डीएस नेगी, डॉ. अमरजीत सिंह, डॉ. अमनदीप कौर, डॉ. जीवन प्रसाद आदि थे।

अल्मोड़ा में 78वें स्वतंत्रता दिवस की मची धूम, विद्यार्थियों व राजनीतिक पार्टियों ने निकाली प्रभात फेरी

अल्मोड़ा, एजेंसी।
उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। जनपद मुख्यालय में समस्त विद्यालयों के विद्यार्थियों एनसीसी क्रेडिट व राजनीतिक पार्टियों के लोगों ने प्रभात फेरी निकाली। वहीं छात्र-छात्राएं देश भक्ति गीत के साथ तिरंगे में रंगे नजर आये।

स्वतंत्रता दिवस हमारे देश की आजादी की अमूल्य धरोहर का प्रतीक है। यह दिन हमें उन वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें आजादी दिलाई। देश आज अपनी आजादी की 78वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस पावन पर्व पर हम सभी को अपने देश के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करते हुए, इस शुभ दिन को मनाना चाहिए। इसी बीच जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षण संस्थानों में भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद किया जा रहा है। आज़ादी के इस पर्व पर, हर गली और मोहल्ले में तिरंगे की शान में लोग झूमते नज़र आ रहे हैं।

रुद्रपुर नर्स हत्याकांड : आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर महिला कांग्रेसियों का प्रदर्शन

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
रुद्रपुर में हुए नर्स हत्याकांड के दोषी को फांसी की सजा दिलाने की मांग को लेकर महिला कांग्रेसियों ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

रुद्रपुर में हुए नर्स हत्याकांड के दोषी को फांसी की सजा दिलाने की मांग को लेकर महिला कांग्रेसियों ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। महिला संबंधी घटना पर त्वरित एक्शन लेने की मांग की। एसपी सिटी मनोज कत्याल को ज्ञापन सौंपा। एसपी सिटी ने कहा कि मामले की गंभीरता से विवेचना की जा रही है। अभियुक्त को कड़ी सजा दिलाई जाएगी।

बता दें कि गदरपुर के इस्लामनगर निवासी एक व्यक्ति की 32 वर्षीय बेटी नैनीताल रोड स्थित एक अस्पताल में नर्स थी। वह अपनी 11 साल की बेटी के साथ बिलासपुर की कॉलोनी में रहती थी। 30 जुलाई से वह लापता थी। उसकी बहन ने 31 जुलाई को रुद्रपुर कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो वह अंतिम बार 30 जुलाई की शाम कॉलोनी के पास दिखी थी। बीते दिनों उसका कंकाल उसकी कॉलोनी को जाने वाली सड़क के पास एक खाली प्लॉट की झाड़ियों से बरामद हुआ था। परिजनों ने कपड़ों के आधार पर उसकी शिनाख्त की थी।

भीमताल झील किनारे और मिनी स्टेडियम में पौधरोपण अभियान, 50 से अधिक छायावाद पेड़ लगाए

नैनीताल , एजेंसी।
पर्यावरण संरक्षण के लिए भीमताल के व्यापारियों ने शुक्रवार को नगर वासियों के साथ झील किनारे और मिनी स्टेडियम में पौधरोपण अभियान चलाया।

पर्यावरण संरक्षण के लिए भीमताल के व्यापारियों ने शुक्रवार को नगर वासियों के साथ झील किनारे और मिनी स्टेडियम में पौधरोपण अभियान चलाया। व्यापारी नेता पंकज जोशी ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भीमताल के व्यापारियों की ओर से मुहिम चलाई गई है।

उन्होंने कहा कि शुक्रवार को

भीमताल झील किनारे और मिनी स्टेडियम में 50 से अधिक पेड़ लगाए। उन्होंने कहा कि लगाए गए पेड़ों का संरक्षण व्यापारियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से किया जाएगा। इस दौरान सौरभ रौतेला, नितिन राणा, कमलेश रावत, रामपाल गंगोला, प्रवीण पटवाल, सुनीता पांडे, दिनेश सांगड़ी, प्रदीप पाठक, हिमांशु रौतेला, लवेंद्र रौतेला, नितेश बिष्ट, शरद पांडे, योगेश तिवारी, केडी जोशी आदि मौजूद रहे।

किशोर को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में चार पर केस

हल्द्वानी, एजेंसी। शीशमहल क्षेत्र में नौ अगस्त को राहगीर को टक्कर मारने के बाद कार चालक किशोर के आत्महत्या करने संबंधी मामले में पुलिस ने बनभूलपुरा निवासी चार युवकों के खिलाफ किशोर को आत्महत्या के लिए उकसाने समेत अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया है। मृतक किशोर के पिता एमपी साह निवासी साह फार्म दमुवाढूंगा ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि नौ अगस्त की शाम को उनका बेटा दोस्तों के साथ जन्मदिन की पार्टी से लौट रहा था। शाम करीब छह बजे उनकी कार निर्मला कॉन्वेंट स्कूल के पास पहुंची तो एक राहगीर को टक्कर लग गई। कार चला रहा उनका बेटा इससे घबरा गया और आगे बढ़ गया। रास्ते में बनभूलपुरा लाइन नंबर आठ निवासी रेहान और उसके तीन साथियों अफराज नसीम, कृष्णा और तनिष्क उसका पीछा करने लगे। बचने के लिए किशोर एक गली में घुसा तो पीछे से रेहान अपने साथियों के साथ वहां पहुंच गया और पत्थर मारकर उसकी कार के आगे और पीछे के शीशे तोड़ दिए। किशोर किसी तरह वहां से निकला और कार को एक खाली प्लाट पर खड़ा कर दिया। आरोप है कि इसी दौरान चारों आरोपियों ने वहां पहुंचकर किशोर को लात-घूसों और डंडों से पीटते हुए उसे व परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

पीजी में सीटें और स्नातक में पंजीकरण की तिथि बढ़ाने के लिए छात्र मुखर

हल्द्वानी, एजेंसी।
एमबीपीजी कॉलेज के छात्रों ने स्नातकोत्तर में सीटें बढ़ाने, स्नातक के पंजीकरण की तिथि बढ़ाने और द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने की मांग को लेकर शुक्रवार को संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. एएस उनियाल को ज्ञापन सौंपा। छात्रों का कहना है कि स्नातकोत्तर में सीटें फुल होने के कारण कई विद्यार्थी उच्च शिक्षा लेने से वंचित हो गए हैं।

बताया कि पूर्व में उच्च शिक्षा मंत्री ने पीजी की सीटें बढ़ाने की घोषणा भी की थी जो आज तक पूरी नहीं हुई है। छात्र नेता उमाशंकर तिवारी ने कहा कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के लिए कई छात्र भटक रहे हैं जबकि द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित ना होने से छात्र तृतीय सेमेस्टर

में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं। छात्रों ने मांग पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। संयुक्त निदेशक प्रो. उनियाल ने छात्रों की मांगे पूरी करने का आश्वास दिया है। ज्ञापन देने वालों में चंदन मेवाड़ी, अभिषेक दुम्का आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा के संयुक्त निदेशक प्रो. एएस उनियाल का कहना है कि स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल दो दिन के लिए खोला जाएगा। प्रो. उनियाल ने बताया कि इंटरमीडिएट में सुधार परीक्षा देने वाले सीबीएसई और उत्तराखंड बोर्ड के रिजल्ट घोषित होने के बाद समर्थ पोर्टल दो दिन के लिए खोल जाएगा जो छात्र-छात्राएं स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने से वंचित रह गए हैं।

नैनीताल हाईकोर्ट सख्त, पंचायती राज अपर सचिव और जिपं अध्यक्ष चंपावत को अवमानना नोटिस जारी

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल हाईकोर्ट ने चंपावत जिले में जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी भगवत पाटनी के स्थानांतरण मामले में पारित आदेश का अनुपालन नहीं करने पर अपर सचिव पंचायती राज आलोक कुमार पांडे व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय को अवमानना नोटिस जारी किया।

नैनीताल हाईकोर्ट ने चंपावत जिले में जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी भगवत पाटनी के स्थानांतरण मामले में पारित आदेश का अनुपालन नहीं करने पर अपर सचिव पंचायती राज आलोक कुमार पांडे व जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 सितंबर की तिथि नियत की है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की

एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

मामले के अनुसार भगवत पाटनी ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर कर कहा था कि शासन ने पहली जुलाई को एक आदेश जारी कर उनका स्थानांतरण उत्तरकाशी के अपर जिला पंचायत अधिकारी के पद पर कर दिया था। स्थानांतरण आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। लेकिन सरकार ने अगले दिन अपने आदेश को वापस ले लिया। इसके बाद 24 जुलाई को फिर से स्थानांतरण आदेश जारी कर उन्हें चमोली भेज दिया गया।

आतिशी ने दिल्ली में सीवर ओवरफ्लो के मुद्दे पर मुख्य सचिव को फटकार लगाई

विभागों-अधिकारियों के बीच समन्वय बनाना और सीवर संकट की दूर करना मुख्य सचिव की ज़िम्मेदारी- आतिशी

- विभागों-अधिकारियों के बीच समन्वय बनाना और सीवर संकट की दूर करना मुख्य सचिव की ज़िम्मेदारी-जलमंत्री आतिशी
- बार-बार निर्देशों के बावजूद सीवर संकट को दूर करने के लिए मुख्य सचिव द्वारा जरूरी कारवाई न करना बड़ी लापरवाही; केजरीवाल सरकार में इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा-जलमंत्री आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में सीवर ओवरफ़्लो और इस कारण पानी के दूषित होने के मुद्दे पर जलमंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को फटकार लगाई है। उन्होंने मुख्य सचिव को तत्काल सीवर समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए है। जलमंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए कहा है कि, शहर भर से आ रही सीवर समस्याओं को तुरंत दूर किया जाए और इस संकट के लिए जिम्मेदार लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख़्त कदम उठाया जाए।

इस बाबत मुख्य सचिव को दिए अपने आदेश में जलमंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से सीवर ओवरफ्लो के संबंध में कई शिकायतें मिल रही हैं। पटपड़गंज गांव, शशि गार्डन, खिचड़ीपुर, सुभाष पार्क, राज नगर पार्ट 2, सत्य निकेतन, आरके पुरम, जेड ब्लॉक रंजीत नगर, फरीदपुरी, बुद्ध नगर, पांडव नगर, डब्ल्यूईए करोल बाग, गढ़ी गांव, पिलंजी गांव, चंद्रावल गांव, कोटला गांव , सराय काले खां बस्ती, जमरूदपुर और चिराग दिल्ली इस समस्या से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

उन्होंने कहा कि, ये शिकायतें बहुत गंभीर प्रकृति की हैं और दिन पर दिन बदतर होती जा रही हैं। जगह-जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहा है, जिससे इलाके में रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

जलमंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली के कई हिस्सों में सीवर का पानी पीने के पानी को दूषित कर रहा है। यदि इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो यह एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन सकता है।

उन्होंने कहा कि, मैंने संबंधित स्थानीय प्रतिनिधियों और डीजेबी अधिकारियों के साथ दिल्ली जल बोर्ड की कई समीक्षा बैठकें की हैं। इन बैठकों के दौरान संबंधित अधिकारियों की समस्याओं के साथ स्पेसिफि क लोकेशन भी दी गई। लेकिन विभिन्न विभागों के बीच जमीनी स्तर पर कोऑर्डिनेशन नहीं होने के कारण समस्या बनी हुई है।

जलमंत्री आतिशी ने कहा कि, शहरी विकास विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और वित्त विभाग समस्या का समाधान करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप में लगे हुए हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि दिल्ली के लोग बुरी तरह प्रभावित हो रहे है।

उन्होंने कहा कि, मुख्य सचिव ब्यूरोक्रेसी का प्रमुख होता है। इस नाते मुख्य सचिव की जिम्मेदारी है कि इन मुद्दों को सुलझाया जाये, ताकि लोगों को सरकारी अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना रवैये का खामियाजा न भुगतना पड़े।

बता दे कि, जलमंत्री आतिशी ने कई बार मुख्य सचिव को इस समस्या को लेकर मौखिक-लिखित निर्देश दिए है लेकिन अबतक इस समस्या को दूर करने को लेकर कोई कारवाई नहीं हुई है। जलमंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली सरकार में ये लापरवाही स्वीकार्य नही है।

जलमंत्री आतिशी का मुख्य सचिव को निर्देश-

1. दिल्ली भर में सीवर ओवरफ्लो से संबंधित समस्याओं की निगरानी करें और उसका समाधान करें।
2. जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह संकट पैदा हुआ है, उन पर सख्त कार्रवाई करें।

अस्पतालों में डॉक्टरों ने जारी रखी हड़ताल, हेडगेवार अस्पताल में मरीजों ने भी दिया साथ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर आज दिल्ली के सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में सुबह से ही हड़ताल जारी है। सभी अस्पतालों में हड़ताल का असर दिखना शुरू हो गया है। मरीजों को अस्पताल से बिना इलाज वापस लौटना पड़ रहा है। वहीं, करीब 10 बजे से अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों ने भी प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई घटना के दोषियों को फांसी देने और सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट की मांग शुरू कर दी। दिल्ली के जीटीबी, राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी, चाचा नेहरू, हेडगेवार आरोग्य संस्थान सहित सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों ने हड़ताल की। वहीं, प्राइवेट अस्पतालों की बात करें तो गोयल नर्सिंग होम, डॉक्टर मोंगा नर्सिंग होम, पुष्पांजलि अस्पताल, त्यागी परफेक्ट हॉस्पिटल, कैलाश दीपक हॉस्पिटल, शांति मुकुंद हॉस्पिटल सहित कई अन्य अस्पतालों में डॉक्टरों ने हड़ताल की। इस दौरान भारी संख्या में डॉक्टर धरना प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी डॉक्टरों ने एक सुर में कोलकाता रेप और मर्डर की पीड़िता के लिए न्याय की मांग की।

वहीं, हेडगेवार आरोग्य संस्थान के डॉक्टरों ने दोषियों को फांसी देने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान हेडगेवार अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज भी डॉक्टरों का साथ देते नजर आए। मरीजों ने भी डॉक्टरों के समर्थन में नारेबाजी की और दोषियों के लिए फांसी की मांग करते हुए नारे लगाए। हेडगेवार आरोग्य संस्थान में मेडिसिन विभाग के सीनियर रेजिडेंट और आरडीए से जुड़े डॉक्टर नदीम ने कहा कि कोलकाता में जो घटना हुई है वह बहुत दर्दनाक है।

डॉक्टर नदीम ने कहा कि घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने उसको दबाने की कोशिश की। पहले बताया गया कि यह सुसाइड है, पर जब लोगों ने इस बात को नहीं माना और वहां प्रोटेस्ट किया तो कहा गया कि यह मर्डर है। फिर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में निकलकर आया कि यह गैंगरेप है। अब केस सीबीआई को हैंड ओवर हो गया है। लेकिन हमारी मांग है कि इस केस को फास्ट्रेक कोर्ट में रेफर किया जाए और दोषियों को जल्दी से जल्दी फांसी दी जाए। डॉक्टर नदीम ने कहा कि अस्पताल में सबूतों के साथ भी छेड़छाड़ हुई है। छेड़छाड़ करने वाले लोगों पर भी जल्द एक्शन लिया जाए। इसके साथ ही पूरे देश के डॉक्टरों की एक ही मांग है कि केंद्रीय प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करके सरकार सभी अस्पतालों के डॉक्टर और कर्मचारियों को सुरक्षा दे। जब हम अस्पताल में सुरक्षित महसूस करेंगे तभी अपने मरीजों को ढंग से देख सकेंगे। उधर जीटीबी अस्पताल, इहबास और राजीव गांधी अस्पताल आरडीए ने भी मिलकर प्रोटेस्ट करते हुए अस्पताल में ही मार्च निकाला। इस दौरान इहबास और जीटीबी में बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्सिंग कर्मचारी, टेक्नीशियन सहित अस्पताल से जुड़े हुए सभी कर्मचारी शामिल हुए।

दिल्ली कोचिंग सेंटर में छात्रों की मौत के चार आरोपियों की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में राव आईएएस सर्कल में हुई तीन छात्रों की मौत मामले में गिरफ्तार चार सह-मालिकों की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया। प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजू बजाज ने जमानत याचिकाओं पर 23 अगस्त को फैसला सुनाने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान कोचिंग के सह-मालिकों की ओर से पेश वकील ने कहा कि जमानत याचिका पर भावनाओं से नहीं बल्कि मामले और कानून के तथ्यों के आधर पर सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जब एजेंसी कार्रवाई नहीं करती तो यह भी अपराध का हिस्सा है। दिल्ली नगर निगम के अधिकारी सब कुछ जानते हैं लेकिन वो कुछ नहीं करते। सह-मालिकों के वकील ने कहा कि बड़े पैमाने पर जनता की भावनाओं को शांत करने के लिए निर्दोष लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके लिए आरोपी कैसे जिम्मेदार हैं। क्या आरोपियों को फावड़ा उठाकर नालियों की सफाई शुरू कर देनी चाहिए।

बता दें कि 9 अगस्त को सीबीआई ने जमानत याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल किया था। कोर्ट ने 7 अगस्त को सीबीआई को नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2 अगस्त को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपा था। इसके पहले तीस हजारी कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने चारों सह-मालिकों की जमानत याचिका का निस्तारण करते हुए कहा था कि अब ये मामला सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया है, इसलिए याचिका सीबीआई कोर्ट में दाखिल करें।

जिन आरोपियों ने जमानत याचिका दायर किया है उनमें तेजिंदर सिंह, परविंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह शामिल हैं। इस मामले में एक आरोपी और थार चालक मनुज कथूरिया को सेशंस कोर्ट पहले ही जमानत दे चुका है। दिल्ली पुलिस ने 29 जुलाई को राव आईएएस स्टडी सर्कल के चारों सह मालिकों और थार चालक को गिरफ्तार किया था। 28 जुलाई को कोचिंग के मालिक अभिषेक गुप्ता और कोआर्डिनेटर देशपाल सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। थार चालक को छोड़कर सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं।

दिल्ली पुलिस ने इन आरोपियों के अलावा बिल्डिंग मैनेजमेंट, सिस्टम की देखरेख करनेवाले निगमकर्मियों और दूसरे आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 106(1), 115(2), 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। बता दें कि राव आईएएस स्टडी सर्कल के बेसमेंट में लाइब्रेरी स्थित है। इस लाइब्रेरी में यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र पढ़ाई कर रहे थे। इस बेसमेंट में अचानक आए पानी में पढ़ाई कर रहे तीन छात्र फंस गए और इनकी मौत हो गई।

दिल्ली विद्युत बोर्ड के सेवानिवृत्त कर्मियों को कैशलेस इलाज की सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली विद्युत बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को अब कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्हें सूचीबद्ध अस्पतालों में भी इलाज के लिए योग्य माना जाएगा। दिल्ली सरकार की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने शनिवार को सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए इस सुविधा की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब बुजुर्ग पेंशनधारियों को अपने इलाज के खर्च को पाने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सरकार की इस घोषणा से 20 हजार से अधिक पेंशनधारियों को लाभ मिलेगा।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में आतिशी ने कहा कि, वर्ष 2002 में दिल्ली के पावर सेक्टर में बड़ा सुधार लागू हुआ था। दिल्ली विद्युत बोर्ड से बिजली क्षेत्र के अलग-अलग सेक्टर की इकाइयां बनाई गई, जिसमें दिल्ली सरकार की बिजली जनरेशन (उत्पादन) कंपनियां, ट्रांसमिशन (आपूर्ति) कंपनी दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड और तीन बिजली आपूर्ति कंपनियों को अलग-अलग हिस्सों में बिजली आपूर्ति की जिम्मेदारी दी गई। उस समय दिल्ली विद्युत बोर्ड में जो कर्मचारी काम कर रहे थे उनकी जिम्मेदारी दिल्ली सरकार ने ली थी।

आतिशी ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि विद्युत बोर्ड के जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए उनमें से कई को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उन्हें अक्सर समय से पेंशन समेत अन्य सुविधाएं नहीं मिलती थी। वर्ष 2015 में केजरीवाल सरकार आई तो उन्होंने पेंशनर्स की समस्या को हल किया और समय पर पेंशन देने का काम शुरू किया, मगर इलाज के बिल के भुगतान की परेशानी उसके बाद भी बनी हुई थी। बुजुर्ग पेंशनर्स को एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर मेडिकल बिल रिम्बर्समेंट के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ता है। आज उसका भी समाधान कर दिया गया है। अगले एक सप्ताह में इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, दिल्ली विद्युत बोर्ड के पेंशनधारक जो 2002 से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं उनके सभी मेडिकल खर्च को दिल्ली सरकार की कंपनी दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड उठाएगी। वर्ष 2002 के बाद जो लोग सेवानिवृत्त हुए हैं, वह जिस बिजली आपूर्ति कंपनी या फिर बिजली उत्पादन कंपनी के साथ काम कर रहे थे, वहीं उनके सारे मेडिकल क्लेम का भुगतान करेंगी। आतिशी ने कहा कि सभी कंपनियों का अपने कर्मियों के लिए सूचीबद्ध (पैनल) अस्पताल होते हैं। पेंशनधारियों को उन सूचीबद्ध अस्पतालों में भी इलाज की सुविधा मिलेगी। इन इकाइयों की जिम्मेदारी होगी कि वह सभी पेंशनधारियों को कैशलेश मेडिकल सुविधाएं मिले।

चार आरोपियों की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। कोचिंग सेंटर मामले में बेसमेंट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिकाओं पर अदालत 23 अगस्त को फैसला सुना सकती है। राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चंदाना ने शनिवार को सीबीआई के साथ-साथ आरोपियों परविंदर सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। बहस के दौरान अभियुक्तों ने अदालत से कहा कि यह घटना एक्ट ऑफ गॉड थी। अगर नागरिक एजेंसियों ने ठीक से काम किया होता तो इसे टाला जा सकता था। आरोपी के वकील ने कहा कि बेसमेंट में कोई पुस्तकालय नहीं था बल्कि कक्षाएं शुरू होने से पहले छात्रों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र था। उन्होंने दावा किया कि घटना होने से कुछ दिन पहले परिसर में अग्निशमन विभाग ने निरीक्षण किया था, जिसमें बताया गया था कि तहखाने का उपयोग भंडारण के उद्देश्य से किया जा रहा था और इमारत एक शैक्षिक केंद्र चलाने के लिए सुरक्षित और उपयुक्त थी। वकील ने यह भी कहा कि गैर इरादतन हत्या की धारा लगाने के लिए अपराध करने का इरादा भी होना चाहिए।

छात्र पढ़ाई के साथ विभिन्न खेलों में प्रशिक्षित होंगे

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में छात्रों को कई खेलों के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन ने विभिन्न खेलों के विशेषज्ञों और कोच को स्कूलों में तैनात करने की योजना बनाई है। इसके मद्देनजर एक एजेंसी के जरिए विशेषज्ञों और कोच को अनुबंध के तहत स्कूलों में भेजा जाएगा। छह माह से लेकर एक वर्ष की अवधि के लिए विशेषज्ञ और कोच छात्रों को प्रशिक्षण देंगे। अधिकारियों ने बताया कि निगम के 1500 से अधिक स्कूलों में आठ लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं। अब इन छात्रों को बास्केटबॉल, वॉलीबॉल समेत अन्य खेलों के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। स्कूलों में दौड़ और अन्य खेलों के लिए मैदान भी तैयार किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के कीर्ति (खेलो इंडिया बढ़ती प्रतिभा की पहचान) कार्यक्रम के तहत छात्रों में खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त समय-समय पर छात्रों के लिए कई टूनामेंट भी आयोजित किए जाएंगे। इसमें जोन स्तर के टूनामेंट आयोजित होंगे।

PUBLIC NOTICE

It is to informed to the public at large that oneMrs. Renu (Adhar-8046 6530 4959) W/o Mr. Jai Dev r/o WZ-104, ChhotiyalMohallaPalam Village, Palam Village South West Delhi-110045, the property i.e.Second Floor (Back side) without roof rights "said floor" part of Plot No. 103, area measuring 80 sq. yrds., out of Khasra No. 400, situated in the colony known as Block-V, Sector-D, Bhagwati Vihar, area of village Bindapur, Uttam Nagar, New Delhi, hereinafter referred to as "said property", having acquired the same by virtue ofGPA, ATS, Will's dated 15.01.2024 executed by 1) M/s. Sarvshiva Sales & Construction LLP (25% undivided share) through its partner Mr. Amit Mittal 2) Mr. Sunil Kumar (25% undivided share) 3) Mrs. Shakuntala Devi (50% undivided share) in favour of Mrs. Renu in respect of the Second Floor (Back side) without roof rights). Against said Property, Satin Housing Finance Limited. (our client) is giving a Housing Loan to one(Applicant)Mr. Rohit Kumar S/o Mr. Sushil Kumar (Co- applicant) Mrs. Vasanti Deviw/o Sh. Sushil Kumar r/o Babhantoli, Kako, Jehanabad, Bihar-804418 who would purchase the said property from the Present owner i.e. Mrs. Renu W/o Mr. Jai Dev. It is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/ right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

DharmenderKamti
AddressA-2/162-163,
Lower Ground Floor,
Safdarjung Enclave,
Delhi-110029
Mob: No: 7048947032

स्योहारा शुगर मिल में उत्साह से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

लक्ष्य कॉलेज में हुआ ध्वजारोहण और निकाली विशाल बाइक तिरंगा यात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर राष्ट्रीय पर्व 78 वें स्वतन्र्तता दिवस 15 अगस्त 2024 के अवसर पर ह्लहर घर तिरंगा देश की शान तिरंगा अभियान को पूरे देश मे यूनिक फेस्टिवल के तौर उत्साहपूर्वक और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 78 वे स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लाह के साथ मनाने के क्रम में स्योहारा में भी अवध शुगर मिल के स्कूल में मिल के अधिशासी अध्यक्ष चौधरी सुखवीर सिंह ने बड़े ही उत्साह के साथ ध्वजारोहण किया। चौ.सुखवीर सिंह ने उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, स्टाफ को संबोधित करते हुए इस दिन मिली आजादी के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि यह आजादी हमारे देश के महापुरुषों सच्चे वीर शहीद सपूतों के बलिदान का परिणाम है जिसकी वजह से हम आज आजादी की सांसे ले रहे हैं हम सब को बढ़चढ़ कर देश की तरक्की में सहयोग करें। इस अवसर पर हरित क्रांति को बढ़ावा देने के लिए अवध शुगर एंड एनर्जी ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें 200 पौधे लगाये गये। जिसमें अधिशासी उपाध्यक्ष अशोक मित्तल,डिस्टरली हेड जे.के. सिंह, इंजीनियरिंग हेड दिनेश कुमार, एच. आर.विवेक श्रीवास्तव , हरेन्द्र चौधरी आदि का विशेष योगदान रहा। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर लक्ष्य कॉलेजेज ऑफ मैनेजमेंट ग्रुप में भी बड़े ही धूमधाम के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए ध्वजारोहण कार्यक्रम हुआ इसके पश्चात कॉलेज के प्रबंधक अनुराग सिंह चौहान के नेतृत्व में नगर में एक विशाल बाइक तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिससे नगर का माहौल तिरंगा मय हो गया। बाइक रैली में सोहित प्रताप सिंह, राहुल चौहान, मोहित कुमार चौहान, जॉनी कुमार, गौरव चौहान,गौरव त्यागी, आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे के आरोपी को पकड़ने वाला सम्मानित

नई दिल्ली। सड़क हादसे के बाद आरोपी का पीछा कर पकड़ने वाले युवक को ट्रैफिक पुलिस के विशेष आयुक्त ने सम्मानित किया है। हादसे में हुई मौत के मामले में पुलिस को कोई चश्मदीद मौके पर नहीं मिला था, लेकिन इस साहसी युवक ने पीछा कर आरोपी ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। यातायात पुलिस के अनुसार, बीते 10 अगस्त को तड़के 3.08 बजे पीसीआर को कॉल मिली कि बाहरी रिंग रोड पर एक शख्स घायल अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि युवक की मौत हो चुकी है। आसपास कोई चश्मदीद नहीं मिला। पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने का कार्य शुरू किया। इसी दौरान एक बार फिर पुलिस को रितिक वत्स नामक युवक ने कॉल की। उसने बताया कि यह युवक एक ट्रक की टक्कर से मारा गया है। पैदल सड़क पार करने के दौरान ट्रक चालक ने उसे कुचला है।

जेएनयू में भूख हड़ताल कर रहे छात्रों की हालत गंभीर, अस्पताल में कराया गया भर्ती

नई दिल्ली। जेएनयू छात्र संघ द्वारा कुलपति शांति श्री पंडित के खिलाफ अपनी मांगे पूरी न करने को लेकर की जा रही भूख हड़ताल के छठे दिन शनिवार को जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष धनंजय एवं जेएनयू छात्र रणविजय, शुभम और गगन की तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई, जिसके चलते चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को पांचवें दिन जब डॉक्टरों ने इन सभी की स्वास्थ्य जांच की थी तो करीब 6 छात्रों का वजन दो से तीन किलो कम पाया गया था। लेकिन उसके बावजूद इन लोगों ने अपनी हड़ताल जारी रखी और उसके चलते आज उनकी तबीयत बिगड़ने पर इन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आआइसा) दिल्ली की सचिव नेहा तिवारी का कहना है, ह्लकि हड़ताल के 130 घंटे बीतने के बाद भी बेशर्म जेएनयू प्रशासन ने अभी तक भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों से मिलना भी जरूरी नहीं समझा है। नेहा ने बताया कि कॉमरेड नीतीश (एसएसएस पार्षद और आइसा जेएनयू सचिव), कॉमरेड रणविजय (आइसा जेएनयू अध्यक्ष), कॉमरेड शुभम (ताप्ती छात्रावास अध्यक्ष), कॉमरेड गगन और पुष्पराज भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। रणविजय को बहुत कमजोरी, जोड़ों में दर्द, कमर दर्द की शिकायत है। वह अब खुद से चल भी नहीं पा रहा है। उसकी हालत इतनी गंभीर हो गई है कि वह पानी भी नहीं पी पा रहा है। उसके शरीर में पानी की कमी होने का खतरा मंडरा रहा है। इससे उसके अंगों पर स्थायी और नुकसानदेह असर पड़ सकता है।

नेहा तिवारी ने बताया कि, शुभम को पिछले तीन दिनों से टाइफाइड बुखार है। उसके पूरे शरीर पर दाने निकल आए हैं। उसका रक्तचाप बहुत कम हो गया है। उसे अस्पताल में भर्ती कर दवा देने की जरूरत है। नीतीश को भी बहुत कमजोरी है। उसकी नाड़ी की गति 100 से अधिक हो गई है। गगन को कमजोरी के साथ-साथ पूरे शरीर पर दाने निकल आए हैं। पुष्पराज में लीवर खराब होने के शुरूआती लक्षण दिखाई दिए हैं। रणविजय और शुभम को अपनी भूख हड़ताल बंद करने की सख्त सलाह दी गई है। लेकिन वे तब तक भूख हड़ताल जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जब तक जेएनयू के कुलपति छात्रों की मांगें पूरी नहीं कर देते।

ह्वकिसी भी अप्रिय घटना के लिए कुलपति जिम्मेदार नेहा तिवारी का कहना है अगले कुछ दिनों तक अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं बंद रहेंगी। अगर भूख हड़ताल करने वालों में से किसी को कुछ हो जाता है, तो इलाज के लिए भी जगह नहीं बचेगी। अगर ऐसी कोई घटना होती है तो इसके लिए जेएनयू के कुलपति पूरी तरह जिम्मेदार होंगी।

रोडरेज में हत्या करने वाले चार युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रसाद नगर पुलिस ने जीप से स्कूटी की टक्कर के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अभी इस मामले में फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। वहीं, घायल युवक की हालत में सुधार हो रहा है। जानकारी के अनुसार, 15 अगस्त की रात को स्कूटी सवार जुगनू की जीप से टक्कर हो गई थी। दोनों पक्षों में विवाद हो गया। फिर जीप चालक नीरज ने अपने दोस्तों विमल एवं धर्मेंद्र को बुला लिया। जब तीनों रात को पार्टी कर रहे थे, तब जुगनू एवं उसके साथियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में धर्मेंद्र की मौत हो गई, जबकि विमल घायल हो गया। इंस्पेक्टर राहुल डबास एवं एएसआई बीएम मिश्रा की टीम ने शुक्रवार को चार आरोपियों को दबोच लिया। इनकी पहचान जुगनू, करन, विक्की और अमित के तौर पर हुई है।

दिल्ली जल बोर्ड बल्लीमारान में जलापूर्ति सुधारने के लिए 18 जगह करेगा री-बोरिंग- इमरान हुसैन

खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने बल्लीमारान में पर्याप्त जलापूर्ति को लेकर जल बोर्ड के साथ की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री व बल्लीमारान के विधायक इमरान हुसैन ने विधानसभा क्षेत्र में पानी की समान आपूर्ति तथा ड्रेनेज सफाई के संबंध में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बल्लीमारान क्षेत्र के कुछ एरिया में कम प्रेशर से जलापूर्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई ।इस दौरान मंत्री ने बरसात के मौसम को देखते हुए निर्देश दिया कि बल्लीमारान में नालियों की पूरी तरह से सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड सुपर सकर मशीन का प्रयोग किया जाए। इमरान हुसैन ने अधिकारियों को डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित आधार पर रुके हुए पानी की निकासी करने के भी निर्देश दिए।

मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली जल बोर्ड द्वारा किए जा रहे वाटर बोरिंग कार्य की भी समीक्षा की और अधिकारियों को क्षेत्र की जल आवश्यकताओं के मद्देनजर कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। दिल्ली जल बोर्ड को जलापूर्ति में सुधार के लिए 18 स्थानों पर री-बोरिंग करने के निर्देश दिए। मंत्री ने पाया कि विधानसभा में जलापूर्ति संतोषजनक है, लेकिन कई स्थानों पर पर्याप्त दबाव के साथ पानी अंतिम छोर तक नहीं पहुंच रहा है। मंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को कम दबाव के कारणों की जांच करने का निर्देश दिया तथा डीजेबी अधिकारियों को पानी का प्रेशर बढ़ाने के लिए कुछ स्थानों पर ऑनलाइन बूस्टर लगाने की आवश्यकता बताई । मंत्री ने डीजेबी अधिकारियों को निर्देश दिया कि निवासियों को समान जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जहां भी आवश्यक हो, क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों के स्थान पर नई जल पाइपलाइनें लगाई जाएं। मंत्री ने बताया कि बल्लीमारान में प्रमुख स्थानों पर आई लव बल्लीमारान साइन के साथ स्पॉट और सेल्फी प्वाइंट विकसित किया जाएगा, जिसके कार्यान्वयन के लिए पीडब्ल्यूडी को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। श्री इमरान हुसैन ने कहा कि हर रोज बहुत बड़ी संख्या में लोग वर्ल्ड सिटी क्षेत्र में आते हैं और पुरानी दिल्ली की हेरिटेज संस्कृति से रूबरू होते हैं, लोग तस्वीरों के माध्यम से इसे संजोते हैं। लेकिन कभी-कभी उनके लिए सभी स्थानों को याद रखना मुश्किल हो जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए, सेल्फी प्वाइंट स्थापित किए जा रहे हैं ताकि लोग सेल्फी ले सकें और अपनी यादों को संजों सकें । खाद्य-आपूर्ति मंत्री श्री इमरान हुसैन ने इस बात पर जोर दिया कि इससे ब्रांडिंग के साथ वॉल्ड सिटी सेल्फी प्वाइंट से पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा, ट्रेडर्स आकर्षित होंगे और स्थानीय निवासियों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित होगा।

पुलसि ने हिट एंड रन मामले को सुलझाया, बहादुर शख्स ने ट्रक का पीछा कर आरोपी को पकड़वाया

नई दिल्ली। दल्लिीर के पशा्,राम वहिार इलाके में भेरा अंडरपास, आउटर रिंग रोड पर 9-10 अगस्त की दरम्याकनी रात करीब 3 बजे हिट एंड रन मामले की एक घटना सामने आई थी। इस घटना में एक पैदल जा रहे शख्सम को अज्ञात वाहन ने टक्क र मार दी थी। जिसमें शख्स की मौत हो गई। इस मामले में पशा् सुम विहार थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की गई। नई दल्लिीी ट्रैफकि जोन-2 के एडशिनल डीसीपी दनिश कुमार गुप्ताक के मुताबकि 10 अगस्त को तकरीबन 03.08 बजे पशा्मिलम वहिार ईस्ट थाना पुलसि को पीसीआर कॉल मलिी थी कि आउटर रिंग रोड पर आर/ए भेरा एन्क्लेव अंडरपास के नीचे सड़क पर एक शख्सप घायलावस्था में पड़ा है। इस पर एएसआई शंकर अपने स्टॉडफ के साथ मौके पर पहुंचे, जहां उनको 40-45 वर्ष की उम्र का व्यक्ति का शव दुर्घटनाग्रस्त हालत में सड़क पर पड़ा हुआ मिला। अधकिारी ने प्रत्यक्षदर्शी की तलाश करने की कोशिश की, लेकिन उस समय कोई नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित के शव को संजय गांधी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि इस बीच आईओ को रितिक वत्स नाम के एक व्यरक्ािं की कॉल आई जसिने बताया कि उसने इस दुर्घटना में शामिल वाहन/ट्रक संख्या डीएल1एलएसी 1541 का पीछा किया और उसे रोक लिया है। इस हादसे को अंजाम देने वाले ट्रक ड्राइवर को तिलक नगर में पकड़ लिया है। सूचना के बाद तुरंत पुलसि मौके पर पहुंची और आरोपी ट्रक ड्राइवर शविम को गिरफ्तार कर लिया। जोकि फिरुर्खाबाद (यूपी) का रहने वाला है। जसि वक्तग यह हादसा हुआ था उस वक्तर चश्म ादीद रितिक वत्स अपनी मोटरसाइकिल पर उसी रास्ते से गुजर रहा था।

दल्लिीी पुलसि ने रतिकि वत्सज को पब्ल् मक हरिो के रूप में किया सम्मोनति

इस मामले में दल्लिीद पुलसि ने रतिकि वत्स को पब्लिबतक हरिो के रूप में सम्मानति कयिा है। दल्लिील पुलसि के स्पे शल कमश्नि र (ट्रैफकि) आईपीएस अजय चौधरी ने रतिकि वत्सल को उसकी बहादुरी और साहसिक काम के लएि सम्मानिति किया। स्पे)शल सीपी ने रतिकि से पुलिस मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में मुलाकात की और उनको 10 हजार रुपये की नकद इनाम राशा और आगे के लएि प्रोत्साहित करने को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मा नति कयिा है। पब्मिक हरिो के तौर पर सम्मौनति हुए रितिक वत्स दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक मल्टीतनेशनल कंपनी में आईटी प्रोफेशनल हैं।

एक दुर्लभ किडनी ट्यूमर से पिडीत 38 वर्षीय महिला पर सफलतापूर्वक इलाज

किडनी कैंसर के मामलों में ३% मामले फैमिली ट्रांसलोकेशन रीनल सेल कार्सिनोमा के देखते हैं।

- दिल्ली स्थित अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में हुआ इलाज
- बच्चे और युवाओं में यह कैंसर होने का खतरा रहता हैं

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली : किडनी ट्यूमर के एक दुर्लभ बिमारी से पिडीत गाझियाबाद में रहनेवाली ३८ वर्षीय महिला का दिल्ली स्थिती अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में सफलतापूर्वक इलाज किया गया हैं। ट्यूमर का आकार 37*33*22 मिमी था और इसका वजन 15 सीसी था। मरीज ने दाएं किडनी को हटाने के लिए रेडिकल नेफरेक्टोमी सर्जरी सफलतापूर्वक की। अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट सर्जन डॉ. अनिल मलिक और सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी डॉ. अमित बंसल के नेतृत्व में अन्य एक डॉक्टर की टीमने यह सर्जरी की हैं।

मरीज सुरभी जायसवाल (बदला हुआ नाम) ने नियमित जांच करते हुए खुद ही अल्ट्रासाउंड टेस्ट भी की थी। उसके स्थानीय डॉक्टरने उसे अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल जाने की सलाह दी। यहाँ समय रहते इलाज होने के कारण मरीज को नई जिंदगी मिली हैं।

अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट डॉ अनिल मलिक ने कहाँ की, मरीज की दाहिनी किडनी में ट्यूमर था। गर्भावस्था के समय और बाद में पित्त की पथरी की सर्जरी के समय किए गए उनके पहले के अल्ट्रासाउंड में यह ट्यूमर नहीं दिखा था, लेकिन हाल ही में किए गए अल्ट्रासाउंड में दिखा। मरीज पर राइट रेडिकल नेफ्रेक्टोमी करने की जरूरत थी, जो किडनी ट्यूमर के मामले में किडनी निकालने की सर्जरी है। इस प्रक्रिया में किडनी तक पहुंचने के लिए उनके पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से को काटना था। सर्जरी २ घंटे तक चली। सर्जरी के बाद सेहत में सुधार देखकर ३ दिन बाद उन्हें डिस्चार्ज दिया गया। अब वह एक किडनी के साथ जी रही हैं, लेकिन भविष्य में यह समस्या नहीं होनी चाहिए, क्योंकि वह अच्छी तरह से पानी पी रही हैं और दर्द निवारक दवाओं के अनावश्यक उपयोग से बच रही हैं। महिला ने अभी पहले की तरह अपनी दिनचर्या शुरू कर दी हैं। सही समय पर उनका इलाज न करने से पूरे शरीर में ट्यूमर फैलने जैसी जटिलताएँ हो सकती थीं।

अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अमित बंसल ने कहाँ, यह दुर्लभ ट्यूमर द्वळ फैमिली ट्रांसलोकेशन रीनल सेल कार्सिनोमा सभी किडनी कैंसर के मामलों का सिर्फ.3% है और ज्यादातर बच्चों और युवा वयस्कों में पाया जाता है। इस ट्यूमर का कारण अभी तक पता नही चला हैं। इस बिमारी का पता समय रहते चला तो मरीज ठीक हो सकता हैं। पूरे शरीर में फैल चुके कैंसर के मामलों के लिए उपचार प्रोटोकॉल की कोई मानक रेखा नहीं है। ऐसे मामलों में मरीज आमतौर पर दो साल से ज्यादा जीवित नहीं रहते। लेकिन महिला का ट्यूमर पहले ही चरण में पता चलने के कारण उनका इलाज करने में हमे सफलता मिली हैं। आमतौर पर सिर्फ ट्यूमर को निकाला जाता हैं। लेकिन इस मामले में ट्यूमर किडनी में फैला हुआ था। इसलिए ट्यूमर के साथ-साथ किडनी भी निकालनी पडी। सर्जरी के बाद भी महिला को नियमित फॉलोअप पर आने की सलाह महिला को दी गई हैं।

मरीज सुरभि जायसवाल (बदला हुआ नाम) ने कहाँ की, ह्यमैं डॉक्टरों की टीम का आभारी हूँ, जिन्होंने समय रहते सर्जरी की, जिससे मेरी जान बच गई। जैसे-जैसे मैं एक किडनी के साथ जीने के लिए तैयार हो रही हूँ, मैं अपने शरीर की जरूरतों के प्रति ज्यादा सजग हो रही हूँ। सर्जरी के बाद अब मैंने बिना किसी समस्या के अपनी दैनिक गतिविधियाँ फिर से शुरू कर दी हैं।

मंगेतर के चक्कर में होने वाले साढू से पीट गया मंगेतर

- मंगेतर ने क्यों बोला वह फिआंशी को कर देगा उसे घर ड्रॉप

इसी बात पर चिढ़ गया जीजा और गुस्से में कर दिया हमला

पहले गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, वहां से फ्ट्छ में रेफर

संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली के ख्याला थाना इलाके में एक मामूली बात पर होने वाली नई रिश्तेदारी में ना केवल खटास पैदा हो गई। बल्कि अपनी फिआंशी के चक्कर मंगेतर होने वाले साढू से बुरी तरह इतना पीट गया की उसे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। पहले रघुबीर नगर के गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उसके बाद वहां से राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अब इस मामले में ख्याला थाना की पुलिस कारवाई कर रही है।

डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया की पीड़ित शिकायतकर्ता दीपक और आरोपी राहुल एक-दूसरे को जानते हैं। ये दोनो भविष्य में होने वाले रिश्तेदार हैं। क्योंकि दीपक की फिआंशी और राहुल की पत्नी आपस में बहन है। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन बाद शिकायतकर्ता दीपक की फिआंशी अपनी बहन, जो आरोपी राहुल की पत्नी है, के घर आई थी। जब वह अपने घर जाने वाली थी, तो दीपक ने अपने फिआंशी को छोड़ने का सुझाव दिया। लेकिन उसके जीजा राहुल ने इस पर आपत्ति जताई। इस पर दीपक और राहुल के बीच बहस शुरू हो गई। और बात बढ़कर मारपीट तक पहुंच गई।

पुलिस के अनुसार वहां मौजूद राहुल के चचेरे नाबालिक भाई ने एक डंडा से दीपक पर हमला कर दिया। जिससे उसकी बायीं ओर के कान पर जबरदस्त चोट लग गई। इसी बीच राहुल ने पेट के बायीं ओर किसी नुकीली चीज से वार करके उसे घायल कर दिया। शिकायतकर्ता दीपक किसी तरह वहां से भाग निकला और अपने दोस्त को बुलाया। दोस्त घायल दीपक को पहले रघुवीर नगर के गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल में ले गया और बाद में वहां से आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस को सूचना मिली तो तुरंत अस्पताल पहुंचकर घायल का बयान दर्ज कर लिया। डीसीपी ने बताया की हत्या के प्रयास के मामले में एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नाबालिक को हिरासत में लिया गया। वारदात में इस्तेमाल डंडा और नुकीली हथियार की बरामदगी की जा रही है।

बुजुर्ग मां की हत्या में बेटी और उसका मंगेतर गिरफ्तार

- सीसीटीवी फुटेज से खुलासा, मंगेतर का दोस्त भी दबोचा गया

नजफगढ़ इलाके में आधी रात हुआ था हत्या की वारदात

पुलिस को बरगलाने अगले दिन बेटी ने किया पुलिस कॉल

संवाददाता

नजफगढ़ थाना इलाके में एक बुजुर्ग महिला की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार 16 अगस्त को पीसीआर कॉल मिली थी। जिसमें बताया गया एक युवती के द्वारा कि उसकी मां गेट नहीं खोल रही है। उसे पुलिस की मदद चाहिए गेट को ब्रेक करके खोलने के लिए। पुलिस टीम मौके पर पहुंची नजफगढ़ मेन मार्केट के एक मकान की चौथी मंजिल पर। उस घर के बाहर मोनिका नाम की युवती मिली। जिसने बताया कि उसकी 58 साल की मां सुमित्रा यहां अकेली रहती है। वह अक्सर मिलने के लिए यहां आती है, 15 अगस्त को भी वह आई थी। तो उसकी मां ठीक-ठाक थी। आज मिलने आई तो उसकी मां दरवाजा नहीं खोल रही है।

पुलिस टीम जब दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो देखा कि बुजुर्ग महिला बेडरूम में जमीन पर अनकॉन्शस हालत में पड़ी हुई है। उसके मुंह से खून निकल रहा है। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज से जांच शुरू की जो बिल्डिंग में लगी हुई है। देखा कि दो युवक और एक महिला 15 - 16 अगस्त के बीच आधी रात 2:18 पर उस बुजुर्ग महिला सुमित्रा के घर आए थे। जिसमें से महिला की पहचान मोनिका के रूप में हुई। जो सुमित्रा की बेटी निकली और जो दो युवक आए थे, उनमें से एक मोनिका का मंगेतर नवीन कुमार निकला।

पुलिस ने इस मामले में हत्या दर्ज करके मोनिका को और उसके मंगेतर नवीन कुमार को और उसके बाद नवीन कुमार के दोस्त योगेश को गिरफ्तार कर लिया। हत्या की वजह अभी साफ नहीं हो पाई है। पुलिस टीम आगे की पूछताछ कर रही है। मोनिका का मंगेतर नवीन बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके का रहने वाला है। जबकि उसका साथी योगेश हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला है।

सीवर ओवरफ्लो के लिए दोषी अफसरों पर कार्रवाई हो : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली में सीवर ओवरफ्लो की बढ़ती शिकायतों को लेकर जल मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को एक पत्र लिखकर नाराजगी जताते हुए, शिकायतों के निपटारे का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा कि बार-बार कहने के बाद भी अगर कार्रवाई नहीं हो रही है तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। सीवर ओवरफ्लो से प्रभावित कई इलाकों का जिक्र करते हुए कहा कि ब्यूरोक्रेसी का मुखिया होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि इसका समाधान किया जाए। आतिशी ने पत्र में कहा...मुझे दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से सीवर ओवरफ्लो के संबंध में कई शिकायतें मिल रही हैं। पटपड़गंज गांव, शशि गार्डन, खिचड़ीपुर, सुभाष पार्क, राजनगर पार्ट 2, सत्य निकेतन, आरकेपुरम, जेड ब्लॉक रंजीत नगर, फरीदपुरी, बुद्ध नगर, पांडव नगर, डब्ल्यूईए करोलबाग, गढ़ी गांव, पिलांजी, चंद्रावल, कोटला, सराय काले खां बस्ती, जमरूदपुर, चिराग दिल्ली समेत कई इलाकों से सीवर ओवर फ्लोर की समस्या है। लगातार सीवर ओवरफ्लो एक गंभीर समस्या है। उन इलाकों में हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

जल मंत्री ने लिखा की सीवर ओवरफ्लो होने के कारण पीने की आपूर्ति वाला पानी भी कई जगह दूषित हो रहा है। यदि इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो इसकी वजह से एक गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा हो सकता है। मैंने शिकायतों पर स्थानीय प्रतिनिधियों और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें की हैं। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को शिकायतों वाली जगहों की सूची भी दी गई हैं। उसके बाद भी जमीनी स्तर पर समन्वय नहीं होने के कारण गतिरोध बना हुआ है। शहरी विकास विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और वित्त विभाग समस्या का समाधान करने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप में लगे हुए हैं। नतीजतन, दिल्ली के लोग परेशान हो रहे हैं।

जल मंत्री ने पत्र में कहा कि बतौर मुख्य सचिव नौकरशाही का प्रमुख होता है। मुखिया होने के नाते यह आपकी जिम्मेदारी है कि मुद्दों को सुलझाएं, ताकि लोगों को सरकारी अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा न भुगतना पड़े। मैंने कई बार मौखिक और लिखित रूप आपको इस मुद्दे को लेकर निर्देश जारी किया, लेकिन मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ है कि आपकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जो कि स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अंत में मुख्य सचिव को निर्देश दिया है कि सीवर ओवरफ्लो से संबंधित समस्या की खुद निगरानी के साथ उसका समाधान निकालें। उन अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करें जो इसके लिए जिम्मेदार हैं।

पहाड़गंज पुलिस ने 12 लाख की चोरी, 12 घंटे में सुलझाया

- 11.69 लाख बरामद दिल्ली से भागा यूपी में दबोचा

संवाददाता

पहाड़गंज थाना की पुलिस टीम ने 12 लाख की चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। और 12 घंटे के अंदर मामले को सुलझाते हुए 11 लाख 69 हजार रुपए के साथ एक स्कूटी भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी इस ऑफिस में काम करता था, जहां पर चोरी की वारदात हुई थी।

डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि 14 अगस्त को इस चोरी के मामले की सूचना पहाड़गंज पुलिस को मिली थी। ऑफिस से 12 लाख कैश की चोरी कर ली गई है और शक वहां काम करने वाले एक स्टाफ पर ही है। पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। एसीपी संजय सिंह की देखरेख में एसएचओ राजीव राणा, सब इंस्पेक्टर मुकेश तोमर की टीम ने सीसीटीवी फुटेज से छानबीन की और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी के बारे में पता लगाना शुरू किया।

दिल्ली से कैश चुराकर भागे आरोपी को अलीगढ़ में ट्रेस करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े आरोपी की पहचान साहिल कुरेशी के रूप में हुई है। उसके पास से चुराए गए 12 लाख में से 11 लाख 69 हजार कैश और चोरी की स्कूटी बरामद की गई है। आगे की कार्रवाई पुलिस टीम के द्वारा की जा रही है।

अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों की फोटो खींचकर चालान होगा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राजधानी में अवैध पार्किंग सबसे बड़ी समस्या है। इससे निजात पाने के लिए अब तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसी कड़ी में दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने शनिवार को यातायात पुलिस, नगर निगम और एनडीएमसी को एकीकृत मोबाइल ऐप विकसित करने के निर्देश दिए हैं। इसमें अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों की तस्वीर खींचकर मोबाइल ऐप पर अपलोड की जा सकेगी। इसके जरिए ही इन वाहनों का चालान किया जाएगा। एनडीएमसी क्षेत्र में पहले इसका उपयोग होगा।

उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ यातायात व्यवस्था और अवैध पार्किंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर एनडीएमसी क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। जैसे कि एनडीएमसी क्षेत्र में काम करने वाले तमाम माली गलत तरीके से पार्क किए गए वाहनों की फोटो खींचकर उसे मोबाइल ऐप पर अपलोड कर सकते हैं। इससे उन वाहनों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। उपराज्यपाल ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र के मालियों को इसके लिए प्रोत्साहित करने के तरीके भी तलाशे जा सकते हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि पार्किंग क्षेत्रों और स्थानों के प्रबंधन में यातायात पुलिस को भी शामिल किया जाना चाहिए।

बहुस्तरीय पार्किंग स्थलों की क्षमता का हो इस्तेमाल

उपराज्यपाल ने कहा कि बहुस्तरीय पार्किंग स्थलों की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसके चलते ही सड़कों पर पार्किंग की समस्या उत्पन्न हो रही है। यातायात पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निर्धारित बहुस्तरीय पार्किंग स्थलों पर ही वाहनों को खड़ा किया जाए। इसके लिए यातायात पुलिस को विस्तृत अभियान भी चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पायलट आधार पर कमला नगर और यूसुफ सराय मार्केट में बहुत स्तरीय पार्किंग को तुरंत शुरू किया जाए।

छूट के माध्यम से भी किया जाए प्रोत्साहित

उपराज्यपाल ने कहा कि बहुस्तरीय पार्किंग में वाहनों को खड़ा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए पार्किंग के शुल्क में छूट के माध्यम से भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को पार्किंग में पर्याप्त छूट प्रदान किया जाना चाहिए। क्योंकि, इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने और इसके जरिए प्रदूषण को दूर करने में भी मदद मिलेगी।

पुराने वाहनों के लिए भी चले अभियान

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग को तालमेल बनाकर पुराने और खराब हो चुके वाहनों को हटाने की बात पर एलजी ने बल दिया। इसके साथ ही सभी भारी वाहनों को सड़कों के बाईं ओर निर्धारित बस लेन के उपयोग को ही लागू करने की बात कही।

15 अगस्त को लेकर आया था बॉर्डर पार से शराब की खेप

संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने एक इंटरस्टेट शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से ढाई हजार क्वार्टर शराब का बरामद किया गया है। जिसे 15 अगस्त के अवसर पर हरियाणा से तस्करी करके दिल्ली लाया गया था। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अविनाश तिवारी के रूप में हुई है।

शराब तस्करी के इस मामले में स्पेशल स्टाफ की टीम को सूचना मिली थी। जिस पर इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में सहायक सब इंस्पेक्टर रेशम सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज, विजेंद्र और कांस्टेबल प्रदीप की टीम ने ककरोला गांव के पास ट्रैप लगाकर एक कार को रोका। जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें 50 पेटी शराब की भरी हुई थी।

जिसमें ढाई हजार क्वार्टर भरकर लाया गया था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके खिलाफ दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत द्वारका नॉर्थ थाना में मामला भी दर्ज किया गया है। आगे की पूछताछ में पता चला कि वह पहले से भी शराब तस्करी के पांच मामलों में शामिल रहा है। आगे की कार्रवाई पुलिस टीम के द्वारा की जा रही है।

दिल्ली में उमस भरी सुबह, न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार की सुबह काफी उमस भरी रही और न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम में सामान्य है। भारत मौसम विज्ञान (आईएमडी) विभाग ने यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक, सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत रहा।

विभाग ने दिन में सामान्यतः बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। उसने कहा है कि शनिवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के 24 घंटे में 5.7 मिलीमीटर बारिश हुई।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शनिवार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 66 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

विदेशी नागरिक के बैग से 28 हजार चोरी

नई दिल्ली। मंगोलपुरी इलाके में खरीदारी करने गई घाना निवासी महिला के पर्स से 28 हजार रुपये चोरी हो गए। पीड़िता की शिकायत पर राजा पार्क थाने में चोरी की ई-एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस वारदात में शामिल बदमाश की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार ग्रेफिथ स्मिथ घाना उच्चायोग में कार्यरत हैं। वह शुक्रवार को क्यू ब्लाक स्थित कतरन मार्केट में खरीदारी करने के लिए गई थीं। इसी दौरान किसी जेब तराश ने पर्स को ब्लेड से काटकर रुपये निकाल लिए। जब पीड़िता को भुगतान करने के लिए पर्स से रुपये निकालने की जरूरत हुई तो चोरी के बारे में जानकारी हुई।

रोडरेज में हत्या करने वाले चार युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रसाद नगर पुलिस ने जीप से स्कूटी की टक्कर के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अभी इस मामले में फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। वहीं, घायल युवक की हालत में सुधार हो रहा है। जानकारी के अनुसार, 15 अगस्त की रात को स्कूटी सवार जुगनू की जीप से टक्कर हो गई थी। दोनों पक्षों में विवाद हो गया। फिर जीप चालक नीरज ने अपने दोस्तों विमल एवं धर्मेंद्र को बुला लिया। जब तीनों रात को पार्टी कर रहे थे, तब जुगनू एवं उसके साथियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में धर्मेंद्र की मौत हो गई, जबकि विमल घायल हो गया। इंस्पेक्टर राहुल डबास एवं एएसआई बीएम मिश्रा की टीम ने शुक्रवार को चार आरोपियों को दबोच लिया। इनकी पहचान जुगनू, करन, विक्की और अमित के तौर पर हुई है।

20 अगस्त से आटो संवाद अभियान की शुरूआत करेगी आप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के ऑटो चालक सीएम अरविंद केजरीवाल के काम को पूरी दिल्ली में जनता तक पहुंचाएंगे और साथ ही दिल्ली का काम रोकने की भाजपा साजिश का सच उजागर करेंगे। इसके लिए ऑटो चालक सीएम केजरीवाल के प्रतिनिधि बनेंगे और पूरी दिल्ली के ऑटो स्टैंड पर रोजाना ऑटो संवाद अभियान चलाकर लोगों से बात करेंगे। शनिवार को आम आदमी पार्टी कार्यालय पर आयोजित ऑटो विंग के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन के दौरान प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने ऑटो संवाद अभियान चलाने का एलान किया। 20 अगस्त से शुरू हो रहे इस अभियान का संचालक एक 14 सदस्यीय कमेटी करेगी।

इस दौरान गोपाल राय ने जेल से सीएम अरविंद केजरीवाल के भेजे संदेश को ऑटो चालकों तक पहुंचाया और कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल में भी आपकी बड़ी चिंता है। भाजपा ने दिल्ली का काम रोकने और दिल्लीवालों को परेशान करने के लिए उनको जेल में डाला है, लेकिन वो आपका एक भी काम रूकने नहीं देंगे। इस बार का चुनाव केजरीवाल सरकार के काम बंद करने और जारी रखने के मुद्दे पर होगा। अगर आप चुनाव में चुप बैठ गए तो केजरीवाल सरकार चली जाएगी और आपको मुफ्त मिल रही बिजली-पानी, स्कूल-अस्पताल की दोगुनी कीमत वसूली जाएगी। आम आदमी पार्टी द्वारा ऑटो संवाद अभियान चलाने के लिए गठित 14 सदस्यीय कमेटी में प्रभारी गौरव सिंह, अध्यक्ष हैदर अली, उपाध्यक्ष सोनू गुप्ता, रमेश कुमार, जावेद खान, प्रवक्ता उमेश यादव, उपाध्यक्ष अरशद प्रधान, लोकसभा अध्यक्ष वीरपाल, अनिल जैन, मुन्ना, नवनीत, वाइस प्रेसिडेंट पालम राजपाल, ईशा बाबा, जिलाध्यक्ष नजफगढ़ रविंद्र शामिल हैं।

परिवहन मंत्री भी ऑटो चालकों की समस्या को लेकर कर रहे काम - गोपाल राय

आम आदमी पार्टी कार्यालय में आयोजित ऑटो विंग प्रदेश पदाधिकारी की बैठक में पूरी दिल्ली से आए ऑटो चालकों को संबोधित करते हुए गोपाल राय ने कहा कि मैंने तीन दिन पहले तिहाड़ जेल जाकर सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने सबसे पहले मुझसे पूछा कि मेरे जेल जाने के बाद से क्या अधिकारी ऑटो चालकों को परेशान तो नहीं कर रहे हैं? जब मुख्यमंत्री बाहर थे, तब भी परिवार की तरह दिल्ली के ऑटो चालकों की चिंता करते थे। लेकिन आज जेल में होने के बावजूद आज भी उनके दिल में केवल एक ही चिंता है कि कहीं मेरे अंदर आने के बाद बाहर ऑटो चालकों को परेशान तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मुझसे दिल्ली के ऑटो चालकों की समस्याओं के बारे में पूछा। आज भले ही चारों तरफ से आम आदमी पार्टी को घेरने का प्रयास चल रहा है, लेकिन ऑटो चालकों को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मैंने उनको बताया कि कुछ दिनों पहले परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने ऑटो चालकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। दिल्ली सरकार की तरफ से जो भी हो सकता है उसके लिए परिवहन मंत्री काम कर रहे हैं।

केवल केजरीवाल सरकार ने दिया ऑटो चालकों को सम्मान - गोपाल राय

गोपाल राय ने कहा कि इस समय हम सभी दिल्ली के हालात जानते हैं। ऐसा नहीं है कि दिल्ली में पहली बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है। सबसे पहले दिल्लीवालों ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाई। मदन लाल खुराना, साहब सिंह वर्मा और सुष्मा स्वराज, दिल्ली के तीन मुख्यमंत्री रहे। पांच साल में भाजपा के तीन मुख्यमंत्री बदले गए। इसके बाद दिल्ली के लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाई। एक ही पार्टी की तीन बार सरकार बनी। लेकिन जब अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी बनाई, तो पूरी दिल्ली में हमारे ऑटो चालक भाईयों को सम्मान मिलने लगा। लोग जानने लगे कि ऑटो चालकों की भी कोई इज्जत होती है, उनकी भी मयार्दा होती है। वरना पहले कोई भी कुछ भी बोल कर चला जाता था, पुलिस वाले कभी भी उठाकर जेल में डाल देते थे। कोई ऑटो चालकों की सुनने वाला नहीं था। सभी पार्टियों की सरकारें बनीं, लेकिन अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार ने ऑटो चालकों का जो सम्मान किया है, इससे पहले वो सम्मान किसी पार्टी ने नहीं दिलाया और आगे भी कोई नहीं दिला सकता है।

विपरित परिस्थितियों में भी सीएम केजरीवाल ने आपके लिए ढेरों काम किए- गोपाल राय

गोपाल राय ने कहा कि देश के हर राज्य में ऑटो वाले रहते हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में सालों से कई पार्टियों की सरकारें बन रही हैं। लेकिन किसी ने ऑटो चालकों के लिए कुछ नहीं किया। जब आप उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, हरियाणा और दिल्ली के ऑटो चालकों के लिए उनकी सरकार द्वारा किए गए कामों की तुलना करते हैं तब पता चलता है कि केजरीवाल सरकार ने ऑटो वालों के लिए क्या काम किया है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भी अरविंद केजरीवाल ने देश के बाकी सभी राज्यों के बराबर अकेले दिल्ली के ऑटो चालकों के लिए काम किया है। हमारी सरकार के कामों को रोकने के लिए ही इन्होंने भ्रष्टाचार की झूठी कहानी बनाकर सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और खुद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। मनीष सिसोदिया जेल से बाहर है, जल्द ही केजरीवाल भी बाहर होंगे- गोपाल राय गोपाल राय ने कहा कि 17 महीने बाद मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आए हैं। भाजपा और उनकी जांच एजेंसियों ने 17 महीनों तक सिसोदिया के घर, दफ्तर, बैंक, गांव से लेकर सभी रिश्तेदारों की खाक छानी लेकिन हजारों छापे मारने के बाद भी उन्हें कुछ नहीं मिला।

श्री अरविन्द का समाज दर्शन :डॉ हंसराज सुमन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारतीय चिंतन परंपरा में श्री अरविन्द का नाम विशेष सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्हें महायोगी भी कहा जाता है। उनकी उपासना पद्धति में समर्पण, श्रद्धा, ज्ञान का समन्वय है। वे भौतिक जगत में मनुष्य के सकारात्मक कार्यों को स्वच्छ समाज के निर्माण की परम आवश्यकता बताते हैं। वे सत्य को आचरण की शुद्धता मानते हैं। मनुष्य का जीवन साधारण हो या असाधारण यदि वह सर्व स्वीकार्य है तो श्रेष्ठ है। आत्म संयम और अतिरिक्त इच्छाओं का त्याग ही तपस्या है। महायोग के लिए शारीरिक बल नहीं बौद्धिक चिंतन की आवश्यकता होती है, जहाँ मनुष्य की साधना सर्व जन हिताय के लिए हो। श्री अरविन्द इन्हीं गुणों के कारण महायोगी कहे गए। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है कि झ आंतरिक जीवन के निर्माण की दिशा में उनका निष्ठावान प्रयास और मानवता तथा उसके भविष्य के प्रति उनका अगाध प्रेम उनकी कृतियों को वह गहराई एवं सम्पूर्णता प्रदान करता है जो अन्यत्र दुर्लभ है। इन शब्दों में श्री अरविन्द के चिंतन, राष्ट्र एवं समाज संबंधी उनके विचार का संकेत दिया गया है। श्री अरविन्द का जन्म 15 अगस्त 1872 को पश्चिम बंगाल के एक संभ्रांत बंगाली परिवार में हुआ था। उनकी शिक्षा-दीक्षा विदेशों में हुई थी। उन्होंने प्राचीन भारतीय वांग्मय एवं पाश्चात्य दर्शन का गहन अध्ययन किया था। भारत आने के बाद ये स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए थे और निर्णायक भूमिका के लिए समर्पित भाव से आंदोलन में सक्रिय रहे। श्री अरविन्द स्वतंत्रता आंदोलन को अहिंसात्मक, शान्तिपूर्ण एवं असहयोग के माध्यम से प्रतिफलित करना चाहते थे। ह्न गांधी से भी पहले श्री अरविन्द ने घोषित किया था कि विदेशी शासन के विरुद्ध शान्तिपूर्ण साधनों के द्वारा भी संघर्ष किया जा सकता है। परन्तु उनका राष्ट्रवाद कभी भी संकीर्ण दायरे में सीमित नहीं रहा वस्तुतः वे सदैव सत्य एवं विश्व प्रेम के उदात्त मानवीय आदर्शों से प्रेरित रहे। श्री अरविन्द मनुष्य के अतिआधुनिक होने को उसके विकास का पर्याय नहीं मानते थे। उनकी धारणा थी कि मनुष्य का विकास उसके संस्कृतिकरण के प्रारूपों में मौजूद है। मनुष्य का निरंतर सामाजिक होते जाना उसे समष्टि की ओर ले जाता है। इसी प्रक्रिया में वह व्यक्तिगत संबंधों से समाज सापेक्ष भी होते जाता है। वह व्यवहारिक जीवन में अपने उत्तरदायित्व को समझने लगता है तथा पुनः क्रियाशील होकर मानवतावाद की ओर अग्रसर होता है। तब उसका रूपांतरण अतिमानव में होने लगता है। सर्वांगयोग से क्रमशः आध्यात्मिक विकास की प्रक्रिया में ही आत्मरूपांतरण होता है। जब मनुष्य को दिव्य ज्ञान होता है तब वह अतिमानव की स्थिति में आ जाता है। श्री अरविन्द इस पूरी प्रक्रिया के छः सोपान मानते हैं झ 1.सामान्य मानसिकता 2. उच्चतर मानस 3. प्रदीप्त मानस 4. सम्बोधि 5. अधिमानस 6. अतिमानस। श्री अरविन्द के अनुसार ---- ह्नअतिमानसिक ज्ञान की प्राप्ति के लिए आंतरिक तीव्र अभिप्सा, दैहिक, प्राणिक और मानसिक अंगों का दिव्य के प्रति पूर्ण समर्थन और दिव्य द्वारा उसका रूपांतरण नितांत आवश्यक है ह्न श्री अरविन्द अपने सामाजिक, राजनीतिक जीवन के अनुभव से जो कुछ महसूस कर रहे थे। वही उनके आध्यात्मिक अतिमानव के रूप में प्रतिफलित हो रहा था। श्री अरविन्द का अतिमानव, समाज का वह व्यक्ति है जो अपने सत्कर्म से एक स्वच्छ समाज का निर्माण करता हो जो हृदय से साफ हो, सभी के प्रति मानवीय दृष्टिकोण रखता हो, जिसकी चिंतन पद्धति श्रेष्ठ मानवीय गुणों से ओत-प्रोत हो। श्री अरविन्द का विश्वास था कि मानव विकास के प्रत्येक चरण में मनुष्य का चेतन से अभिभूत होना अत्यंत आवश्यक है। मनुष्य की यह चेतना उसे सामाजिकता के स्तर पर श्रेष्ठ मानवीय गुणों से जोड़ती है। श्री अरविन्द ने इसे आत्मिक परिवर्तन के साथ आध्यात्मिक परिवर्तन की दिशा में मनुष्य के विकासात्मक स्थितियों का संकेत बताया है। श्री अरविन्द के विकासवाद की तीन मुख्य विशेषताएँ हैं झ ह्न1. मनुष्य में सर्व मुक्ति का आदर्श विद्यमान रहता है, उनके अनुसार मुक्ति का अभिप्राय मनुष्य के मन का मानवीय रूप में रूपांतरण होना है। 2. रूपांतरण की प्रक्रिया में मनुष्य समाज सापेक्ष होता है वह सभी जीवो में आंतरिक सुख और दुख का अनुभव करता है। 3. मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मनुष्य का अतिमानव रहना। श्री अरविन्द के अनुसार मनुष्य के विकास की यही तीन प्रक्रियाएँ उसके जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। श्री अरविन्द का दर्शन किसी भी समाज के अध्ययन तथा उसमें अंतरनिहित श्रेष्ठ स्थितियों को समझने और पहचानने का प्रयास है। श्री अरविन्द ने भारत के अन्य दार्शनिकों से अलग विचार रखते हुए अपनी चिंतन परंपरा को अध्यात्म के मार्ग से समाज सापेक्ष करने का प्रयास किया है। यही उनका आध्यात्मिक दृष्टिकोण भी था। उनका अध्ययन जीवन के बाह्य पक्षों, सामाजिक नियमों, सामाजिक संस्थाओं, परंपराओं, राजनीतिक हस्तक्षेप और मानव जीवन की आर्थिक स्थितियों पर केंद्रित रहा है। श्री अरविन्द ने अध्यात्म और दर्शन के मनोविश्लेषणात्मक तथ्यों को पूर्णतः उपेक्षित कर दिया। उनका चिंतन मनुष्य की आंतरिक भावनाओं सामाजिक जीवन के उतार-चढ़ाव तथा जीवन को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया को समझाने में सक्रिय रहा है। श्री अरविन्द जानते थे कि मनुष्य और समाज के आंतरिक संबंधों को विकास की स्थितियों में विवेचित करना आवश्यक है। यद्यपि मनोविश्लेषणात्मक पद्धतियाँ तो मनुष्य के जीवन की जटिलतम स्थितियों का विवेचन है। श्री अरविन्द समाज के विकास की मानवीय स्थितियों को व्यक्तिगत ना मानकर सामाजिक मानते हैं। प्रतीकों, मिथकों, धार्मिक रूढ़ियों, स्थानीय परंपराओं को स्वीकार करते हुए व्यक्तिगत जीवन का रूपक तैयार करना उनके चिंतन का आधार नहीं है। वे इस रूप में व्यक्तिवाद को पूर्णतः नकार देते हैं। स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि श्री अरविन्द का चिंतन भारत में भविष्य के समाजवाद का नया रूप निर्मित कर रहा था,

संक्षिप्त खबरें

गिद्धौर थानाध्यक्ष सर्वजीत कुमार ने संभाला प्रभार

जमुई/गिद्धौर।गिद्धौर थानाध्यक्ष के पद पर सर्वजीत कुमार ने पदभार ग्रहण करते हुए योगदान के साथ कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा की क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाए रखना, क्राइम कंट्रोल रखना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। वहीं क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए और क्षेत्र में अमन चैन स्थापित करने,अपराधियों पर नकेल कसने के साथ फरार चल रहे अपराधियों को गिरफ्तार करने का कार्य उनकी पहली प्राथमिक सूची में है। वहीं उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में बालू माफियाओं पर नकेल कस कर खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पब्लिक और पुलिस के बीच मधुर संबंध बने।यही मेरी प्राथमिक होगी।

प्रभारी मंत्री ने किया नया जिला जदयू कार्यालय का उद्घाटन

जमुई/ई०अलीगंजः-, जमुई जिला में 78 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर गुरुवार को जनता दल यूनाइटेड के नये पार्टी कार्यालय का उद्घघाटन माननीय प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश शदा के द्वारा किया गया।यह नया कार्यालय के. के .एम. कॉलेज रोड रजिस्ट्री ऑफिस के पास है।जिसका विधिवत उद्घाटन प्रभारी मंत्री श्री रत्नेश सदा के कर कमलों द्वारा फीता काटकर पार्टी उद्घाटन किया गया।वहीं जदयू जिला अध्यक्ष शैलेंद्र महतो ने नये पार्टी कार्यालय परिसर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडोतोलन किया। जिसमें हमारे माननीय प्रभारी मंत्री रत्नेश शदा,जनता दल यूनाइटेड के सभी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष , सम्मानित कार्यकर्ता एवं पार्टी के सभी प्रखंड अध्यक्ष उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, इंजीनियर शंभू शरण सिंह ,प्रमोद चंद्रवंशी ,अरुण कुमार भारती,नीतीश कुमार ,सुजीत कुमार, विजय कुमार मंडल, मनोज सिंह ,अनुज सिंह, भोला खान ,संजय सिंह ,मोहम्मद जमील अहमद ,रामानंद सिंह, शीतल मेहता ,राजीव रावत,सुनील वर्णवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कालाबाजारी के लिए जा रहे ट्रक पर लदा 9 लाख के सरकारी चावल जब्त

दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगे ट्रक पर लदा था सरकारी चावल के 610 बोरे

● पुलिस को चकमा देने के लिए थे अलग नंबर प्लेट, संदेह पर पुलिस ने पकड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई की मलयपुर पुलिस ने 13 अगस्त को संदिग्ध स्थिति में सड़क के किनारे खड़ी एक ट्रक को पकड़ा था. पुलिस को देख ट्रक के चालक और खलासी फरार हो गया था। लेकिन पुलिस ने जब ट्रक की जांच की तो उस पर चावल के बोरे लदे थे जो तिरपाल से ढके हुए थे। पुलिस ने जांच की तो ये कालाबाजारी के लिए ले जाये जा रहे चावल निकले। ट्रक पर कुल 610 बोरे चावल लदे थे । जिसकी कीमत लगभग 9 लाख रुपए बताई गई है। हैरानी की बात है कि जिस ट्रक पर कालाबाजारी का चावल लदा था उस पर दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगे है। एक नंबर प्लेट बिहार का तो दूसरा झारखंड का है। बताया जा रहा है कि पुलिस को नंबर प्लेट देखने के बाद ही मौके पर मौजूद पुलिस वालों को शक हुआ था। जांच में पता चला कि उस पर चावल के बोरे लदे हैं। शुक्रवार को मलयपुर थाना पहुंचकर आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी ने चावल के बोरों को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच की। पकड़े गए चावल की जांच आपूर्ति विभाग के अधिकारी ने भी यह स्वीकार किया है कि जन वितरण दुकान के तहत गरीबों को दिए जाने वाला यह चावल है, जो माफिया के द्वारा कालाबाजारी के लिए भेजा जा रहा था। बरहट के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के लिखित आवेदन पर इस मामले में प्राथमिकी की दर्ज कराई गई है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी निधि कुमारी ने बताया कि पुलिस के द्वारा यह ट्रक जब्त किया गया था, जिस पर चावल के बोरे लदे हैं. कुल 610 बोरा चावल है जिसकी कीमत 9 लाख रुपये है। पकड़े गये चावल कालाबाजारी के लिए भेजे जा रहे थे, जो संभवत पीडीएस दुकानों के हैं। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने यह भी बताया कि कई बार लाभुक चावल का उपयोग न कर दुकान में बेच देते हैं, जिसे माफिया खरीद कर इसका कालाबाजारी करते हैं जो गैरकानूनी है। इस मामले में पूरी जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में एसडीपीओ सतीश सुमन ने बताया कि ट्रक पर दो नम्बर प्लेट लगा था जिसको लेकर भी कार्रवाई की जा रही है. अनाज के कालाबाजारी के इस मामले में संबंधित विभाग कार्रवाई कर रही है, पकड़ा गया चावल लाखों रुपये का है।

दोहरे हत्याकांड के आरोपी को सोनो पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : दोहरे हत्याकांड के आरोपी को सोनो पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

इसकी जानकारी देते हुए सोनो थाना अध्यक्ष दीनानाथ सिंह ने बताया कि बिते 9 अगस्त 2024 को सोनो थाना क्षेत्र अंतर्गत पैनवाजन गाँव निवासी ओलायत अंसारी उर्फ सौनु अपनी पत्नी ओर चार माह की दुधमुंही बेटी की हत्या करने के बाद खुद भी आत्म हत्या करने का प्रयास किया । जिसकी सुचना पुलिस अधीक्षक महोदय जमुई को देते हुए घटना मे लिप्त घायल ओलायत अंसारी को गिरफ्तार कर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनो लाया गया जहाँ पर मरहम पट्टी के बाद उसे जमुई रैफर कर दिया गया।

जमुई में हुई उपचार के बाद उसकी बैहतर इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में उसे पटना रैफर किया गया । पटना में हुई इलाज के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया है ।

नेम निष्ठा के साथ बाबा गरभू का पूजा संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर ।प्रखंड के पतसंडा पंचायत के कुमार सुरेन्द्र सिंह स्टेडियम में अवस्थित ऐतिहासिक बाबा गरभू मंदिर में शुक्रवार को बाबा गरभू का पूजा पुरे नेम और निष्ठा के साथ संपन्न हुआ। बताते चलें की लगभग तीन सौ वर्ष पूर्व में इस गरभू बाबा का पिंड निर्माण गिद्धौर राज रियासत द्वारा करवाया गया था। तब से लेकर आज तक बाबा गरभू के इस पिंड पर विधिवत रुप से पूजा कराने की परंपरा चली आ रही है। इस वर्ष भी पतसंडा गांव के सहित प्रखंड भर के हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा गरभू की पूजा के अवसर पर गरभू बाबा की पूजा अर्चना करने आये तथा बाबा गरभू की पूजा अर्चना कर अपने परिजनों की सुख शांति की कामना की एवं मन्नते भी मांगी तथा जिन भक्तों की मन्नते बाबा गरभू ने पूरा की उन्होंने बाबा गरभू को खीर व पकवान भी चढ़ाई व प्रखंड भर के सैंकड़ो भक्तों ने बाबा के मंदिर में दूध,खीर व पकवान चडाई सुबह से ही बाबा गरभू की पूजा अर्चना करने के लिये भक्तों का तांता लगा रहा। सलौनी पूजा को विद्वान- पंडित दिपू पांडेय,शंभू यादव,मनोज यादव,वासुदेव यादव व पिन्टू यादव द्वारा संपन्न कराया गया। वंही पूजा की विधि व्यवस्था एवं प्रसाद वितरण का कार्य की जिम्मेवारी अरूणा कुमार,नीतिश कुमार,रामदेव यादव, अभिषेक कुमार,रोहित कुमार,अर्थव राज,विजय कुमार,छोटू कुमार द्वारा निष्पादित कराया गया।

स्कूली बच्चों ने एसएसबी जवानों को राखी बांधकर बढ़ाया हौसला

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : स्थानीय स्कूल सरस्वती शिशु मंदिर सोनो के छात्राओं ने देश की सुरक्षा में तैनात फौजियों को राखी बांधकर उनके हौसले को बढ़ाया और उनके प्रति सम्मान प्रकट किया । इस अवसर पर बच्चों ने फौजियों के साथ देशभक्ति गीत गाए तथा भारत माता का जय घोष किए । राखी बांधने के साथ-साथ छात्रों ने देश के वीर जवानों को मुंह मीठा करवाया । इसके बाद एस0 एस0 बी0 कैम्प चरका पत्थर के कम्पनी कमाण्डर श्री श्यामल सरकार के निगरानी मे जवानों ने मिल जुल कर सभी छात्रों को चाय-नाश्ता करवाया । जवानों ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वे देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और देश की सुरक्षा के लिए किसी भी कठिनाईयों का सामना करने को तैयार हैं । उन्होंने बच्चों से कहा कि वे पढ़-लिखकर देश की तरक्की में योगदान देते हुए देश के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प लें । इस अवसर पर स्कूल प्रबंधकारिणी समिति के रणजीत सिंह , सह सचिव मनोज कुमार सिंह , प्रिंसिपल राकेश कुमार चौधरी , आचार्या आभा कुमारी तथा रानी कुमारी मौजूद थी । प्रिंसिपल राकेश कुमार चौधरी ने कहा कि बच्चों को देश के प्रति जिम्मेदार बनाने और देशभक्ति की भावना को जगाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं । उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और उन्हें देश के प्रति जिम्मेदार बनाना हमारी जिम्मेदारी है । इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने फौजियों के साथ मिलकर राखी बांधने के साथ-साथ देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी । फौजियों ने बच्चों को उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें देश के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प दिलाया ।

भाई ओर बहनों के अटुट प्यार का त्यौहार रक्षाबंधन 19 को

प्रात : किरण संवाददाता

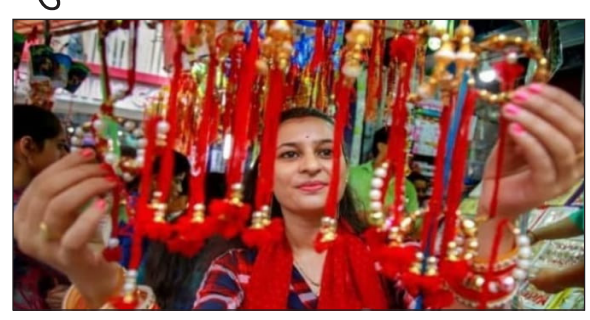

सोनो जमुई : सावन मास की पुर्णिमा तिथि को पड़ने वाली भाई ओर बहनों की अटुट प्यार के बंधनों का त्यौहार रक्षा बंधन सोमवार को पड़ने जा रही है । इस दिन बहनें अपने भाईयों की लंबी उम्र की कामना करते हुए आरती उतारकर उनकी कलाई पर रंगीन राखी बांधती हे । बदले में भाई अपनी बहनों को उपहार भेंट करते हुए सदैव रक्षा करने का वचन देते हैं । भाई बहनों की इस अटुट प्यार के संबंधों का यह त्यौहार रक्षाबंधन प्यार , जिम्मेदारी ओर मजबूत बंधनों को दशार्ती है । रक्षा बंधन के इस पावन त्योहार को संयुक्त परिवारों के अलावा चचेरे ओर ममेरे तथा करीबी दोस्तों आदि के साथ भी मनाया जाता है । इस त्यौहार मे लोग उपहारों का आदान प्रदान करने के अलावा स्वादिष्ट मिठाईयों का भी आनंद लेते हुए अपार प्रेम के रिस्ते ओर महत्व की खुशी को दशार्ता है । इस पर्व मे बहनें अपने भाईयों की कलाई पर रक्षा सुत्र बांधकर लंबी उम्र की कामना करते हैं । रक्षाबंधन का इतिहास बहुत पुराना हे ओर इससे जुड़ी कई पौराणिक कथाएँ भी हें । पौराणिक कथाओं के अनुसार एक बार परेशान होकर भगवान इंद्र ने अपने गुरु बृहस्पति से सलाह लेने गए , जिस पर गुरु बृहस्पति ने उन्हें पत्नी इंद्राणी से अपनी कलाई पर राखी बंधवाने को कहा । गुरु बृहस्पति के कहने पर इंद्राणी ने भगवान इंद्र की कलाई पर सभी नुकसानो से सुरक्षा के लिए पवित्र ताबीज बांध दिया । इसी प्रकार पौरानिक कथाओं के मुताबिक एक बार भगवान कृष्ण की उंगली उनके सुदर्शन चक्र से गलती से कट गई थी , जिसे देखकर द्रोपदी ने भगवान इंद्र की अंगुली से बह रही खुन को रोकने के लिए अपनी साड़ी से एक टुकड़ा फाड़कर चोट पर बांध दिया था । भगवान कृष्ण ने उनके हाव भाव को देखकर बहुत प्रभावित हुए ओर उन्होंने हमेशा उनकी रक्षा करने का वादा किया । ओर तभी से यह रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार मनाया जाने लगा है । बाबा झुमराज स्थान बटिया के निकट स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के विद्वान पुजारी श्री मिथलेश पांडेय उर्फ कारु पांडेय ने बताया कि 18 अगस्त रविवार की रात 2 बजकर 21 मिनट से भद्रा नक्षत्र शुरू हो रही है , जो अगले दिन 19 अगस्त सोमवार को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी । यह नक्षत्र भद्रा पाताल लोक की रहेगी । जिस कारण इस नक्षत्र भद्रा के रहने तक रक्षाबंधन मनाना अशुभ माना गया है । ऐसे में रक्षा सुत्र (राखी) बांधने का शुभ समय 19 अगस्त दोपहर 1 बजकर 24 मिनट के बाद है । ज्ञात हो कि सोनो बाजार एवं बटिया बाजार के अलावा सभी चोक चौराहों पर रंग बिरंगी राखियों की दुकानें सजी हुई है , जहाँ पर बड़ी संख्या में बहनों द्वारा राखियों की खरिद्दारी की जा रही है

मंदिर निर्माण को लेकर कि गई भूमि पूजन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] शनिवार को नगर क्षेत्र स्थित सोहजाना में अति प्राचीन काली मण्डप का पुनर्निर्माण हेतु भूमिपूजन विधि विधान के साथ किया गया।जिसमें सोहजाना मां काली मण्डप क्षेत्र के सभी ग्रामीणों ने भाग लिया। पूजन के बाद ग्रामीणों ने बताया कि यह काली मण्डप काफी पुराना है इसके लिए भौतु झा पुरानी बाजार निवासी ने अपनी जमीन देकर सोहजाना में यह मण्डप स्थापित किया था। तबसे ही यह ग्रामीणों के आस्था का केंद्र है। कहते है जो भी भक्त सच्चे दिल से माता के दरबार में मन्नत मांगता है माता उसकी इच्छा अवश्य पूरी करती है। पहले यह मण्डप मिट्टी का बना हुआ था कालांतर में इसे पक्का निर्माण कराया गया था पर समय के साथ यह भी जीर्ण शीर्ण हो गया। पुनः ग्रामीणों ने एक बैठक कर इसे पुनः निर्माण करने का संकल्प लिया और आज उसका भूमि पूजन हो गया। इस मण्डप के निर्माण में ग्रामीणों में बहुत उत्साह है और लोग बढ़ चढ़ कर अपना आर्थिक सहयोग कर रहे हैं। इस अवसर पर मण्डप के भगत साधु यादव, पुजारी मुन्ना झा एवं राहुल झा भूमि पूजन दुर्गा मंदिर के पुजारी रामानंद जी ने किया। और बहुत से ग्रामीण इस पूजन कार्य के साक्षी बने।मण्डप निर्माण का कार्य दीपक कुमार मंडल बेनिबाक को सौंपा गया है।

डीएसएम कॉलेज के मुख्य द्वार पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का किया पुतला दहन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के कार्यकताओं ने डीएसएम कॉलेज के मुख्य द्वार पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला दहन किया। प्रदर्शन कर रहे कार्यकताओं ने डा० मौमिता देवनाथ को न्याय की मांग करते हुए ममता बनर्जी मुदार्बाद के नारे लगाए और उनका पुतला फूका। बताते चलें कि कोलकात्ता में डॉक्टर मोमीता देवनाथ का निर्मम तरीके से हत्या की खबर पुरे देश भर में तुल पकड़ लिया है जगह - जगह मार्च निकालकर जनता न्याय की मांग कर रहे है। मौके पर अभाविप प्रान्त एसएफडी सहसंयोजक सूरज बरनवाल ने कहा कि डॉ मौमिता देवनाथ के साथ कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में जिस प्रकार से शारीरिक शोषण करने के बाद निर्मम हत्या कर दी गई यह काफी चिंताजनक और शर्मनाक है ममता सरकार ऐसे गुंडे को खुलेआम छूट दे रखे हैं जिससे कि आए दिन बंगाल में इस प्रकार की घटना सामने आता है, मोमिता देवनाथ के हत्यारे को जल्द से जल्द फांसी दी जाए यह मांग करते हैं। अभाविप नगर मंत्री हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि डा० मौमिता देवनाथ के साथ जो कुछ हुआ बेहद शर्मनाक है ममता बनर्जी सरकार अपने आप को स्वच्छ छवि के बताती है वहीं उसके द्वारा पोषित गुंडे के द्वारा इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया जाता है ममता सरकार आदमी के रूप में कालनेमी है, जनता को यह बात जितना जल्दी हो मान लेनी चाहिए, नहीं तो आने वाला समय इससे भी खतरनाक साबित होगा। इस घटना को अंजाम देने वाले सभी दोषियों को सरकार फांसी की सजा की दें ,नहीं तो विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेगी। मौके पर नगर कार्यकारिणी सदस्य रंजन चंद्रवंशी, प्रिंस राज, सतीश सिन्हा, दीपक कुमार, सुरुचि कुमारी, नीतीश कुमार,ने भी ममता सरकार के खिलाफ रोष प्रकट किया।

बाराजोर रेलवे फाटक के पास गडडा में ई रिक्शा पलटा

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा दादपुर मुख्य रेलखंड के बाराजोर गांव के पास बाराजोर धपरी मुख्य मार्ग पर बने रेलवे फाटक के पास सड़क पर बड़ा गडडा बन जाने से उस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोग फाटक के पास बड़े ही सावधानी पूर्वक आवागमन कर रहे। बाराजोर गांव के पास सड़क पर गडडा उभर जाने के कारण एक ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया जिसे देखकर स्थानीय लोगों ने किसी तरह ई रिक्शा को उठाया हालांकि ई रिक्शा पर कोई यात्री नही था वरना बड़ी घटना हो सकती थी। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर गडडा हो जाने के कारण बारिश में उस गडडे में जलजमाव हो जाता है जिसके कारण आए दिन लोग यहां पर सड़क दुघर्टना का शिकार बन जाते है। लोगों ने कहा कि रेलवे या फिर स्थानीय पदाधिकारी इस ओर ध्यान दे ताकि सड़क पर गडडा की मरम्मती किया जा सके।

10 वीं, 12 वीं परिक्षा में सफल छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

जमुई [झाझा] स्वतंत्रता दिवस पर दशवीं और बारहवीं परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच एकडारा में ब्राईट पब्लिक स्कूल की ओर से सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया गया। जिसका संचालन विद्यालय निदेशक पुरूषोतम कुमार के द्वारा किया गया। मौके पर उपस्थित जिप सदस्य धर्मदेव यादव, जेपीएस निदेशक डॉ. सुरेंद्र निराला, डॉ. श्यामसुंदर दिनबंधु सहित अन्य शिक्षाविद ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में काफी आगे बढ़ते जा रहा है। एक तरफ ग्रामीण क्षेत्र में बच्चे- बच्चियां कुछ वर्ग तक अपनी पढ़ाई करके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब रहने पर पढ़ाई छोड़कर परिवार के कामकाज में हाथ बंटाना शुरू कर देते थे लेकिन वर्तमान समय में यह अब खत्म होते जा रहा है ।

डायरिया बीमारी के प्रकोप से बढ़ रही है क्षेत्र में मरीजों की संख्या, दस लोगों को अस्पताल में करवाया गया भर्ती

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जिलेभर में डायरिया बीमारी अपना पांव ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी ही तेजी से पसार रही है। जिसका नतीजा यह है कि आज झाझा सहित सोनो प्रखंड के कई ग्रामीण डायरिया बीमारी से ग्रस्त हो रहे है जो स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बनते जा रही है। एक तरफ झाझा प्रखंड के क्षेत्र के सरिया गांव में कई लोग पूर्व में ही डायरिया बीमारी से ग्रस्ति है तो वही अब डायरिया बीमारी का दस्तक बलियो गांव सहित सोनो प्रखंड के विशनपुर गांव में पड़ चुका है जिसमें आधा दर्जनभर से भी अधिक मरीज को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल झाझा में भर्ती करवाया गया है। शनिवार को अस्पताल में विशनपुर गांव से प्रकाश कुमार, प्रीति कुमारी, प्रियंका कुमारी, अजित कुमार, बलियो गांव से राकेश कुमार, सरिया गांव से सुरेंद्र मुर्मू, शिवरवि कुमार, अजित मुर्मू, माला कुमारी, सीता कुमारी को चिहिन्त कर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। दिन प्रतिदिन क्षेत्र में डायरिया बीमारी की चपेट में आने से बढ़ रही मरीजों की संख्या देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई कदम भी उठाए जा रहे है। अस्पताल के प्रबंधक नवनीत कुमार ने बताया कि अस्पताल में मरीजों का समुचित इलाज किया जा रहा है तो वही स्वास्थ्य प्रबंधक सुभाषचंद्र ने बताया कि जिस जिस क्षेत्र में डायरिया बीमारी की चपेट में मरीज आ रहे है उस क्षेत्र में कैंप भी लगाया जा रहा है और लोगों को इलाज भी करवाया जा रहा है। बलियों में भी शनिवार को डायरिया बीमारी से एक की पहचान होने के बाद बलियो गांव में भी अन्य लोगों के बीच बीमारी फैलने का खतरा ग्रामीणों को सताने लगी है जिसकों लेकर ग्रामीणों में भी डर बढ़ते जा रही है।

सड़क पर पेड़ गिरने से एक ही दिशा में चल रहे दो ट्रक में टक्कर, बाल बाल बच्चे चालक और उपचालक

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ ई० अलीगंजः- लछुआड़ थाना के नवादा सिकंदरा मुख्य मार्ग महना पुल के समीप शनिवार की अहले सुबह एक ही दिशा में चल रहे दो ट्रक आपस में टकरा गई।इस टक्कर में बाल बाल बच्चे दोनों ट्रक के चालक और उपचालक। वहीं एक ट्रक के चालक अरबाज खान ने घटना के बारे में बातया कि हम मुंगेर से गाड़ी लेकर सिकंदरा होते डोभी जा रहे थे । तभी अहले सुबह करीब पांच बजे जैसे ही महना पुल से निचे हुए तो सामने पेड़ गिरा हुआ था । तभी अचनाक ब्रेक लगाते हुए साइड से निकलना चाहा लेकिन बारिश के कारण मिट्टी गिला होने की वजह चक्का स्लिप होते हुए अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा धसा। इस दरमियान मेरे पीछे एक मिनी ट्रक आ रही थी और पेड़ से बचने के लेकर ब्रेक लगाई और चक्का सिलिप होने से अनियंत्रित होकर टक्कर मार दिया। जिससे ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं दूसरे ट्रक का ड्राइवर संजय कुमार ने बताया की हम ट्रक में मुर्गी का दाना लेकर जा रहे थे तभी रोड पे पेड़ गिरा था, ब्रेक मारते मारते स्लिप हो गया और ट्रक अनियंत्रित होकर आगे वाली ट्रक में टक्कर मार दिया। हालांकि इस घटना में सभी सुरक्षित हैं। कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बनी थी ,वहीं मौके पे 112 पुलिस एवं ग्रामीणों के सहयोग से पेड़ काट कर किनारे किया गया , तब जाकर अवागमन चालू हुआ।

मंझवे गांव में परिवार वालों ने युवक को मारकर किया घायल, सदर अस्पताल में कराया गया भर्ती

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई टाउन थाना क्षेत्र के मंझवे गांव में माता, पिता व भाई सहित अन्य लोगों ने शुक्रवार की देर शाम सुबोध कुमार की जमकर पिटाई कर दी। जिससे सुबोध कुमार बुरी तरह से जख्मी हो गया।घायल सुबोध को परिजन द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल सुबोध कुमार ने बताया कि 2022 में वे लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र के दिघरा गांव में शादी किए थे। लेकिन उनके बहनोई व माता-पिता के द्वारा दूसरी लड़की से शादी करवाना चाह रहे थे।इसी बात को लेकर उनके परिवार वालों द्वारा पत्नी को छोड़ने और दूसरी शादी करने का दबाव बनाया जा रहा है।पत्नी को नहीं छोड़ने के एवज में 10 लाख रुपया का डिमांड किया जा रहा है।जिसको लेकर वे थाना में शिकायत करने के लिए गए थे।जिसकी जानकारी परिवार वालों को हो गई। जैसे ही वे थाना से घर पहुंचे तभी पिता शशिभूषण रविदास, मां बिल्सी देवी, भाई बिपिन कुमार दास, भाभी राखी देवी, बहनोई पंकज दास सहित अन्य लोगों द्वारा मारपीट किया जाने लगा। जिससे वे बुरी तरह जख्मी हो गए। वहीं घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

विद्युत विभाग ने बिजली चोरी के आरोप में पांच लोगों पर दर्ज करायी प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौरः- विद्युत विभाग अपने निर्धारित राजस्व के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में लगातार अभियान चला रहा है। इसे लेकर क्षेत्र में राजस्व वसूली एवं बिजली चोरी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। विद्युत चोरी पर लगाम लगाने को लेकर विभाग द्वारा छापेमारी दल का गठन किया गया। जिसमें कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में विभाग की टीम ने प्रखंड के कई क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान छापेमारी दल ने मौरा पंचायत के अलखपुरा गांव के प्रकाश यादव, लथलू यादव, कैलाश यादव, मुनेश्वर यादव, नरेश यादव को बिजली चोरी करते पकड़ा है। कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार ने बताया कि इन पांच लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के आरोप में गिद्धौर थाना को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करते हुए विभागीय कारवाई करने का अनुरोध किया। वहीं कनीय अभियंता श्री धीरेन्द्र ने क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से बिजली चोरी नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर बिजली चोरी करते पकड़े गये तो आपके ऊपर विभागीय कारवाई की जायेगी। इस मौके पर छापेमारी दल में कनीय अभियंता धीरेन्द्र कुमार के साथ विभाग के मानव बल कर्मी धर्मेंद्र मेहता प्रमोद कुमार,चंदन कुमार यादव , साथ चल रहे थे।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली संदेह के घेरे में

सनत जैन

निर्वाचन आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा की चुनाव अधिसूचना जारी कर दी है। जम्मू कश्मीर में 10 साल के बाद चुनाव होंगे। अनुच्छेद 370 खत्म होने और जम्मू कश्मीर राज्य केंद्र शासन के अधीन घोषित होने के बाद यह पहला चुनाव है। इस चुनाव को लेकर जम्मू कश्मीर के नेता कई महीनो से इंतजार कर रहे थे। यहां की जनता भी चुनाव नहीं होने से नाराज थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आखिरकार यहां पर चुनाव आयोग को चुनाव कराना पड रहे हैं। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा के चुनाव होंगे। वहीं हरियाणा में एक चरण में चुनाव संपन्न होगा। हरियाणा और जम्मू कश्मीर में 90-90 सीटें हैं। कहने का तात्पर्य यह है, दोनों विधानसभाएं छोटी हैं। जम्मू- कश्मीर में आतंकवादियों के हमले हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सुरक्षा के लिए चुनाव आयोग ने तीन चरणों में चुनाव कराने का निर्णय लिया है। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के संबोधन में एक राष्ट्र एक चुनाव की बात कही थी। जब चुनाव आयोग चार राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा सकता है। तब प्रधानमंत्री कैसे एक साथ सभी चुनाव एक साथ कराने की बात कर रहे हैं। कई राज्यों में 46 सीटों पर उपचुनाव होने थे, चुनाव आयोग द्वारा कोई उपचुनाव नहीं कराये जा रहे हैं।

10 विधानसभा क्षेत्र उत्तर प्रदेश के हैं। सीमावर्ती राज्य हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं। तब उत्तर प्रदेश में उपचुनाव कराने मैं क्या दिक्कत थी। इसे आसानी से समझा जा सकता है। वायनाड की लोकसभा सीट के चुनाव बाद में भी कराये जा सकते थे। जिन राज्यों में अनुकूलता थी, वहां पर उपचुनाव नहीं कराने से चुनाव आयोग के निर्णय पर तरह-तरह की शंका पैदा की जा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस तरह से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ था। जो शिकायतें की गई थी, उनका निराकरण नहीं किया गया। किस राज्य में और किस संसदीय क्षेत्र में कितना मतदान हुआ है। उसमें विलंब होना, बाद में मतदान की संख्या में भारी अंतर को लेकर, चुनाव आयोग के ऊपर तरह-तरह के आरोप लगे। एडीआर द्वारा लोकसभा चुनाव की जो जानकारी मांगी गई, वह चुनाव आयोग द्वारा नहीं दी जा रही है। चुनाव आयोग पहले ही कटघरे में खड़ा था, अब उपचुनाव नहीं कराने तथा केवल दो राज्यों के चुनाव कराने को लेकर, चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े होने लगे हैं। यह भी कहा जा रहा है, दिल्ली विधानसभा के चुनाव समय के पहले हो सकते हैं। दिल्ली में चुनाव की तैयारी चुनाव आयोग द्वारा शुरू कर दी गई है। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद महाराष्ट्र के साथ दिल्ली और झारखंड के चुनाव होंगे। इसकी अटकलें शुरू हो गई हैं। चुनाव आयोग की जितनी आलोचना 2024 के लोकसभा चुनाव में हुई है। उसके पहले कभी भी चुनाव आयोग को लेकर इस तरह की आलोचना नहीं हुई थी। चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के नेताओं से मिलते नहीं हैं। मीडिया से भी दूरी बनाकर रखते है। चुनाव आयोग के कार्यों में पारिदर्शिता नहीं है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता आम मतदाताओं के बीच में कम होना चिंता का विषय है। लोकसभा चुनाव के पहले भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई आंदोलन हुए। लोकसभा चुनाव की मतगणना के बाद जिस तरह की शंका चुनाव आयोग के प्रति की जा रही है।

अंततः अखंड भारत का सपना होगा साकार

प्रहलाद सबनानी

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त 2024 को पूरे भारतवर्ष में 77वां स्वतंत्रता दिवस बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। दरअसल, भारतीय नागरिक 15 अगस्त 1947 के पूर्व अंग्रेजों के शासन के अंतर्गत पराधीन थे एवं 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्त होकर भारतीय नागरिक स्वाधीन हुए। इसलिए इस पर्व को स्वाधीनता दिवस कहना अधिक तर्कसंगत होगा। स्वतंत्र शब्द दो शब्दों से मिलाकर बना है (1) स्व; एवं (2) तंत्र। अर्थात स्वयं का तंत्र, इसलिए स्वतंत्रता दिवस कहना तो तभी न्यायोचित होगा जब स्वयं का तंत्र स्थापित हो। भारत के नागरिकों में आज ह्लस्वह्व के भाव के प्रति जागृति तो दिखाई देने लगी है और वे ह्लभारत के हित सर्वोपरि हैंह्व की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। स्व के तंत्र के स्थापित होने से आश्य यह है कि देश में हिंदू सनातन संस्कृति का अनुपालन सुनिश्चित हो।

प्राचीन काल में भारत विश्व गुरु था। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों सहित लगभग समस्त क्षेत्रों में भारतीय सनातन संस्कृति का दबदबा था। भारत को उस खंडकाल में सोने की चिड़िया कहा जाता था। भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने के उद्देश्य से पूरे विश्व से विद्यार्थी भारत में आते थे। भारत पर शक, हूण, कुषाण एवं यवन के आक्रमण हुए, परंतु भारत पर उनके कुछ समय के शासन के पश्चात वे भारतीय सनातन संस्कृति में ही रच बस गए एवं भारत का हिस्सा बन गए। परंतु, अरब के देशों से मुसलमान एवं ब्रिटेन से अंग्रेजों के भारत पर चले शासन के दौरान उन्होंने भारतीय नागरिकों का बलात धर्म परिवर्तन करवाया, स्थानीय नागरिकों पर अकल्पनीय अत्याचार किए। भारत के बड़े बड़े प्रतिष्ठानों, मंदिरों एवं ज्ञान के स्थानों को नष्ट किया। अंग्रेजों ने तो भारतीय नागरिकों के साथ छल कपट करते हुए यह भ्रम फैलाया कि अंग्रेजों ने ही भारतीय नागरिकों को जीना सिखाया है अन्यथा भारतीय समाज तो असभ्य, अनपढ़ गंवार था। उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति पर गहरी चोट की। वे भारतीयों में हीन भावना भरने में सफल रहे। भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट किया। गुरुकुल नष्ट किए। अंग्रेजों को नौकर चाहिए थे अतः तात्कालिक शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किए। इसी प्रकार की शिक्षा प्रणाली देश में आज भी चल रही है, जिसके अंतर्गत शिक्षित भारतीय केवल नौकरी करने के लिए ही उतावाले नजर आते हैं। वे अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने के प्रति रुचि ही प्रकट नहीं करते हैं। भारत में उद्योगपति अपने परिवार की विरासत से ही निकले हैं।

भारत को आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से समय समय पर भारत के तत्कालीन राज्यों के शासकों ने युद्ध भी लड़े एवं अपने स्तर पर उस खंडकाल में सफलता भी अर्जित की। जैसे, शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप, राणा सांगा आदि के नाम मुख्य रूप से लिए जा सकते हैं। इसी प्रकार, अंगेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले वीर क्रांतिकारियों में रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद के नाम सहज रूप से लिए जा सकते हैं। स्वाधीनता प्राप्ति के उद्देश्य को लेकर मशाल आगे लेकर चलने वाले कई योद्धाओं में महात्मा गांधी, सरदार पटेल एवं सुभाषचंद्र बोस भी शामिल रहे हैं। इसी समय में विवेकानंद एवं डॉक्टर हेडगेवार ने भी सांस्कृतिक चिंतक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था। इस प्रकार, अंततः भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के शासन से मुक्ति मिली एवं भारतीय नागरिकों को स्वाधीनता प्राप्त हुई। भारत के लिए यह एक नई सुबह तो थी परंतु यह साथ में विभाजन की त्रासदी भी लेकर आई थी। पूर्व एवं पश्चिमी पाकिस्तान के रूप में एक नए देश ने भी जन्म लिया और इस दौरान करोड़ों नागरिकों ने अपनी जान गवाई थी।

आखिर भारत का विभाजन हुआ क्यों? यदि इस विषय पर विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि दरअसल अंग्रेजों ने यह भ्रम फैलाया कि भारत में आर्य बाहर से आए हैं और इस प्रकार वे भारतीय नागरिकों में मतभेद पैदा करने में सफल हुए। साथ ही, उन्हें भारतीय नागरिकों में यह भाव पैदा करने में भी सफलता मिली कि भारत एक भौगोलिक इकाई है एवं यह कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है जबकि राष्ट्र एक सांस्कृतिक इकाई होती है न कि भौगोलिक इकाई। उस खंडकाल विशेष में अंग्रेजों द्वारा भारत में किया गया मुस्लिम तुष्टिकरण भी भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रवादी मुसलमानों की उपेक्षा की गई थी एवं उस समय की जनभावना को बिलकुल ही नकार दिया गया था, इसके उदाहरण के रूप में ह्यवन्दे मातरमह्ण कहने पर अंकुश लगाना एवं राष्ट्रीय ध्वज के रूप में भगवा ध्वज को स्वीकार नहीं करना, का वर्णन किया जा सकता है। और फिर, उस समय विशेष पर भारत का नेतृत्व भी मजबूत हाथों में नहीं था।

अजीत डोभाल : भारतीय शांति और सुरक्षा के सजग प्रहरी

अजीत डोभाल ने भारत के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय काम किया है, वह चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के समाधान की दृष्टि से किया गया था। स्थिति तनावपूर्ण थी और ऐसा लग रहा था कि संघर्ष अपरिहार्य है, लेकिन डोभाल की शांत और रणनीतिक सोच ने इस विवादित मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने में मदद की। डोभाल की एक प्रमुख विशेषता अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकसित करने की सूझबूझ और उनकी अकूत क्षमता है। उन्होंने दुनिया भर के अपने समकक्षों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। ये गठबंधन एक वैश्वीकृत दुनिया में महत्वपूर्ण हैं, जो साझा खतरों का मुकाबला करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। उनके नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता परिवेश एवं परिस्थितियों को समझकर उनके प्रति उनकी दृढ़ता और सहानुभूति का मिश्रण है। वह एकनिर्णायक नेतृत्वकर्ता हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर कठिन निर्णय ले सकते हैं। बावजूद इसके वह सुरक्षा के मानवीय तत्वों को भी भलीभाँति समझते हैं। कार्यविधि एवं व्यक्तित्व का यह संतुलन उन्हें खुफिया समुदाय में एक प्रभावी और सम्मानित प्रशासक बनाता है। डोभाल के मार्गदर्शन में भारत की खुफिया एजेंसियों ने आधुनिकीकरण के साथ महत्वपूर्ण कार्य किया है। अपने मिशन के लिए उन्होंने उन्नत तकनीक और नवीन माध्यमों को अपनाने का बीड़ा उठाया है। उनका यह दूरदर्शी दृष्टिकोण राष्ट्रीय सुरक्षा के निरंतर विकसित होते परिदृश्य में भारत को आगे रखता है। डोभाल का प्रभाव पारंपरिक सुरक्षा उपायों से परे है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा में वित्तीय स्थिरता के महत्व को पहचानते हुए आर्थिक खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में उनके प्रयासों ने भारत के आर्थिक हितों की रक्षा करने में बहुत सहायता की है, जिससे देश के समग्र लचीलेपन और समावेशी स्वरूप में योगदान मिला है। एक रणनीतिकार के रूप में, डोभाल की किसी परिधि या सीमित घेरे के बाहर सोचने की क्षमता एक गेम-चेंजर के रूप में रही है। वह अक्सर जटिल समस्याओं को हल करने के लिए अपरंपरागत रणनीति अपनाते हैं। समस्या-समाधान में यह रचनात्मकता उन्हें एक दूरदर्शी प्रशासक और नेतृत्वकर्ता के रूप में अलग प्रतिष्ठित करती है।

प्रो. (डॉ.) जसीम मोहम्मद

भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में देश की शांति और सुरक्षा के लिए अहर्निश सजग एवं तत्पर रहनेवाले अजीत डोभाल एक ऐसे प्रशासक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने भारत की राष्ट्रीय चिंता और समाधान के लिए जितना कार्य किया है, उतना शायद ही कोई करता हो और जिसके विषय में लोग कम ही जानते हैं। वे खामोशी से अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से पूर्ण करने में लगे रहते हैं। उन्हें अक्सर ह्लभारत का जेम्सबॉन्डह्व कहा जाता है, लेकिन एक काल्पनिक जासूस के विपरीत, डोभाल चुपचाप काम करना पसंद करते हैं, चुपचाप एक सुरक्षित और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह करने में लगे रहते हैं। अजीत डोभाल ने भारत के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय काम किया है, वह चीन के साथ डोकलाम गतिरोध के समाधान की दृष्टि से किया गया था। स्थिति तनावपूर्ण थी और ऐसा लग रहा था कि संघर्ष अपरिहार्य है, लेकिन डोभाल की शांत और रणनीतिक सोच ने इस विवादित मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने में मदद की।

डोभाल की एक प्रमुख विशेषता अंतरराष्ट्रीय सहयोग विकसित करने की सूझबूझ और उनकी अकूत क्षमता है। उन्होंने दुनिया भर के अपने समकक्षों के साथ मजबूत संबंध स्थापित किए हैं। ये गठबंधन एक वैश्वीकृत दुनिया में महत्वपूर्ण हैं, जो साझा खतरों का मुकाबला करने और स्थिरता को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। उनके नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता परिवेश एवं परिस्थितियों को समझकर उनके प्रति उनकी दृढ़ता और सहानुभूति का मिश्रण है। वह एकनिर्णायक नेतृत्वकर्ता हैं, जो आवश्यकता पड़ने पर कठिन निर्णय ले सकते हैं। बावजूद इसके वह सुरक्षा के मानवीय तत्वों को भी भलीभाँति समझते हैं। कार्यविधि एवं व्यक्तित्व का यह संतुलन उन्हें खुफिया समुदाय में एक प्रभावी और सम्मानित प्रशासक बनाता है। डोभाल के मार्गदर्शन में भारत की खुफिया एजेंसियों ने आधुनिकीकरण के साथ महत्वपूर्ण कार्य किया है। अपने मिशन के लिए उन्होंने उन्नत तकनीक और नवीन माध्यमों को अपनाने का बीड़ा उठाया है। उनका यह दूरदर्शी दृष्टिकोण राष्ट्रीय सुरक्षा के निरंतर विकसित होते परिदृश्य में भारत को आगे रखता है। डोभाल का प्रभाव पारंपरिक सुरक्षा उपायों से परे है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा में वित्तीय स्थिरता के महत्व को पहचानते हुए आर्थिक खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस क्षेत्र में उनके प्रयासों ने भारत के आर्थिक हितों की रक्षा करने में बहुत सहायता की है, जिससे देश के समग्र लचीलेपन और समावेशी स्वरूप में योगदान मिला है। एक रणनीतिकार के रूप में, डोभाल की किसी परिधि या सीमित घेरे के बाहर सोचने की क्षमता एक गेम-चेंजर के रूप में रही है। वह अक्सर जटिल समस्याओं को हल करने के लिए अपरंपरागत रणनीति अपनाते हैं। समस्या-समाधान में यह रचनात्मकता उन्हें एक दूरदर्शी प्रशासक और नेतृत्वकर्ता के रूप में अलग प्रतिष्ठित करती है। संकट की स्थितियों में उनका शांत व्यवहार उनके धैर्य और कार्यक्षमता को प्रदर्शित करता है। किसी भी दबाव में सदैव शांत रहने की उनकी क्षमता उनकी टीम में आत्मविश्वास पैदा करती है और प्रभावी एवं ठोस निर्णय लेने को सुनिश्चित करती है। यह विशेषता उच्च-दाँववाले वातावरण में महत्वपूर्ण है, जहाँ स्पष्ट सोच ही सब कुछ बदल सकती है। क्षेत्रीय गतिशीलता की उनकी गहरी समझ भारत की विदेश नीति को आकार देने में महत्वपूर्ण रही है। पड़ोसी देशों के राजनीतिक परिदृश्यों के बारे में डोभाल की अंतर्दृष्टि ने सदैव रणनीतिक निर्णयों को रेखांकित किया है। इस क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता राष्ट्र के नेतृत्व के लिए एक मूल्यवान संपत्ति है।

आतंकवाद की चुनौतियों से निपटने के मामले में डोभाल की विशेषज्ञता बेजोड़ है, अप्रतिम है। इस नजरिए से उन्होंने कई सफल ऑपरेशनों का नेतृत्व किया है, जिससे आतंकवादियों को उनके रास्ते में ही रोका जा सका है और भारत को नुकसान पहुँचानेवाले तत्वों से सुरक्षित रखा जा सका है। शत्रुओं की हर रणनीति के विषय में उनकी गहरी समझ ने उन्हें भारत की सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बना दिया है। उन्होंने भारत की खुफिया सेवाओं को आधुनिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दिशा में उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि सूचना एकत्र करने और उसका उपयोग करने का तरीका यथासंभव उन्नत हो, जिससे देश के लिए देश के अंदर और बाहर दोनों ही तरह के खतरों से स्वयं को बचाना आसान हो। उनके नेतृत्व में भारत का खुफिया सूचनातंत्र दुनिया में सर्वश्रेष्ठ सूचनातंत्र में से एक बन गया है। सन 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान डोभाल के नेतृत्व ने अपनी कार्यशैली की वास्तविक चमक दिखाई थी। यह ऑपरेशन एक स्पष्ट संदेश था कि भारत आक्रामकता को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा। डोभाल की सावधानीपूर्वक योजना इसकी सफलता का एक बड़ा हिस्सा थी, जो दुनिया को दिखाती है कि आवश्यकता पड़ने पर भारत को अपनी रक्षा बखूबी कर सकता है और करेगा।

अजीत डोभाल का प्रभाव केवल सैन्यमामलों तक ही सीमित नहीं है। वह एक कुशल राजनयिक भी हैं, जिन्होंने दुनिया भर के महत्वपूर्ण देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए हैं। इन संबंधों ने भारत की स्थिति को वैश्विकस्तर पर बहुत मजबूत बनाया है, जिसने देश को आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत मदद की है। जम्मू-कश्मीर की स्थिति को बदलनेवाले अनुच्छेद 370 को हटाने में डोभाल की भूमिका उनकी रणनीतिक सोच का एक और बड़ा उदाहरण है। उन्होंने यह अच्छी तरह समझा कि स्थिति कितनी संवेदनशील और जटिल थी। उन्होंने यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई कि इस कदम को सुचारु रूप से लागू किया जाए, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाना है। देश के भीतर आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने में डोभाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने उन क्षेत्रों में शांति लाने के लिए कड़ी मेहनत की है, जो लंबे समय से अशांत होकर हिंसा से त्रस्त हैं। डोभाल के सतत प्रयासों से अब कई लोगों के लिए सामान्य जीवन को बहाल करने में बहुत सहायता मिली है। इन क्षेत्रों में उनके प्रयासों ने स्थिरता को सुनिश्चित करने का व्यापक प्रयास किया है। डोभाल भारत की सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के भी प्रबल समर्थक रहे हैं। वह समझते हैं कि खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए, सुरक्षा तंत्र के सभी हिस्सों को एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने भारत की सुरक्षा को और अधिक मजबूत और लचीला बना दिया है।

वामपंथी-चरमपंथी उग्रवाद से निपटने में, डोभाल की रणनीतियाँ अत्यधिक प्रभावी रही हैं। उन्होंने परिवर्तन लाने के लिए बल और विकास परियोजनाओं के मिश्रण का उपयोग करते हुए माओवादी समूहों के प्रभाव को कमजोर करने का काम किया है। इस संतुलित दृष्टिकोण ने उन क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने में मदद की है, जो कभी पूरी तरह विद्रोहियों के नियंत्रण में थे। अपने अथक प्रयासों से डोभाल ने उनसमुदायों में आशा की किरण जगाई है। एक मार्गदर्शक के रूप में, डोभाल ने भारत के खुफिया और सुरक्षा क्षेत्रों में अगली पीढ़ी के नेतृत्वकताओं को अपने विशाल ज्ञानक्षेत्र और अनुभवों से लाभान्वित किया है। अपने मार्गदर्शन के माध्यम से, उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनके वहाँ नहीं रहने के बाद भी भारत की सुरक्षा बनी रहेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा में एक मजबूत अर्थव्यवस्था के महत्व के बारे में उनकी समझ उनके काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। वे उन सभी रणनीतिक निर्णयों में शामिल रहे हैं, जो भारत के आर्थिक हितों की रक्षा करते हैं और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में देश को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। समकालीन समय में, डोभाल ने भारत की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों का भी नेतृत्व किया है। उन्होंने इस क्षेत्र में सुरक्षा का निर्माण करने के लिए काम किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत डिजिटल दुनिया के साथ-साथ भौतिक दुनिया में भी सुरक्षित है। भारत के प्रति उनका समर्पण उनके अथक काम में स्पष्ट है। संकट के समय, वे अक्सर सबसे पहले पहुँचते हैं और सबसे आखिर में जाते हैं। वे राष्ट्रहित और देश को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं। भारत के लिए अजीत डोभाल का योगदान बहुत बड़ा है, जिसमें कूटनीति, सैन्य रणनीति, खुफिया जानकारी और बहुत कुछ सम्मिलित है। हालाँकि उनकी अधिकांश भूमिका पर्दे के पीछे होती है, जो राष्ट्र की सुरक्षा और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है, फिर भी अपने प्रयासों के माध्यम से, उन्होंने भारत की रक्षा सुनिश्चित की है और इसके भविष्य की सुरक्षा और समृद्धि के लिए मजबूत आधारशिला भी स्थापित कर दी है। अजीत डोभाल वास्तव में आधुनिक भारत की सुरक्षात्मक रणनीतिकार के रूप उसकी वास्तविक ताकत हैं, जो देश की सुरक्षा और स्थिरता के पीछे अभेद्य चट्टान की तरह खड़े हैं। देखा जाए, तो अजीत डोभाल भारतीय शांति और सुरक्षा के सजग प्रहरी के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़नेवाले सच्चे राष्ट्रभक्त और राष्ट्र - हितैषी व्यक्तित्व हैं।

(लेखक तुलनात्मक साहित्य में प्रोफेसर हैं और सहारा न्यूज नेटवर्क के पूर्व समूह संपादक हैं।

वीभत्सता की पराकाष्ठा है कोलकाता का रेप-मर्डर कांड

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल के कोलकाता के सरकारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल की ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ वीभत्स रेप एवं हत्या के दिल दहलाने वाले मामले में जैसे जैसे जांच आगे बढ़ रही है, रोजाना नये नये खुलासे हो रहे हैं। इस कांड के पीछे किसी बड़े सरमायेदार या उसके परिजन का हाथ होने की संभावना है। अब इस मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। इस मामले में पीड़िता के माता-पिता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को बताया है कि इस अपराध में उसी कॉलेज के कुछ इंटर्न और डॉक्टर शामिल हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक की सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई मामले की जांच कर रही है। इस वीभत्स कांड की सही जांच के नतीजे बेहद हतप्रभ करने वाले हो सकते हैं क्योंकि इस वारदात के पीछे किसी राजनीतिक कद्दावर मंत्री के पुत्र से लेकर उसकी दोस्त महिला ट्रेनी डाक्टर समेत कुछ सफेदपोश चेहरों के गुनहगार होने की चर्चा चल रही हैं। जांच में इनके बेनकाब होने की उम्मीद बनी है। कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और रेप के मामले को लेकर देश भर में आक्रोश है और इसके विरोध में निरंतर प्रदर्शन किए जा रहे है। सीबीआई की टीम ने इस मामले में पूछताछ के लिए आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल को बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में कुछ जानकारी मिली है। अब कोलकाता रेप-मर्डर केस में सीबीआई किसी बड़ी साजिश की भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने 30 से 35 लोगों की एक लिस्ट तैयार की है। ये लोग मृतका के दोस्त हैं, जिनके नाम उसके परिवार ने सीबीआई को दिए हैं। सीबीआई अस्पताल के कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट को समन कर रही है। सीबीआई के रडार पर अस्पताल के कुछ गार्ड और कोलकाता पुलिस के सुरक्षाकर्मी भी हैं। सीबीआई को आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में भी कुछ जानकारी मिली है। सूत्रों के मुताबिक, मृतका के परिवार वालों ने इस वारदात में कुछ और लोगों के शामिल होने का शक जताया है। सीबीआई इसे बड़ी साजिश मानकर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सीबीआई बीते दिनों में दस से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है जिसमे पीड़िता का परिवार भी शामिल है। सीबीआई अस्पताल के कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट को भी सम्मन जारी कर रही है। सीबीआई ने वारदात की जगह पर आरोपी के साथ सीन रीक्रिएट भी किया है, मसलन आरोपी के कोलकाता पुलिस और सीबीआई को दिए बयानों की पुष्टि की। सीबीआई को दिए गए अपने बयानों में मृतका के परिवार वालों ने कुछ डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स के नाम बताए, जिनके सीबीआई बयान दर्ज करेगी। सीबीआई की टीम इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं अस्पताल में किसी तरह की कोई गैरकानूनी गतिविधियां तो नहीं चल रही थी, जिसका कनेक्शन इस वारदात से हो। दूसरी ओर बताया जाता है कि कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में एक लेडी डॉक्टर ने सनसनीखेज दावा किया है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर ने दावा किया है कि ट्रेनी डॉक्टर के साथ पहले मारपीट की गई, फिर उसका रेप कराया गया। मारने वालों में एक लड़की भी शामिल थी। आरोप है कि इस पूरी साजिश में कॉलेज के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। कोलकाता रेप-मर्डर की गुत्थी उलझती जा रही है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है, हालांकि जिस तरह से मामले में खुलासे हो रहे हैं, उससे ये अंदाजा लगाना मुश्किल है कि अभी इस मामले में कितनी और परतें खुलेंगी। दो डॉक्टरों के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद अब एक लेडी डॉक्टर का ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें उसने ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के लिए मेडिकल कॉलेज के स्टाफ पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉक्टर का दावा है कि इस घटना को पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दिया गया। जिस सेमिनार हॉल में घटना घटी उसमें कई सीनियर पीजीटी और अन्य लोग आराम के लिए जाते थे। उस दिन उसे अकेले ही सोने के लिए कहा गया था। जानबूझकर उसे अकेला रखा गया। किसी को जाने नहीं दिया गया। कहा गया कि कमरे में आज काम होगा। चार लोगों ने उसके साथ खाना खाया। इनमें एक लड़की भी थी। आप सोचें कि वह कैसी लड़की थीङ्गसेमिनार हॉल में जब खाना खाया जा रहा था तब झगड़ा हुआ। इसके बाद वह लड़की धमकी देकर चली गई। उसके बाद साथियों ने जाकर शराब पी और फिर वापस आकर हमला किया। दो लोगों ने उसके दोनों हाथ पकड़े। इंटर्न लड़की ने भी उसकी मदद की। उसे जोर से खींचकर पटका। जोर से पटकने की वजह से ट्रेनी डॉक्टर का पेल्विक बोन टूटा, फिर कॉलर बोन टूट गया। इसके बाद वीभत्स अत्याचार किए गए। उसे उलटा किया गया। उसकी पीठ पर चले, सिर पर मारा, इससे उसका स्क्ल्पचर वगैरह टूट गया। इसके बाद गला दबाकर उसकी जान ले ली। वायरल ऑडियो में लेडी डॉक्टर ने दावा किया है कि जब ट्रेनी डॉक्टर को मारने के बाद ये लोग बाहर निकले तो इन्होंने देखा कि नीचे आरोपी संजय शराब पी रहा है। ये लोग जानते थे कि उसका खराब लोगों के साथ मेल जोल था। वह वेश्या वगैरह के पास भी जाता था। ऐसे में उससे कहा गया कि सेमिनार रूम में तुम्हारे लिए कुछ रखकर आए हैं.. जाकर तुम काम कर आओ.. इसके बाद उसने डेड बॉडी से रेप किया. बाथरूम में हाथ धोए, उस दिन सबूत मिटाने के लिए दीवार को तोड़ दिया गया.. बाथरूम की जगह को ही तोड़ा गया, कहा गया कि वहां रूम बनाएंगे। वहीं 15 अगस्त की पूर्व मध्य रात्रि को जिस तरह शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे डाक्टरों, छात्रों और अन्य लोगों के बीच अचानक कुछ सौ लोगों की भीड़ ने आरजी कर अस्पताल में घुसकर तोड़ फोड़ की और घटना स्थल से तोडफोड़ कर सबूत मिटाने की कोशिश की और पुलिस रोक टोक के लिए अराजक भीड़ के सामने नहीं आई। इससे भी लगता है कि इस रेप मर्डर केस में कुछ सफेदपोश बड़े लोग भी शामिल है जो अपनी ताकत और दबंगई के बूते पर सबूत मिटाने के लिए कुछ भी करने पर आमादा है। उधर कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में एक डायरी सामने आई है। ये डायरी ट्रेनी डॉक्टर की ही है। डायरी में ट्रेनी डॉक्टर ने खुद से जुड़ी कई बातों का जिक्र किया था।

> **कोलकाता में महिला ट्रेनी डॉक्टर की हत्या और रेप के मामले को लेकर देश भर में आक्रोश है और इसके विरोध में निरंतर प्रदर्शन किए जा रहे है। सीबीआई की टीम ने इस मामले में पूछताछ के लिए आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल को बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई को पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के बारे में कुछ जानकारी मिली है। अब कोलकाता रेप-मर्डर केस में सीबीआई किसी बड़ी साजिश की भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने 30 से 35 लोगों की एक लिस्ट तैयार की है।**

पाक से एक कदम पीछे क्यों रह गया भारत

योगेन्द्र योगी

भुखमरी-गरीबी और आतंकवाद का शिकार पाकिस्तान 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक तालिका में आगे रह कर भारत को शर्मिंदा कर गया। देश की एक अरब 40 करोड़ की आबादी और खिलाड़ियों पर 4 अरब 70 करोड़ रुपए खर्च करने के बावजूद भारत एक स्वर्ण पदक तक हासिल नहीं कर सका। भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करके पाकिस्तान ओलंपिक की सूची में भारत से आगे निकल गया। खेलों में भारत का बेहद निराशाजनक प्रदर्शन बताता है कि सिर्फ जीडीपी में पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से इस दिशा में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खेलों में संसाधनों के साथ खेल संस्कृति का जज्बा जरूरी है। पाकिस्तान ही नहीं, अफ्रीकां के ऐसे देश, जो दशकों से घरेलू युद्ध का बेहद गरीबी में सामना कर रहे हैं, वे भी ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेलों के आयोजन में भारत को पछाड़ गए। भारतीय टीम से उम्मीद की गई थी कि वो टोक्यो ओलंपिक से अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम पिछले ओलंपिक से एक मेडल कम रह गई। टोक्यो ओलंपिक में एक मेडल के मुकाबले पेरिस में 6 मेडल आए हैं। इसमें 5 ब्रांज और एक सिल्वर है। सिल्वर मेडल नीरज चोपड़ा ने जीता। केंद्र सरकार ने ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों पर अरबों पर रुपए खर्च किए थे, लेकिन उसका परिणाम सुखद नहीं रहा है। पेरिस ओलंपिक में भारत की तरफ से 16 खेलों में 117 एथलीट गए थे। इस पर भारत सरकार ने कुल 470 करोड़ रुपए खर्च किए थे। एथलेटिक्स के अलग-अलग खेलों के लिए कुल 96.08 करोड़ रुपए जारी किए गए थे। बैडमिंटन पर 72.03 करोड़, बॉक्सिंग पर 60.93 करोड़, शूटिंग 60.42 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। हॉकी पर 41.3 करोड़ और रेसलिंग पर 37.8 करोड़, आर्चरी में 39.18 करोड़ खर्च हुए थे। इसके अलावा वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, नौकायन जैसे खेलों पर भी करोड़ों खर्च हुए थे। औसतन एक मेडल के लिए सरकार को 78 करोड़ खर्च करने पड़े। भारत के लिए नीरज चोपड़ा ने जैवलिन में सिल्वर, मनु भाकर और सरबजीत सिंह ने शूटिंग में ब्रांज, भारतीय हॉकी टीम ने ब्रांज, अमन सहरावत ने कुश्ती में ब्रांज जीता। मनु भाकर ने 2 ब्रांज मेडल जीते थे। दूसरी तरफ भारत के पड़ोसी पाकिस्तान ने सिर्फ एक ही गोल्ड मेडल जीता है। लेकिन वह भारत से मेडल टैली में आगे निकल गया है, क्योंकि मेडल टैली में उसे ऊपर रखा जाता है, जो स्वर्ण पदक जीतता है।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में कोई भी स्वर्ण पदक नहीं जीता है, जबकि पाकिस्तान के एक गोल्ड जीतते ही लॉटरी लग गई है। पेरिस ओलंपिक 2024 की मेडल टैली में भारत 71वें नंबर पर है, तो वहीं पाकिस्तान 62वें नंबर पर मौजूद है। हर विश्व चैंपियनशिप के दौरान भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई सवाल पूछे जाते हैं। हमारी टीमें अक्सर गुस्साए और निराश दर्शकों के सामने लौटती हैं और हम अपने मेहनती खिलाड़ियों पर भी अपनी निराशा व्यक्त करते हैं। खेलों में भारत की दुर्दशा का आलम यह है कि हॉकी के अलावा अन्य टीम वाले खेलों में भारत का विश्व स्तर पर अता-पता तक नहीं है। इसमें महिला टीम के खेलों की हालत और भी ज्यादा शोचनीय है। देश में खेल के लिए पर्याप्त वातावरण नहीं होने के अलावा लैंगिक भेदभाव भी खेलों में भारतीय महिलाओं के पिछड़े की प्रमुख वजह है। भारत के ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन का कारण भारत की विश्व स्तर पर खराब रैंकिंग भी है। भारतीय टेनिस टीम विश्व में 23वें स्थान पर है। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम 127 देशों में से 34वें स्थान पर है। भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम 113 खेलने वाले देशों में से 100वें स्थान पर है। भारतीय बास्केटबॉल टीम 85 देशों में से 61वें स्थान पर है। नवीनतम फीबा रैंकिंग रिपोर्ट में हमारी रग्बी टीम 102 खेलने वाले देशों में से 74वें स्थान पर है। सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी आबादी, क्षेत्रफल और अर्थव्यवस्था वाले देश की हालत खेलों के प्रदर्शन में इतनी खराब कैसे है। खेलों की सुविधाओं में निवेश करने की भी जरूरत है। चीन ने ऐसा किया और कमाल का प्रदर्शन किया। ब्रिटेन ने ऐसा किया और लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि ने भी यही किया। जाहिर है कि अमेरिका के पास निवेश और एक बड़ी आबादी है जो कई ओलंपिक खेलों के लिए जुनूनी है, इसलिए उनका सामान्य प्रभुत्व है। लेकिन केन्या और इथियोपिया या जमैका जैसे देशों को देखें और जिस तरह से वे आर्थिक रूप से शक्तिशाली न होते हुए भी लगातार विशेष खेलों में विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने में सक्षम रहे हैं। इसका कारण यह है कि उनके पास उन प्रतियोगिताओं में भाग लेने की परंपरा है और उन देशों के बच्चे शायद वहां के लोगों को अपना आदर्श मानते हुए बड़े होते हैं जिन्होंने ओलंपिक खेलों में भाग लिया है और जीत हासिल की है। भारतीय मानसिकता खेलों में खर्च करने के खिलाफ रही है, वह चाहे सरकारी स्तर पर हो या पारिवारिक स्तर पर। इसे व्यर्थ का गैरउत्पादक निवेश माना जाता है। चीनी टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन, जिसने हाल ही में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता है, ने टेनिस खेलना शुरू करने के बाद से अब तक 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक खर्च कर दिए हैं। 2.8 मिलियन डॉलर एक चीनी परिवार के लिए कोई छोटी रकम नहीं है, भारतीय परिवार की तो बात ही छोड़िए। यहां तक कि अनुभवी एथलीटों के लिए भी प्रतियोगिता में पुरस्कार राशि जीतने की 100 प्रतिशत गारंटी नहीं होती। चीनी मीडिया का दावा है कि भारत में लडकों को खेलों के बजाय डॉक्टर और इंजीनियर बनाने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। वहीं चीन में 3 से ज्यादा की उम्र के बच्चे बेहद कड़ी ट्रेनिंग से गुजरते हैं। इस तकलीफ को सहकर ही वे चैम्पियन बनने की कला सीखते हैं। चीन के पास एक तय स्पोर्ट्स ट्रेनिंग स्कूलों का मॉडल है जिसके जरिए उसका पैसा ट्रेनिंग पर ही खर्च होता है और चूंकि चीन खेलों पर अपने खर्चे के हिसाब से अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में पदक ले आता है, तो वह अपने मॉडल को तुलनात्मक रूप से सफल मानता है। चीन ओलंपिक खेलों की मेडल टैली में लगातार अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंदी अमेरिका को पछाड़ कर नंबर वन होने की कोशिश करता रहा है। चीन ने अपने देश के अंदर बहुत बड़ा स्पोर्ट्स ट्रेनिंग स्कूलों का मॉडल खड़ा कर रखा है, जिसके जरिए वह अच्छे एथलीट्स तैयार करता है। भारत में हर बच्चा किसी पॉप स्टार, किसी फिल्म स्टार या किसी अन्य सेलिब्रिटी को अपना आदर्श मानता है। इस सूची में खेलों में सिर्फ क्रिकेट शामिल है, जोकि बेहद महंगा होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय खेल नहीं है। क्रिकेट एशियाई और ओलंपिक में शामिल नहीं है। युवा यदि थोड़ा-बहुत खेलों के प्रति आकर्षित हैं भी तो क्रिकेट की तरफ। ऐसा क्रिकेट में ग्लैमर और पैसा होने के कारण है। ओलंपिक या किसी भी विश्वस्तरीय खेल प्रतियोगिता में भारत को सफल होने के लिए कड़ी मेहनत और दूरगामी नीति की जरूरत है। भारत में खेलों की स्थिति रातों-रात नहीं बदलेगी। हालांकि, हममें से प्रत्येक द्वारा उठाए गए छोटे-छोटे कदम हमें उस बिंदु तक ले जाएंगे जहां हम अंततः सुधार देखना शुरू कर देंगे। भारत में खेलों की संस्कृति का निर्माण करना और भारत के नवजात खेल परिदृश्य को ऊपर उठाने की जरूरत है। यह जरूरी नहीं है कि हर बच्चा महान खिलाड़ी ही बने। फिर भी यह उनके मन में खेल के बारे में सकारात्मक धारणा बनाने में काफी मददगार साबित होगा।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस पर थाने में हुआ पौधरोपण

चनपटिया(ए. के.सिंह)।आन बान शान से तिरंगा फहराया लहराने के उपरांत स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सिरसिया थाना परिसर में दर्जनों भर पौधरोपण पुलिस तथा जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से किया ।पौधा रोपण कार्यक्रम में थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी,अपर थानाध्यक्ष कारवेन्द्र पासवान प्रशिक्षु दरोगा राकेश कुमार सरपंच चन्द्र शेखर तिवारी संवेदक विजय तिवारी,पुर्व उप सरपंच चन्द्रशेखर सिंह उर्फ.मुन्ना सिंह,व थाने की सभी पुलिसकर्मी समेत कई समाजसेवी ने पौधा रोपण किया।

आज सुबह आयोजित होगी दूसरी निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण

बेतिया(कुमार अभिजितम) ।चंपारण शतरंज अकादमी के द्वारा 18 अगस्त जरविवार को चंपारण शतरंज अकादेमी के सभागार में निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण का शुरूवात आयोजित किया जाएगा । इस निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण की शुरूआत सुबह 9:00 से 11:00 बजे तक चलेगा उसके बाद सभी खिलाडियों अपने साथ मैच खेल कर अभ्यास करेंगे! निःशुल्क शतरंज सिखाने का कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ी सह प्रशिक्षक शाहिद हुसैन के द्वारा किया जाएगा! दूसरी निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण की शुरूआत रोटी बैंक बेतिया ट्रस्ट के टीम के द्वारा शतरंज का चाल चलकर प्रशिक्षण की शुरूआत किया जाएगा!

जदयू प्रदेश अध्यक्ष का कार्यक्रम 18 को

छपरा कार्यालय। जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू के हवाले से जिला प्रवक्ता मोहम्मद फिरोज ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष जद(यू०) बिहार उमेश सिंह कुशवाहा दिनांक 18 अगस्त को पटना स्थित आवास से 9:30 बजे सुबह प्रस्थान करेंगे 9:40 बजे बजरंग चौक 9:55 बजे सीतालपुर बाईपास 10:25 गड़खा 10:35 बजे मेहिया फलाईओभर के नीचे से मेथवलिया 10:50 बजे कोपा होते हुए समय 11: बजे दिन में राजकुमार कुशवाहा के आटा मिल का उद्घाटन जलालपुर प्रखण्ड अंतर्गत (कोपा)अनवल बजार पर करेंगे प्रदेश अध्यक्ष का जिला के विभिन्न स्थलों पर सम्मानित समर्पित जद (यू०) कार्यकर्ता साथियों के द्वारा स्वागत किया जाएगा साथ ही साथ आटा मिल उद्घाटन समारोह में कार्यक्रता साथि सम्मिलित रहेंगे ।

कोपा में चार घंटा बंद रहा रेलवे फाटक आने जाने वाले लोगो को हुई परेशानी

कोपा / छपरा सिवान रेल खण्ड पर कोपा समहोता दाउदपुर स्टेशन के बीच ट्रैक मरमती को लेकर रेलवे समपार संख्या-56 चार घंटा बंद रहा।आपको बताते चले कि आठ तीस से बारह तीस तक रेलवे ट्रैक मरमती को लेकर रेलवे प्रसासन द्वारा बिना सूचना के ही लागातार चार घंटा समपार बंद होने से आने जाने वाले लोगो के साथ साथ स्कूल वाहनो को काफी परेशानी हुई।

नहर बाध को गंडक विभाग के द्वारा कराया गया मरम्मती

कोपा ।जलालपुर प्रखण्ड के कोपा नगर पंचायत के कोपा समहोता स्टेशन रोड में बरदाहा पुल के समीप टूटे गंडक बाध को गंडक विभाग के एसडीओ रत्नेश कुमार के निर्देश पर शनिवार को आधा दर्जन मजदूरों द्वारा बोरे में मिट्टी भर कर छतिग्रस्त नहर बाध मरमती का कार्य चालू कर दिया गया।आपको बताते चले कि बाध छतिग्रस्त की खबर सुनते ही कोपा कार्यपालक पदाधिकारी किशोर कुणाल जलालपुर अंचल पदाधिकारी अभीनाश कुमार कोपा चेयरमैन प्रतिनिधि बुस्तामी खा उपचेयरमैन प्रतिनिधि राहुल सिंह ने स्थल निरीक्षण कर गंडक विभाग को सूचना दिया था।

भेंट किया गया पौधा

छपरा कार्यालय। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी शाखा छपरा द्वारा सारण समाहरणालय स्थित जिला पदाधिकारी के कार्यालय , सभागार भवन, एसपी ऑफिस तथा ऐडी एम ऑफिस के गेट पर ऐरिका पाम लगे हुए बीस गमले, छपरा को हरा भरा बनाने के प्रतीक के रूप में भेंट किए। उक्त अवसर पर अमनौर विधायक माननीय मंटू सिंह जी, सचिव जीनत मसीह कोषाध्यक्ष सुरेश प्र० सिंह, हरेन्द्र सिंह, डा शहजाद आलम, अमरेद्र सिंह गिरी जी तथा भूवनेश्वर इत्यादि उपस्थित थे।

7.41 करोड़ लागत वाली मुक्तिधाम निर्माण की 30 योजना स्वीकृत :गरिमा

योजना पूरी होने के बाद जहां तहां और अव्यवस्थित अंतिम संस्कार से नगर निगम क्षेत्र के लोगों को मिलेगा छुटकारा

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।बेतिया नगर निगम क्षेत्र अन्तर्गत मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी की 7.41 करोड़ लागत वाली कुल 30 योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इन योजनाओं के पूरा हो जाने के बाद जहां तहां और अव्यवस्थित अंतिम संस्कार से लोगों को छुटकारा मिल जाएगा। महापौर श्रीमती सिकारिया शनिवार को वार्ड 37 बरवत पसराईन में करीब 14.91 लाख से मुक्ति धाम निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद इसकी जानकारी दे रहीं थीं। उन्होंने बताया कि नगर निगम के वार्ड 27 के मैनाटाड़ रोड में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण दी गई है। वही वार्ड 27 के हजमा टोला में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण को स्वीकृति दी गई है। वार्ड 28 में ओपी थाना के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण को स्वीकृति देना शामिल है। वार्ड 29 बानु छापर के यादव टोली में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण।वार्ड 33 पावर ग्रीड के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण स्वीकृत हुआ है। वार्ड 33 में नवका हत्ता ग्रीड के पीछे करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण कार्य शामिल है। वार्ड 33 में पोखर भिण्डा में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण शामिल है। इसी प्रकार वार्ड 34 रामपुर गनौली में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण को स्वीकृति दी गई है। वार्ड 34 गनौली मुसहर टोली के बगल में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण स्वीकृति दी गई है। वार्ड 35 लोहार पट्टी में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी का निर्माण को स्वीकृति दी गई है। वही वार्ड 35 बेलदारी में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण।वार्ड 36 में बैराठ माई स्थान वाली रोड के बगल में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण।वार्ड 38 में बरवत सेना बुढ़वा पुल के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण शामिल है। वार्ड 38 बरवत लच्छु में करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण को स्वीकृति दी गई है।वार्ड 39 में करीब 15 लाख से हरदिया बड़ी नहर के पास मुक्तिधाम एवं प्लेटफार्म का निर्माण स्वीकृति मिली है।वार्ड 40 नवका टोला बड़ी नहर के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं प्लेटफार्म का निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ है। वही वार्ड 41 सरइया बड़ी नहर के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं प्लेटफार्म का निर्माण।वार्ड 42 परवतिया नवका टोला बड़ी नहर के पास भी करीब 15 लाख से मुक्तिधाम का निर्माण शामिल है। वार्ड 43 रानी पकड़ी गुलरिया माई स्थान के पास भी 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण शामिल है। वार्ड 43 निमिया माईस्थान के पास में15 लाख की लागत से मुक्तिधाम प्लेटफार्म निर्माण शामिल है। वार्ड 43 में कोहड़ा नदी के किनारे भी 15 लाख से मुक्तिधाम एवं प्लेटफार्म निर्माण शामिल है।वार्ड 43 घुरौआ पुल के पास करीब 15 लाख से मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी निर्माण को स्वीकृति मिली है। 24 वार्ड 44 में भी करीब 15 लाख से पिपरा पकड़ी में मुक्तिधाम एवं चहारदिवारी का निर्माण कार्य शामिल है।15 लाख की लागत से स्वीकृति दी गई है। वही वार्ड 45 में खैरी टोला बड़ी नहर के पास मुक्तिधाम एवं प्लेटफार्म का निर्माण कार्य जिसकी प्राक्कलित राशि-15 लाख है। नगर निगम अन्तर्गत वार्ड 38 में करीब 15 लाख की लागत से मुक्तिनाथ का जीर्णोद्धार कार्य शामिल है। वही वार्ड 02 में तूफानी घाट शवदाह ग्रह निर्माण 13.54 लाख से और वार्ड 02 में स्थित जमुनिया घाट के समीप 13.09 लाख से शवदाह गृह का निर्माण हो रहा है।

संत घाट में 39 लाख से भी अधिक की लागत से स्वीकृत मुक्ति घाट मुक्ति धाम का निर्माण कार्य का निविदा प्रक्रियाधिन है। इसके अलावा 2.86 करोड़ की लागत से बसवरिया जगदम्बानगर में विद्युत शवदाह गृह का निर्माण कार्य हो रहा है। मौके पर कनीय अभियंता मनीष कुमार और वार्ड पार्षद शैलेश कुमार मौजूद रहे।

पीड़ित परिवार से मिलकर मंत्री जनक राम ने साढ़े 4 लाख की राशि देकर मदद की

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा में जहाँ मारपीट की घटना में हुए विकास मित्र की मौत के बाद शुक्रवार को उनके परिजनों से मिलने बिहार सरकार के मंत्री जनक राम पहुँचे। जिलें के प्रभारी मंत्री जनक राम ने छट्ठू राम के आश्रितों को करीब साढ़े चार लाख की सरकारी राशि बतौर मदद दिये जाने की जानकारी दीं। जो उनकी पत्नी के खाते में हस्तानंतरित भी कर दिया गया है।दरअसल एक अगस्त को नगर के वार्ड नं 16 पारस नगर में हुईं मारपीट की घटना में जख़्मी विकास मित्र की इलाज के दौरान 5 अगस्त को यूपी के गोरखपुर में मौत हो गईं थी जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने शव लाकर बगहा में बवाल काटा था। हालांकि पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई तेज कर दिया है। बावजूद इसके मृतक के आश्रित को बिहार सरकार अब सरकारी नौकरी देगी और पत्नी को पेंशन मिलेगा । इसकी जानकारी एसी- एसटी कल्याण मंत्री और पश्चिम चम्पारण जिला के प्रभारी मंत्री जनक राम ने दी है।

तेंदुए ने रिहायशी इलाके में बछड़े का शिकार किया ग्रामीण सहमे

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। बगहा के रामनगर प्रखंड के गुदगुदी गांव में बीती रात्रि वीटीआर जंगल से बाहर निकल तेंदुआ ने गाय के बछड़े का शिकार किया। रिहायशी इलाके कि इस घटना के बाद स्थानीय लोग डर से सहम गए हैं । हालांकि सूचना के बाद मौके पर पहुंचे चिउटाहा रेंज के वनकर्मी तेंदुआ के पग मार्ग की पहचान करने में जुटे हुए हैं। इस घटना के बारे में वीटीआर के वनपाल अंशु कुमार ने बताया है की तेंदुआ का पग मार्ग है । जिसके ट्रैकिंग में वन विभाग कि टीम जुटी है। घटना स्थल पर एक टीम मौजूद रहेगी जो तेंदुआ कि निगरानी करेगी ताकि कोई बड़ी घटना न हो, वन विभाग कि कोशिश है कि फिर किसी जान माल का नुकसान न हो लिहाजा वनकर्मी पहरेदारी कर रहे हैं। वहीं पीड़ित किसान समेत मुखिया ने वन विभाग प्रशासन से मुआवजे का मांग किया है जिसकी क्वायद में अधिकारी जुटे हुए हैं।

पश्चिम बंगाल में हुए डबल मर्डर मामले में बिहार मांग रहा इंसाफ परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। पश्चिम बंगाल में हुए डबल मर्डर मामले में आज बिहार इंसाफ मांग रहा है। मृत मेधावी छात्रों के परिजन सरकार से पहल कर उन्हें न्याय दिलाने की गुहार लगा रहे है। क्योंकि अब अंशु व अनिमेष ये दो बिहारी लाल जिन्दा नहीं हैं, लेकिन उनकी आत्मा भटक रही है और कोलकाता की तारातल्ला थाना पुलिस की कार्रवाई पर परिजनों ने सवाल खड़े किये हैं। लिहाजा पीड़ित परिवार ने मामले में सरकार से हस्तक्षेप कर घटना की उच्च स्तरीय जाँच करवाकर उन्हें न्याय दिलाने की मांग किया है । इधर रामनगर की बीजेपी विधायक पद्मश्री भागीरथी देवी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय दिलवाने की अपील की है ताकि फिर किसी बिहारी छात्र के साथ ऐसी वारदात न हो । हालांकि इसके लिए विधायक ने सदन में भी आवाज उठाई है। दूसरी ओर इस मामले में केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे ने कहा है की पश्चिम बंगाल में ममता की सरकार महज मुखौटा है वहां गुंडों का राज है जब लोकल लोग महफूज नहीं हैं तो वहां बिहारी और बाहरी कैसे सुरक्षित रहेंगें । दरअसल इंडियन मैरिटाइन यूनिवर्सिटी कोलकाता में बिहार के इन दो मेधावी छात्रों अंशु कुमार श्रीवास्तव और अनिमेष राज की हत्या कर शव को कैंप्स स्थित पोखरा में फेंक दिया गया था। घटना 5 मई 2017 की है जब रामनगर निवासी अंशु व पटना निवासी अनिमेष के दोस्तों ने साजिश कर उन्हें हॉस्टल से बाहर बुलाकर तालाब किनारे लें गए फिर उनके साथ बुरी तरह मारपीट की बाद में उन्हें मौत के घाट उतार कर आरोपियों ने खुद तारातल्ला थाने की पुलिस को घटना की सूचना दीं थी । घटना की सूचना पर पश्चिम बंगाल पहुँचे परिजनों ने 6 मई को अंशु व अनिमेष के साथियों द्वारा मारपीट कर तालाब में डुबो कर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया । लेकिन अनुसन्धान में पुलिस ने लीपापोती कर कॉलेज प्रबंधन के प्रभाव में आकर साक्ष्य जुटाने के बजाए साक्ष्य मिटा दिया है यहाँ तक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी गड़बड़ कर दिये जाने का आरोप लगा है।बताया जा रहा है की बिहार के पश्चिम चम्पारण जिला अंतर्गत रामनगर निवासी अंशु कुमार श्रीवास्तव और राजधानी पटना निवासी अनिमेष कुमार राज ने उस वक़्त मैरिन इंजिनियरिंग के सेमेस्टर 3 में अव्वल नंबर से शीर्ष स्थान हासिल किया था जिसको लेकर यूनिवर्सिटी द्वारा दोनों बिहारी छात्रों को 50-50 हजार के रीवार्ड भी मिले थे जिसका मलाल बंगाली छात्रों के साथ साथ इनके दोस्तों को था। यही वजह है की इनके साथियों ने धोखे से बुलाकर पहले मारपीट किया फिर तालाब में डुबो दिया और बड़ी हीं चालाकी से पुलिस बुला दी।

कादीपुर पंचायत भवन में ग्रामसभा कर भू धारियों को दी गई जानकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

नगरा। प्रखंड क्षेत्र के कादीपुर पंचायत भवन में शनिवार को राजस्व ग्रामों में जमीन का सर्वे सबंधित रैयतो ,भूधारियो को जानकारी देने के उद्देश्य से ग्राम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम सभा का आयोजन में पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार मिश्रा ,सरपंच तमन्ना आलम सहित विभिन्न गांव से पहुंचे भू धारियों को अधिकारीयो ने जानकारी दी,वहीं भूमि सुधार विभाग के नगरा प्रखंड के पदाधिकारी विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोवस्त पदाधिकारी ने बताया की सभा का आयोजन कर सभी को जानकारी दी जा रही है साथ ही क्षेत्र के लोगो के बीच रैयतों को भू सर्वेक्षण से सबंधित जानकारी प्रदान की गई है ,इस ग्राम सभा के आयोजन के मौके पर विशेष सर्वेक्षण सहायक बंदोवस्त पदाधिकारी खालिद रशीद मल्की,विशेष सर्वेक्षण कानूनगो सुभाष सिंह ,अमीन निरंजन कुमार ,राहुल कुमार ,गोल्डन कुमार ,रजनीश कुमार ,विवेक कुमार ,अमित कुमार ,एवं भूमि सुधार विभाग के पदाधिकारी एवम कर्मी,पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि संजय कुमार मिश्रा ,सरपंच तमन्ना आलम ,वार्ड सदस्य प्रतिनिधि सहित अन्य दर्जनों भूधारी मौजूद थे।

नगरा के झोपड़ीनुमा घर में आग से युवक गंभीर रूप से घायल, 80 हजार नकद सहित लाखों की संपत्ति राख

प्रात : किरण, संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के नगरा पंचायत अंतर्गत अरवा गांव के पूरब टोला में बीती रात शॉर्ट सर्किट से झोपड़ीनुमा घर में आग लग गई, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई।घर के गृहस्वामी रामेश्वर भगत के अनुसार उनका 25 वर्षीय पुत्र मुन्ना कुमार इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।मुन्ना कुमार बाहर से दो दिन पहले घर लौटे थे,सभी लोग खाना खाकर सो गए थे तभी अचानक आग लग गई,उसी आग की चपेट में आ गए झुलस गए।आग में दो साइकिल, एक पलंग, दो चौकियाँ, गैस चूल्हा,और 80 हजार रुपये नकद सहित सारा सामान नष्ट हो गया।स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन दमकल गाड़ी के देर से पहुंचने के कारण नुकसान बढ़ गया।फिलहाल, मुन्ना का इलाज सदर अस्पताल छपरा में चल रहा है।वहीं इस संबंध ने नगरा के सीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है.

बाबा नगरिया से कार्यक्रम में सारण की प्रीति- कृति बहनों के गीतों का प्रसारण कल

प्रात : किरण, संवाददाता

रसूलपुर।सावन की अंतिम सोमवारी 19 अगस्त को ह्यबाबा नगरिया से ह्य कार्यक्रम में सारण की बाल कलाकार गायिकायें प्रीति- कृति बहनें भी गाते हुए दिखेंगी। साथ ही जिले के गायक रामेश्वर गोप भी गायन प्रस्तुत करते हुए दिखेंगे।न्यूज 18 बिहार झारखंड चैनल पर सुबह 7:30 बजे प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में गायक गोप के अलावे सारण की ही बाल कलाकार प्रीति- कृति बहनें भी अपनी सुमधुर आवाज में शिवभजन गायेंगी। मुकेश मिश्र के निर्देशन में बैजनाथ धाम देवघर केन्द्रित तैयार कार्यक्रम में गायक गोप बिरहिया आवाज में सावन में भोले बाबा के दया खूबे बरसे स्व रचित भजन गायेंगे तो इन्हीं की रचित शिव भजन बोल बोल बम लोग बोल ... गीत को प्रीति -कृति गाते हुए दिखेंगी।इसके अलावे बिहार के प्रसिद्ध कलाकार ,अंजली भारद्वाज, सत्येन्द्र संगीत, खुशबू उत्तम आदि गायक गायिका भी भगवान शिव का भजन प्रस्तुत करेंगे।

सनातनियों ने निकाला कैंडिल मार्च

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय।सारण के सनातनियों द्वारा बंग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में छपरा शहर में कैंडिल मार्च निकाला गया। कैंडिल मार्च में सैकड़ो सनातनियों ने हिस्सा लिया। सनातनी श्याम बिहारी अग्रवाल ने बंग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की भर्त्सना की तथा कहा बंग्लादेश में हिन्दु अल्पसंख्यक है इसलिए उनपर अत्याचार हो रहा है जो अशोभनीय है। बंग्लादेश की सरकार तथा वहाँ के सैनिको को हिन्दुओं के उपर हो रहे बर्बरतापूर्ण हमले को रोकना चाहिए तथा उन्हें सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। विश्व में वसुधैव-कुटुंबकम और सर्वे भवन्त सुखिनः का सन्देश के आधार पर अमन-चैन स्थापित करना चाहिए। वहीं सनातनी अमरेन्द्र कुमार सिंह ने कहा बंग्लादेश के अल्पसंख्यक हिन्दुओं की रक्षा करना वहाँ की सरकार तथा मिलिट्री का दायित्व है जो उपद्रवियों को प्रोत्साहन दे रहे है यह कहीं से भी नैतिकता नहीं है। सनातनी चन्द्र प्रकाश राज ने कैंडल मार्च करते हुए कहा बंग्लादेश पर भारत सरकार को दबाव बनाना चाहिए जिससे वहाँ रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दु अमन-चैन से रह सके। कैंडिल मार्च में अमरेंद्र कुमार सिंह, श्याम बिहारी अग्रवाल, चन्द्र प्रकाश राज, शत्रुघ्न प्रसाद गुप्त, राजेश कुमार, शशिभूषण प्रसाद, हिमान्शु किशोर, अरूण कुमार सिंह, पंकज कुमार सिंह, बिकेश बिहारी, मुकेश कुमार शर्मा, भवानी सिंह राणा, विनित सिंह राणा, पंकज पासवान, रवि कुमार, निरज यादव, सुभाष ओझा, रौशन कुमार, शेमल सिंह, राहुल सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, अमोद सहाय, ब्रजेश कुमार सिंह, दिपक कुमार गुप्ता, बबलू सिंह, राजेन्द्र सिंह कुशवाहा, समीर जायसवाल, शिवा सिंह, रजत कुमार सिंह, निकेश कुमार सिंह, प्रभात कुशवाहा आदि उपस्थित हुए।

विद्यार्थियों के पठन पाठन व हर सुख सुविधा के प्रति विवि कृत संकल्पित:कुलपति

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। स्नातकोत्तर भौतिक विभाग में रैगिंग विरोधी सप्ताह के समापन समारोह को संबोधन करते हुए जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोङ्क (डॉङ्क) प्रमेन्द्र कुमार वाजपेयी ने छात्र-छात्राओं से अपील किया कि आप ऐसा कोई भी कार्य न करें जिससे दूसरे को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। आप सब एक दूसरे का सहयोग करें जिससे आप का प्रदेश एवं देश बिकसित भारत @ 2047 को पूरा कर सके। कुलपति ने छात्र-छात्राओं की हर सुविधा के संकल्प को प्रदान करने का आश्वासन दिया एवं उनके नियमित रूप से वर्ग में उपस्थित होने की अपील की। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा रैगिंग विरोधी मार्च निकाला गया जिसे कुलपति ने रवाना किया। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के रैगिंग दस्ता के समन्वयक भौतिक विभाग प्रो० गुणसागर भादव ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए रैगिंग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भौतिक विभागाध्यक्ष प्रो० महेन्द्र सिंह, प्रो० अच्युतानंद सिंह, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० रविन्द्र सिंह, प्रोङ्क कृष्ण कुमार, डॉ० सुनीता कुमारी सिंह, प्रो० अजीत कुमार तिवारी, डा० सची मिश्रा, डॉ० नीतू कुमारी, डॉ० रुचि त्रिपाठी, डॉ० आलोक रंजन तिवारी आदि उपस्थित थे।

उपविकास आयुक्त ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई योजनाओं की समीक्षा

लक्ष्य के अनुरूप सभी बैंकों को उपलब्धि हासिल करने का दिया स्पष्ट निदेश

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री फॉमेलाइजेसन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज योजना के तहत जिला के विभिन्न बैंकों द्वारा वर्त्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) में लाभुकों को ऋण की स्वीकृति दी जा रही। वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में अबतक बैंकों द्वारा पीएमईजीपी के तहत 61 तथा पीएम एफएमई के तहत 98 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। आज उपविकास आयुक्त प्रियंका रानी ने विभागीय पदाधिकारियों एवं विभिन्न बैंकों के उपस्थित प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इन योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। बताया गया कि वर्त्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में पीएम ईजीपी के तहत 496 के लक्ष्य के विरुद्ध विभिन्न बैंकों को 720 आवेदन भेजे गये हैं। इनमें से बैंकों द्वारा अबतक 98 आवेदनों को स्वीकृति दी गई है। पीएम एफएमई के तहत 340 के लक्ष्य के विरुद्ध अबतक 336 आवेदन भेजे गये हैं, जिसमें से 49 आवेदन अबतक स्वीकृत किये गये हैं। उपविकास आयुक्त ने जिला में पदस्थापित सभी उद्योग विस्तार पदाधिकारियों को सम्बद्ध किये गये बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर इन बैंकों में अधिक से अधिक आवेदन भेजने तथा सभी लंबित आवेदनों की निरंतर मोनिटरिंग कर संबंधित बैंक के साथ संवाद करके इनका निष्पादन सुनिश्चित कराने का निदेश दिया गया। सभी बैंकर्स को सरकार की रोजगारपरक योजनाओं में पारदर्शिता एवं उदारता से आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी बैंकों को दिसंबर माह तक दोनों योजनाओं के लिये निर्धारित वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कार्रवाई का निदेश दिया। उपविकास आयुक्त ने कहा कि उनके स्तर से प्रति माह इन योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की जायेगी। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, जिला अग्रणी प्रबंधक, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इसुआपुर अंचल में स्पेशल सर्वे का काम शुरू

प्रात : किरण, संवाददाता

इसुआपुर ।इसुआपुर अंचल के बंदोबस्त पदाधिकारी संजय कुमार के निदेर्शानुसार शनिवार को विशेष सर्वेक्षण सहायक पदाधिकारी संजय भारती के द्वारा तीन पंचायतों इसुआपुर, निपनिया तथा केरवां में ग्राम सभा के माध्यम से स्पेशल सर्वे की जानकारी शिविर लगा कर दी गई। वही बंदोबस्त पदाधिकारी के निर्देशन में सभी व्यक्तियों को सूचित किया गया कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिनियुक्त कोई व्यक्ति ग्राम सीमा भूखंडों की पहचान के लिए प्रवेश कर सकता है तथा पैमाइश के दौरान वृक्षों जंगलों हरे फसलों को हटाने में सहयोग करें। किसी प्रकार का अर्चन या बाधा उत्पन्न नहीं करें। वहीं उपस्थित ग्रामीणों को स्पेशल सर्वे के बारे में बताया व समझाया गया तथा इससे होने वाले फायदे भी बताए गए। वही स्व घोषणा प्रपत्र, वंशावली प्रपत्र, किस्तवार प्रपत्र, खानापूरी प्रपत्र के साथ और प्रपत्रों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं लोगों को स्पेशल सर्वे के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि अब जीवित व्यक्ति के नाम से जमीन का खाता खतियान खुलेगा तथा भौगोलिक मैप बनेगा। यह प्रक्रिया सारे पंचायत में सुचारू रूप से चलाया जाएगा। ताकि सभी लोगो को इसकी जानकारी हो सके। निपनिया पंचायत भवन पर मुखिया प्रतिनिधि पन्नालाल राय तथा अन्य ग्रामीण थे।

कुमना खंडहर मठ छतिग्रस्त मामले में अनवल मुखिया शालनी देवी समेत अन्य पाँच लोगों के खिलाफ कोपा थाने में प्राथमिकी दर्ज

प्रात : किरण, संवाददाता

कोपा / प्रखंड के अनवल पंचायत के साधपुर बल्ली गांव में स्थित कबीर पंथी मठ को क्षतिग्रस्त करना मुखिया समेत अन्य लोगों को महंगा पड़ गया। जलालपुर के अंचल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने जांच एवं स्थल निरीक्षण के बाद शनिवार को अनवल के मुखिया शालिनी देवी,मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र कुशवाहा उर्फ वीरेन जी,साधपुर के रामेश्वर किशोर, मानसर गांव के भगवान यादव,प्रमोद राय,प्रिंस सिंह के खिलाफ कोपा थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दिया।मठ स्थित पुराने भवन को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया था।जिसके बाद मठ के महंथ अनिल भगत ने सारण एसपी को एक सप्ताह पूर्व आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। कोपा थाना क्षेत्र के साधपुर बल्ली गांव में पुराने खंडहर मठ को मुखिया प्रतिनधि बिरेन कुशवाहा द्वारा जेसीबी लगाकर ध्वस्त किया गया। ग्रामीणों को अपने पक्ष में उकसाने का भी कार्य किया गया है।

टीम ने दी जानकारी

प्रात : किरण, संवाददाता

जलालपुर ।स्थानीय अंचल क्षेत्र के माधोपुर पंचायत के जीएस बंगरा में जमीन सर्वे टीम ग्राम सभा में सभी लोगों को कागजातों के विषय में जानकारी दी गई सभा की अध्यक्षता अंचल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने किया । साथ में ग्रामीणों में माधोपुर पंचायत के मुखिया धर्मेंद्र यादव सरपंच अनिल किशोर सिंह बीडीसी अनिल पंडित सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे साथ में सर्वे टीम के असिस्टेंट सेटलमेंट ऑफिसर विनीता कुमारी कानून कलाकार विनोद कुमार अमीन अभिषेक राज रंजीत कुमार शुभम राज पंकज कुमार मनीष कुमार अतुल कुमार इत्यादि ने सर्वे क्या है और सर्वे से क्या लाभ है सभी के विषय में लोगों को जानकारियां दी ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

ममता बनर्जी को सीएम पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं छपरा के भाजपा विधायक ने हमला बोलते हुए मांगा इस्तीफा

बोले विधायक कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आज उन्हें कौन सी ताकत कोलकाता जाने से रोक रही है

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। ममता बनर्जी ने इस घटना के लिए वाम और राम को जिम्मेवार बताया। इससे ममता बनर्जी को हिंदू और भारतीय संस्कृति के प्रति सोच दिखती है। विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और उसके बाद उसकी हत्या के मामले को जिस प्रकार से वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दबाने की कोशिश की है, उसके बाद उन्हें अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांग की है। डॉक्टरो के एकदिवसीय हड़ताल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि ममता बनर्जी अपनी पार्टी के किसी बड़े लीडर या उनके बच्चों को बचाना चाहती है। तभी वहां की पुलिस ने मामले को दबाने की कोशिश की है। सरकार ने पुलिस जांच को सही बताया और जब हाईकोर्ट के फैसले के बाद मामला सीबीआई को चला गया तो अस्पताल में सबूत को मिटने के लिए तोड़फोड़ की गई है। विधायक ने कहा कि ममता बनर्जी इस मामले को राजनीतिक करना चाहती हैं, तभी उन्होंने इस घटना के लिए वाम और राम को जिम्मेवार बताया। इससे ममता बनर्जी को हिंदू और भारतीय संस्कृति के प्रति सोच दिखती है। वह भाजपा का नाम लेतीं लेकिन उन्होंने राम का नाम लिया क्योंकि राम भारत की एक संस्कृति है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए छपरा विधायक ने कहा कि आज उन्हें कौन सी ताकत कोलकाता जाने से रोक रही है।जब हाथरस में घटना होते हैं तो राहुल कहते है कि उन्हें कोई ताकत हाथरस जाने से रोक नहीं सकती है लेकिन अब वो चुप हैं। भाजपा नेता ने कहा कि यह मुद्दा राजनीतिक नहीं बल्कि डॉक्टरों की सुरक्षा व महिला डॉक्टरों की इज्जत से जुड़ा है।

राजस्व कर्मचारी का शराब पीते वीडियो वायरल

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। बिहार में शराबबंदी की पोल उस वक्त खुल गई जब सोशल मीडिया पर एक राजस्व कर्मचारी का शराब पीने का वीडियो वायरल हो गया। वायरल वीडियो भोजपुर जिले के कोइलवर का बताया जा रहा है। कोईलवर अंचल के राजस्व कर्मचारी अनिल कुमार का शराब पीते का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां एक तरफ पूरे बिहार में पूर्ण शराबबंदी है तो वहीं दूसरी ओर बिहार सरकार के मुलाजिम ही खुद शराब पीते नजर आ रहे हैं, और शराबबंदी की पोल खोल रहे हैं। वीडियो में दिख रहे शख़्स का नाम अनिल कुमार है जो कोईलवर अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारी के पद पर तैनात है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि वह अपने साथियों के साथ बैठकर पार्टी कर रहा है और उसके ग्लास में शराब जैसा कुछ है।हालांकि जब इस संबंध में राजस्व कर्मचारी अनिल कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के द्वारा उसे एक दावत में बुलाया गया था जहां मैं गया था और ठंडा पी रहा था। मुझे शक था कि वहां कुछ लोग हैं जो वीडियो बना रहे थे वो वीडियो वायरल करेंगे इसे लेकर मैंने पहले ही कोर्ट में एक कंप्लेंट भी किया है। ये वीडियो एक साल पुराना है जब मैं कोइलवर पावर हाउस के पास रहता था। वही जब इस मामले में कोईलवर की अंचलाधिकारी प्रियंका कुमारी से पूछा गया कि आपका कर्मचारी का शराब पार्टी करते का वीडियो वायरल हो रहा है क्या कहेंगी। पहले तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इंकार किया हालांकि उन्होंने कहा कि हम देख लेते हैं जांच करवा लेते हैं। हालांकि प्रातः किरण इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती विद्या मंदिर, सिंगही, में रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया

आरा। राजकेश्वर सिंह चुनमुन देवी सरस्वती विद्या मंदिर, सिंगही, आरा में रक्षा बंधन का उत्सव मनाया गया। भाई-बहन के इस पवित्रतम त्यौहार के पावन अवसर पर विद्यालय की बहनों ने भैया को राखी बांध कर सह शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य में समाज को एक सार्थक संदेश दिया। साथ ही साथ बच्चों ने विद्यालय परिसर में स्थित पेड़ पौधों और शिक्षक को भी रक्षा सूत्र बांध कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

बांग्लादेश की घटना को ले हिंदू जागरण मंच ने निकाला आक्रोश मार्च

आरा। बांग्लादेश में हिंदुओं पे हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू जागरण मंच द्वारा आक्रोश मार्च बड़ी मठिया से निकाला गया। जिसमें कई हिंदू भाई शामिल हुए। इस मार्च से सभी हिंदू भाइयों को एकता का परिचय देते हुए सशक्त होने का संदेश दिया गया। मार्च में शामिल सभी हिन्दुओं द्वारा बहुत से झंडे, बैनर और मशाल लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मार्च का मुख्य उद्देश्य भारत के हिंदुओं को जागरूक करना था। इस आक्रोश मार्च में प्रशासन द्वारा सुरक्षा की विशेष ध्यान रखा गया। हिंदू जागरण मंच के प्रदेश सहसंयोजक सिनालाल जी ने कहा कि भविष्य में भी जब भी हिंदुओं की अस्तित्व पे बात आयेगी तब तब हिंदू जागरण मंच हिंदुओं के हित के लिए हमेशा खड़ा रहेगा, और जिला महा मंत्री विशाल सिंह से बोला की हिंदू जागरण मंच हमेशा हिंदू भाइयों के लिए खड़ा रहेगा।

संत एसएन ग्लोबल में राखी निर्माण प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बिक्रमगंज(रोहतास) स्थानीय शहर के डुमरांव रोड स्थित संत एस एन ग्लोबल स्कूल में शनिवार को राखी-निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक प्रकाश आनंद ने रक्षाबंधन के इतिहास व महत्व पर प्रकाश डालते हुए किया।प्रतियोगिता में सभी कक्षाओं के सभी हाउसों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।पीस हाउस,इंटिग्रिटी हाउस,करेज हाउस और लॉयल्टी हाउस के बीच सम्पन्न हुई इस प्रतियोगिता का परिणाम 20 अगस्त को घोषित किया जाएगा।विजेता और उपविजेता हाउस को पुरस्कार से नवाजा जाएगा।उपप्राचार्य विकास राय ने बताया कि विजेता और उपविजेता हाउस के साथ-साथ इस प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा से प्रथम,द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्रा को भी पुरस्कृत किया जाएगा।प्रतियोगिता का संचालन प्रत्येक हाउस के हाउस इंचार्ज शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा हाउस कैप्टन ने किया।

विद्युत विपत्र सुधार एवं नया कनेक्शन हेतु किया गया शिविर का आयोजन

संझौली(रोहतास) : विद्युत आपूर्ति प्रशाखा, संझौली के ग्राम-चांदी इंग्लिश में विद्युत विपत्र सुधार हेतु शिविर का आयोजन किया गया। ऊक्त शिविर में त्रुटिपूर्ण विद्युत विपत्र सुधार करने एवं नया विद्युत कनेक्शन हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। दोषपूर्ण विद्युत विपत्र मुख्यतः गलत रीडिंग, एकमुश्त रीडिंग, गलत औसत, खराब मीटर एवं अन्य कारणों से होता है जिससे संबंधित विद्युत विपत्र सुधार कराने हेतु उपभोक्ता पहुंचे। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि कुछ उपभोक्ताओं का बिजली बिल ऑनस्पॉट सुधार कर दिया गया, जिनके विपत्र में ऑनस्पॉट सुधार संभव नहीं थे उनका आवेदन पत्र ले लिया गया तथा सात कार्यदिवस में सुधार कर दिया जाएगा।

पुलिस ने अवैध महुआ शराब किया बरामद

संझौली(रोहतास) स्थानीय थाने की पुलिस ने शनिवार को छापेमारी कर 30 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद की है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधर पर संझौली बाल (मुसहर टोली) से 30 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया।हालांकि पुलिस की सूचना मिलते ही मौके से शराब कारोबारी भाग निकला।पुलिस शराब कारोबारी के विरुद्ध सम्बंधित मामला दर्ज करते हुए धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है,जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को बैंक पदाधिकारियों की हुई बैठक

छपरा कोर्ट। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा 14 सितम्बर को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय ने जिला के सभी बैंक के पदाधिकारी के साथ न्याय सदन के सभागार में बैठक किया। जिसमें राष्ट्रीय लोक अदालत का फायदा जन-जन को अधिक से अधिक मिले इस पर चर्चा किया और कहा कि बैंकों को आरबीआई और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों को देखते हुए अधिक से अधिक सुलह समझौता के आधार पर बैंक ऋण सम्बंधित मामलों को समाप्त करना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ कवि सम्मेलन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ कवि सम्मेलन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के छठे पुण्यतिथि पर काव्य की गोदी संस्था के बैनर तले पूर्व निगम पार्षद सब समाजसेवी डॉ जितेंद्र शुक्ल के आवास पर कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रेड क्रॉस सोसाइटी के संरक्षक सदस्य हरेंद्र प्रसाद सिंह, विश्वनाथ सिंह, वरीय अधिवक्ता गुंजय कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि एवं सृजन के संपादक संतोष श्रेयांश ने की।

कार्यक्रम की शुरूआत में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि हरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा की राजनीति में रहते हुए अटल जी ने साहित्य को नहीं छोड़ा, उनका जीवन प्रेरक है। कार्यक्रम अध्यक्ष वरिष्ठ कवि संतोष श्रेयांश ने कहा कि पक्ष विपक्ष को साथ लेकर चलने वाले पूर्व प्रधानमंत्री सर्वमान्य नेता रहे और आजीवन कलम के साधक रहे। उन्होंने अपनी कविता में गाँव से गुम होती परंपराओं का ज़िक्र किया। डॉ जितेंद्र शुक्ल ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे सिर्फ.कुशल राजनीतिज्ञ ही नहीं थे, बल्कि साहित्य प्रेमी व कवि भी थे। आम जीवन से जुड़ी कविता प्रस्तुत की। काव्य की गोदी संस्था की अध्यक्षा कवयित्री मधुलिका सिन्हा ने इस अवसर पर अटल जी के काव्य संग्रह को समेटे हुए कविता कह गए अटल प्रस्तुत की। कवि राकेश गुड्डू ओझा ने गाँव त आपन शहर हो गइल कविता से गाँव की बदलती रूपरेखा को दिखाया। कवि आशीष उपाध्याय ने अटल जी के संघर्षों को दिखाती कहाँ आसान है अटल बनना कविता प्रस्तुत की। कवि डॉ प्रेमसागर पांडेय ने शृंगार रस की अपनी कविता पहला इश्क मुकम्मल हो गया। प्रस्तुत किया। मंच संचालन करते हुए पत्रकार रूपेन्द्र मिश्र ने जिसका जीवन प्रेरक हो जाए, वो अटल है। कविता प्रस्तुत करते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त की। धन्यवाद ज्ञापन डॉ जितेंद्र शुक्ल ने किया। इस अवसर पर अजीत भट्ट, सुरेश उपाध्याय, हरेंद्र ओझा, रमाकान्त शुक्ला, हीराकांत ओझा, कृष्ण कुमार, सत्येन्द्र तिवारी, सोनू सिंह, प्रियरंजन सिन्हा समेत कई लोग उपस्थित रहे।

बी.एस.डीएवी. में धूम-धाम से मना स्वाधीनता दिवस

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय बी.एस.डीएवी. प.स्कूल में 78 वाँ स्वाधीनता दिवस समा धूम-धाम से मनाया गया। प्राचार्या श्रीमती नीशू जायसवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर बच्चों तथा उपस्थित परिजनों को इस दिवस की बधाइयाँ दी। इस अवसर पर प्राचार्या ने कहा कि हमारा देश आजादी के बाद से निरंतर सशक्त हुआ है। राष्ट्रीय आजादी ने हमें मातृभूमि की रक्षा के साथ-साथ एकता और अखण्डता का मूलमंत्र दिया। आज भारतीय जनमानस के सामने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना सबसे बड़ी चुनौती है। सबकी उम्मीदें शिक्षा क्षेत्र पर टिकी हुई हैं। शिक्षित समाज हीं विकसित भारत के स्वप्न का संकल्प पूरा कर सकता है। डीएवी. परिवार इस संकल्प को पूरा करने के लिए कटिबद्ध है। इस अवसर पर बच्चों द्वारा बड़े स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियाँ की गई। सेना के सौर्य, विविधता में एकता, सरहद पर मैत्रीभाव , शहीदों की वीरता, मातृभूमि के प्रति छात्र-नौजवानों के कर्तव्य आदि विषयों पर आधारित गीत-नृत्य तथा झलकियों ने उपस्थित लोगों को झकझोर कर रख दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ लेखक सुरेश कांटक के नाटक 1857 के अमर नायक की संक्षिप्त प्रस्तुति भी दिखाई गई। कुँवर सिंह और धर्मन बीबी के प्रेम और शौर्य की गाथा देख-सुनकर जनपद के लोगों को गर्व का अहसास हुआ।

लगातार दूसरी बार नीतीश कुशवाहा बने छात्र रालोमो भोजपुर के जिला अध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। छात्र राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रणवीर कुशवाहा के द्वारा भोजपुर जिले के तेज तरार छात्र नेता नीतीश कुशवाहा को पुनः दूसरी बार जिला अध्यक्ष का कमान सौपा गया। इस मौके पर नीतीश कुशवाहा ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय उपेंद्र कुशवाहा जी को धन्यवाद दिया। और कहां की जिस उम्मीद के साथ मुझे जिला का कमान सौपा गया है मैं पूरे निष्ठा के साथ पार्टी के विचारधाराओं को छात्रों के पास पहुंचाने का काम करूंगा और छात्रों के अधिकार के लिए हमेशा आवाज उठाता रहूंगा। तथा पार्टी का संगठन बुथ स्तर तक मजबूत करूंगा। इस मौके पर बधाई देने वालों में पार्टी के जिला अध्यक्ष रोहित कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष जागा कुशवाहा, सुबोध केसरी, सुनील पाठक, राजेश कुशवाहा, नागेंद्र यादव ,ललन सिंह, शत्रुघ्न सिंह ,प्रिंस कुशवाहा, बद्री नारायण पाठक, विकास पासवान, पवन कुशवाहा सहित पार्टी के सैकडो कार्यकर्ताओ ने बधाई एवं शुभकामनाऐ दीया।

मंदिर जीर्णोद्धार के लिये किया गया भूमिपूजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के कोइलवर नगर पंचायत के वार्ड 03 स्थित आजाद कला मंदिर के जीर्णोद्धार एवं कल्याणी माता मंदिर के निर्माण के लिए भूमिपूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान आसपास के गांव मुहल्लों से श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्तिमय माहौल में सुबह के ग्यारह बजे शुरू हुआ भूमिपूजन कार्यक्रम शाम के 3 बजे तक चला। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालु पूरे दिन डटे रहे। इससे पहले सुबह 11 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में पुरोहित राजीव रंजन मिश्र ने सबसे पहले गौरीगणेश पूजन किया,उसके बाद कलश स्थापना कर नवग्रह देव पूजन किया गया। इसके बाद ग्राम देवी का पूजन सम्पन्न हुआ। दूसरे चरण में मंदिर जीर्णोद्धार शिलान्यास के लिए नाग नागिन देव,विश्वकर्मा पूजन,भूमिदेव पूजन के बाद हवन आरती किया गया। पूजन कार्यक्रम के अंत मे आजाद कला मंदिर व मंदिर पुर्ननिर्माण से जुड़े कार्यकर्ताओ ने संयुक्त रूप से मंदिर की नींव रखी इधर मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर सुबह से ही माहौल भक्तिमय रहा महिलाओं व पुरुषों की टोली ने अलग अलग टीम बनाकर पूरे दिन भजन कीर्तन एवं भक्ति गीतों का आयोजन कर माहौल को भक्तिमय बनाये रखा जिसमे सैकड़ो की संख्या में महिला पुरूष युवा व बच्चों ने भाग लिया। बता दें कि नगर पंचायत के वार्ड 03 स्थित आजाद कला मंदिर के प्रांगण मे स्थित देवी मंदिर की नींव 1907 में ही रखी गई थी। कालांतर में इसके जीर्णोद्धार की जरूरत पड़ी जिसके बाद आज सवा सौ साल बाद मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए स्थानीय निवासियों ने बीड़ा उठाया है। आजाद कला मंदिर के अध्यक्ष प्रभात कुमार ने बताया कि सवा सौ साल पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार का कार्य शुरू कराया जा रहा है जिसमे पूरे गांव के लोगों की सहभागिता है। मंदिर को उड़ीसा के कलाकारों द्वारा मूर्त रूप दिया जाएगा। दो गर्भगृहों और मंडपो वाले इस मंदिर में एक गर्भगृह में माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी जबकि दूसरे गर्भगृह में ग्राम देवी की पिंडियों को स्थापित किया जाएगा। मौके पर राजेंद्र गुप्ता, सुजीत लाल,रजनीश कुमार,संजीत कुमार,रोहित,नरेंद्र स्वामी, अनिकेत मिश्रा, मनीष सिंह ,समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एससीएमओ ने उदवंतनगर पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। एसीएमओ डॉ. केएन सिन्हा के द्वारा शुक्रवार को उदवंतनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा कई लोग गायब मिले। डॉ. सिन्हा परिसर में घूमे और व्यवस्था में कुछ कमी पाए। अस्पताल के कई कर्मचारी भी फाइलेरिया की दवा अभी तक नही खा पाए हैं। एसीएमओ ने कहा कि लापरवाह लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होने उपस्थित सभी लोगों से कहा कि किसी भी कार्यक्रम में खासकर इस फाइलेरिया कार्यक्रम में आप लोगों को दवा खिला करके, उनको निरोग होने की कोशिश में एक आत्मसंतुष्टि प्राप्त करेंगे। क्योंकि फाइलेरिया की यह दवा कई रोगों के रोकथाम में मदद करेगी। लोग निरोग रहेंगे। दवा नहीं खाने की स्थिति में लोगों को समझाएं। नहीं समझे तो उनका नाम और मोबाइल नंबर रिपोर्टिंग के लिए नोट कर ले। दवा खाने से किसी-किसी में साइड इफेक्ट भी हो सकता है। वह एक अच्छा साइन है कि दवा काम कर रहा है। शरीर में फाईलेरिया के कीटाणु रहने पर साइड इफेक्ट के लक्षण ज्यादा आते हैं। इसे हल्की दवा से कंट्रोल किया जा सकता है। किसी भी स्थिति में रिजेक्शन नहीं होना चाहिए। डॉ. सिन्हा ने इस कार्यक्रम में उपलब्धि को और बढ़ाने का निर्देश दिये। संध्याकालीन समीक्षा में डब्लूएचओ प्रतिनिधि तथा पिरामल के प्रतिनिधि अरविंद, अस्पताल कर्मचारियों के साथ उपस्थित थे। बैठक में डा. चेतना, कर्मचारियों में संदीप कुमार, समरेंद्र पांडेय, संजीव कुमार,अजय कुमार, दिनेश, गार्ड सुधीर, पंकज कुमार आदि उपस्थित थे।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के रिश्तों में जुड़े माई छोटा स्कूल के बच्चें

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) स्थानीय शहर के अंजबित सिंह कॉलेज रोड़ स्थित माई छोटा स्कूल में शनिवार को बच्चों ने भाई-बहन के स्नेह का पर्व हैप्पी रक्षाबंधन मनाया। कार्यक्रम में नन्हें मुन्ने बच्चों ने न केवल राखी कलाकृति प्रस्तुति की बल्कि छात्र-छात्रों ने एक दूसरे को राखी भी बांधी। अवसर वर्ग प्ले से वन क्लास के छात्र-छात्रा नित्या प्रकाश, वैष्णवी, सिद्रा, अमैरा, नैना, सोमिया, टिशू, शिवांश, सशिका,भास्कर सहित अन्य बच्चों ने अपने-अपने वर्ग के छात्रों को रोड़ी तिलक लगा आरती कर उनके कलाई पर राखी बांध मिठाई खिलाया। जिस मनमोहक दृश्य को देख उस्थित सभी बच्चों के माता-पिता ने स्कूल द्वारा आयोजित हैप्पी रक्षाबंधन कार्यक्रम को काफी सराहा। मौके पर स्कूल निदेशक रेणु सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि रक्षाबंधन पर्व शांति और सद्भाव के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को रक्षा सूत्र या कंगन बांधती हैं। जो के भाई बदले में अपनी बहनों का जीवन भर रक्षक बनने का वचन देते हैं। राखी या धागा किसी के रक्षक होने का पवित्र प्रतीक है। मौके पर शिक्षक पम्मी कुमारी, प्रिया कुमारी, नेहा कुमारी, मुनीमा, काजल कुमारी सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

वीकेएसयू के पैट रिजल्ट जारी पर भाजपा महामंत्री ने जताया खुशी

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा द्वारा पीएचडी एडमिशन टेस्ट (पैट) का रिजल्ट जारी होने पर छात्रों में दिखी खुशी। ज्ञात हो कि 6 जुलाई को इस आयोजित परीक्षा के लिए आरा मुख्यालय में तीन केंद्र परीक्षा केंद्र बनाएं गए थे।

जिस परीक्षा में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनवर इमाम द्वारा सभी केंद्रों पर सख्त विधि व्यवस्था बनाई गई थी। जिस परीक्षा में शामिल सभी परीक्षार्थियों के होश उड़े थें। जहां परीक्षा केंद्रों के प्रवेश मुख्य द्वार तैनात अधिकारियों सहित सघन जांच के बाद प्रवेश की अनुमति, मोबाइल पर रोक, कमरे में मोबाइल जैमर सहित नकल पर नकेल के लिए अन्य आधुनिक विधि लागू की गई थी। जो संचालित परीक्षा में विभिन्न विषयों के परीक्षार्थियों ने भाग लिया था। जिस परीक्षा संचालन का निर्धारित समय दो पालियों में 1 से 2 घंटों तक था। वही 15 अगस्त को रिजल्ट जारी होते ही परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनवर इमाम ने अव्वल आए सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के कामना की बधाई दी। साथ ही बताया कि परीक्षार्थी अपना रिजल्ट वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पोर्टल पर स्वयं देख सकते हैं। दूसरी तरफ प्रवेश-परीक्षा परिणाम घोषित के बाद प्रवेश-परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर नामांकन के लिए विषयवार, कोटिवार मेधा सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश-परीक्षा में उत्तीर्णता नामांकन की गारंटी नहीं है।

जो नामांकन सिर्फ और सिर्फ प्राप्तांक के आधार पर तैयार मेधा सूची के आधार पर ही होगा। दूसरी तरफ जारी रिजल्ट पर परीक्षा नियंत्रण अनवर इमाम का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन ने बताया कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,आरा के इतिहास में यह जारी रिजल्ट छात्रों के उजवल भविष्य का एक नया अध्याय लिखेगा। जिस सराहनीय कार्य के लिए डॉ. अनवर को विभागीय कर्मियों, छात्रों सहित अन्य लोगों से बधाई मिल रही है।

बकाया राशि रहने के कारण विद्युत कनेक्शन काटने के पश्चात अवैध रूप से जलाना पड़ा महँगा

प्रातः किरण संवाददाता

दावथ(रोहतास)। विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कनीय विद्युत अभियंता सूर्यपुरा आनंद कुमार के नेतृत्व मे एक जांच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर प्राथमिकी दर्ज की है। बताते चले कि बकायेदार उपभोक्ताओं का विद्युत विपत्र की राशि बकाया रहने के कारण विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विद्युत कनेक्शन काट रही है परंतु कुछ उपभोक्ताओं द्वारा बिना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा किये अवैध रूप से तार जोड़कर विद्युत ऊर्जा की चोरी करने लग रहे हैं। इसी बीच ग्राम-गोठानी के उपभोक्ताओं का बकाया पर विद्युत कनेक्शन कटने के पश्चात अवैध रूप से तार जोड़कर जलाने को लेकर भिखारी तातो पर 81715, अशोक राम पर 69000 एवं संगीता देवी पर 26955 रुपए दंडित राशि लगायी गयी है। कनीय विद्युत अभियंता, सूर्यपुरा आनंद कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनका बकाया पर लाइन कटा हुआ है वह अपना बकाया राशि एवं रिकनेक्शन शुल्क जमा करने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया की बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमे उपभोक्ताओं के परिसर में लगे सर्विस तार, मीटर, बिलिंग एवं बिल के ससमय भुगतान की सघन जांच की जा रही है। जांच में मीटर की सील टूटी हुई, टेम्परिंग या बाईपास पाए जाने पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है। बकायेदार उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हुए बताया गया की बिजली बिल समय रहते जमा करा दें अन्यथा विभाग के कर्मी घर-घर जाकर बकायेदारों का लाइन काट रहे हैं, लाइन कटने के बाद बिना बकाया राशि और रिकनेक्शन चार्ज जमा किये लाइन जलाते हुए पाए जाने पर आर्थिक जुमार्ने के साथ सम्बंधित थाना मे प्राथमिकी दर्ज कराया जा रहा है।

दाउदपुर में माँझी विधानसभा स्तरीय जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

माँझी । शनिवार को दाउदपुर के महाराजा विवाह भवन के सभागार में आयोजित माँझी विधानसभा स्तरीय जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में जदयू नेताओं ने सारण प्रमंडल की सभी बीस विधानसभा सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित कराने के संकल्प व्यक्त किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री गौतम सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विकास पुरुष बताते हुए कहा कि श्री कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन सारण प्रमंडल में अभूतपूर्व तरीके से क्लीन स्वीप करेगा तथा राजद गठबंधन का इसबार खाता भी नही खुलेगा। भीषण गर्मी के बावजूद कार्यकताओं की उमड़ी भीड़ से उत्साहित श्री सिंह ने कहा कि पिछली बार सम्पन्न माँझी विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा प्रत्यासी चयन में हुई चूक की वजह से पार्टी प्रत्यासी को करारी हार का सामना करना पड़ा था तथा इस वजह से चुनाव के दौरान कार्यकताओं में जो मायूसी का माहौल था वह अब छंट गया है। इस बार कार्यकर्ता अभी से चुनाव के लिए मुस्तैद हैं तथा एनडीए के पक्ष में मतदाता भी गोलबंद हो चुके हैं। अपने सम्बोधन में पार्टी के जिलाध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने कहा कि पार्टी की प्रखण्ड व पँचायत कार्यकारिणी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाया जा रहा है तथा जरूरत महसूस होने पर उसे भंग कर कार्यकारिणी में फेरबदल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माँझी विधानसभा के अंतर्गत माँझी की 18,जलालपुर की 15 तथा बनियापुर प्रखण्ड की तीन पंचायतों में पार्टी की पँचायत कार्यकारिणी द्वारा इस बार पूर्व मंत्री गौतम सिंह के नेतृत्व में माँझी विधानसभा चुनाव लड़ने की सहमति प्रदान कर दी गई हैं। श्री सिंह को पार्टी का प्रत्यासी बनाये जाने की संभावना को देखते हुए कार्यकताओं में इसबार काफी उत्साह देखा जा रहा है। समारोह को ने सम्बोधित किया। अध्यक्षता पूर्व मुखिया अख्तर अली तथा संचालन किया।

विशेष अभियान में 531 अभियुक्त गिरफ्तार, 9245 लीटर शराब बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा। सारण पुलिस द्वारा 15 दिनों के विशेष अभियान में कुल 531 अभियुक्त गिरफ्तार किये गए हैं ' जबकि 9245 लीटर शराब जप्त हुआ है। यह कार्रवाई। पुलिस अधीक्षक सारण द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में की गई है ' बता दें कि सारण पुलिस द्वारा असमाजिक तत्वों एवं अपराधकर्मियों की गिरफतारी एवं शराब के सेवन, बिक्री,भंडारण, निर्माण तथा परिवहन आदि पर पूर्णरूप से पाबंदी लगाने एवं देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने को लेकर कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए माह-अगस्त के प्रथम पक्ष में विशेष अभियान चलाकर कुल 531 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया,' जिसमें हत्या के कांड में 9, दहेज हत्या के कांड में 2, लूट के 4, आर्म्स एक्ट में10, हत्या के प्रयास में 18, अपहरण के 4, बलात्कार में 2, पॉक्सोएक्ट मे 1, अनुसूचित जाति एवं जनजाति 14 , आईटी अधिनियम के तहत 2, खनन कांड में 26, चोरी के कांड में 3 तथा अन्य विशेष कांड के 39, मद्यनिषेध के कांड के 335, वारंटी 59 तथा अन्य कांडों के 3 अभियुक्त शामिल हैं। इस दौरान लंबित वारंट एवं कुर्की के निष्पादन को दृष्टिगत रखते हुए विशेष अभियान चलाकर कुल 429 वारंट एवं 9 कुर्की का निष्पादन किया गया ।

इस पाक्षिक माह के विशेष अभियान में देशी शराब 5464.75 लीटर, स्प्रीट 136.3 लीटर, विदेशी शराब 3643.62 लीटर आग्नेयास्त्र 6, जिंदा कारतूस 15, खोखा-मैंगजीन 1, मोटरसाईकिल 39, पिकअप भान 1, स्कार्पियों 2, कार 4, टेम्पु 6, ट्रक 34, ट्रैक्टर 35, मोबाईल 29, साईकिल 4, अपहृता 7, रिक्शा 1, डीएल 1, मीट्ठा 706 कि.ग्रा., मास्टर चाभी 1, गैंस सिलेण्डर 1, लैपटॉप 1, मवेशी 97, चाकू 4, नगद राशि-21,200 रूपया एवं नारियल का रस्सी 40 बंडल बरामद किया गया। जिलें में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से 21,34,500 रू जुमार्ना राशि वसूली गई। अवैध रूप से चल रहे देशी शराब की 57 भट्ठीयों को ध्वस्त कर लगभग 23555 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनिष्ट किया गया।

शाहरुख खान को रोमांटिक हीरो कहे जाने से परहेज

हाल ही में स्विट्जरलैंड में 77वें लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में शीर्ष सम्मान पाने वाले बॉलीवुड आइकन शाहरुख खान ने कहा कि एक दर्शक के तौर पर उनके लिए अन्य सभी फिल्म शैलियां रोमांटिक फिल्मों से अधिक महत्वपूर्ण हैं। वो किसी खाके में फिट होना नहीं चाहते। रोमांस के बादशाह के रूप में मशहूर इस अभिनेता ने सिनेमा में अपने योगदान के लिए लोकार्नो फिल्म महोत्सव में पार्डो अला कैरियरा पुरस्कार जीता और एक्शन फिल्मों की शैली में अपने बदलाव के बारे में खुलकर बात की। अभिनेता ने 'वैरायटी' से कहा कि वह रोमांटिक हीरो कहे जाने वाले शब्द से हैरान हैं और ईमानदारी से कहूं तो उन्होंने कभी खुद को इस रूप में नहीं सोचा था। उन्होंने कहा, मैं (निर्देशक) आदित्य चोपड़ा के साथ बैठा था, जिन्होंने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से अपने करियर की शुरुआत की थी। आदित्य ने मुझसे कहा कि अगर हम गिनती करें तो आपने लगभग पांच या छह रोमांटिक फिल्में की हैं जिन्हें क्लासिक रोमांटिक माना जाता है। मुझे लगता है कि मैं उनसे सहमत हूं, लेकिन ये भी सच्चाई है कि मुझे उसी तरह की श्रेणी में रखा जाता है। मेगास्टार ने आगे कहा कि उनका एक सपना है, और वह चाहते हैं कि उनके पास तस्वीरों वाला एक कमरा हो जहां वह अपने काम को देखें, तस्वीरें हर उस शैली की लगे जिसे देखकर वह बड़े हुए हैं। उन्होंने 'वैरायटी' से कहा, मैं एक दर्शक के तौर पर किसी शैली तक सीमित नहीं हूं। मुझे एक्शन फिल्में देखना पसंद है। अजीब बात है कि मुझे रोमांटिक फिल्में सबसे कम पसंद हैं।

मुझे साइंस-फिक्शन फिल्में, डायस्टोपियन वर्ल्ड फिल्में, ऑफ-बीट, ह्यूमन ड्रामा फिल्में पसंद हैं। उन्होंने कहा, मुझे कोर्ट रूम ड्रामा पसंद हैं। मुझे थ्रिलर पसंद हैं। मुझे कभी-कभी हॉरर फिल्में भी पसंद हैं। मैंने ऐसा महसूस किया कि मैंने लंबे समय से कोई एक्शन फिल्म नहीं की है। मुझे टॉम क्रूज की फिल्में पसंद हैं। मिशन इम्पॉसिबल वह फिल्म हैं, जहां आपको चिंता नहीं करनी पड़ती, आप अधिकतर संतुष्ट होकर वापस आते हैं।

सिटाडेल 2-द ब्लफ में दिखेगा प्रियंका चोपड़ा का जलवा, हेड्स ऑफ स्टेट में होगा धांसू एक्शन

प्रियंका चोपड़ा देश में ही नहीं बल्कि विदेश भी प्रसिद्ध हैं। प्रियंका ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन करने के बाद अपना रुख हॉलीवुड फिल्मों की ओर किया है। वह लगातार कई हॉलीवुड फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। प्रियंका लगातार कई फिल्मों के लिए काम कर रही हैं। वह एक के बाद एक अपनी आगामी फिल्मों और वेब सीरीज की शीटिंग में व्यस्त हैं। आइए आपको बताते हैं कि प्रियंका जल्द ही किन फिल्मों और सीरीज में नजर आ सकती हैं। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज सिटाडेल 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बार सीरीज के लिए प्रियंका ने अपना एक नया लुक अपनाया है, जो उन्होंने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस लुक में प्रियंका की आंखों का रंग चेंज नजर आ रहा है, जो बेहद ही आकर्षित दिखा। वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 की शूटिंग में व्यस्त प्रियंका के लुक को लेकर सोशल मीडिया में प्रशंसकों की लगातार राय आ रही है। प्रियंका ने सिटाडेल में अपने लुक को लेकर जो वीडियो साझा किया था, उस पर एक फैन ने लिखा, प्रियंका का लुक जबर्दस्त है, एक और फैन ने लिखा, लाजवाब, एक और फैन ने लिखा, कब आ रही है सिटाडेल 2। प्रियंका की फिल्म द ब्लफ की शूटिंग खत्म हो चुकी है। इसके बाद वह सीरीज सिटाडेल 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। द ब्लफ एक आगामी अमेरिकी स्वैशबकलर ड्रामा फिल्म है, जिसे फ्रैंक ई. फ्लावर्स और जो बॉलरीनी ने मिलकर लिखा है और फ्लावर्स ने ही इसका निर्देशन भी किया है। इसमें प्रियंका चोपड़ा जोनास, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतन नायडू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक फरहान अख्तर की आगामी बहुचर्चित फिल्म जी ले जरा को लेकर यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के अलावा आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ एक साथ नजर आएंगी। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभीतक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

प्रियंका की फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की शूटिंग काफी पहले ही खत्म हो चुकी है। एक्शन कॉमेडी हेड्स ऑफ स्टेट्स में प्रियंका के साथ इदरीस एल्बा, जॉन सीना और जैक क्वैड जैसे अन्य कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसे इल्या नाइशुल्लर ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में प्रियंका जबर्दस्त एक्शन करती नजर आएंगी।

कल्पना चावला की बायोपिक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा कल्पना चावला की बायोपिक में भी नजर आ सकती हैं। कल्पना चावला एक भारतीय अमरीकी अन्तरिक्ष यात्री और अन्तरिक्ष शटल मिशन विशेषज्ञ थीं। अन्तरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। वे कोलंबिया अन्तरिक्ष यान आपदा में मारे गए सात यात्री दल सदस्यों में से एक थीं।

सीरीज कॉल मी बे से ओटीटी डेब्यू करेंगी अनन्या पांडे

चंकी पांडे की बेटी अनन्या पांडे को बॉलीवुड में लॉन्च करने के बाद करण जौहर एक बार फिर से उन्हें लॉन्च करने जा रहे हैं। फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर इस बार अनन्या को ओटीटी पर लॉन्च करने जा रहे हैं। अनन्या जल्द ही वेब सीरीज कॉल मी बे के जरिए ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। अनन्या के ओटीटी डेब्यू का एलान बड़े ही खास अंदाज में किया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया गया, जिसमें अनन्या पांडे और करण जौहर दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अनन्या के लॉन्च को लेकर बातचीत चलती है, जिस पर अनन्या कहती हैं कि वो तो उन्हें पहले ही लॉन्च कर चुके हैं। इसके बाद करण अपनी फिल्म कुछ कुछ होता है के मशहूर डायलॉग को थोड़ा तोड़-मरोड़कर कहते हैं कि हम एक बार जीते हैं, एक बार मरते हैं, शादी भी एक बार होती है, लेकिन लॉन्च तो बार-बार हो सकता है। डार्लिंग वो बॉलीवुड लॉन्च था, ये ओटीटी लॉन्च है।

इस रोल को निभाएंगी अनन्या पांडे

अनन्या का किरदार एक ऐसी अमीर लड़की का होगा, जो सब कुछ खो देती हैं और उसे मुंबई आकर हर चीज के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इसके बाद सीरीज कॉल मी बे की एक छोटी सी झलक भी देखने को मिलती है। कॉल मी बे का निर्देशन कोलिन डी'कुन्हा ने किया है और इसका निर्माण करण जौहर के धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने मिलकर सीरीज की कहानी लिखी है। इसमें अनन्या पांडे, वीर दास, वरुण सूद, विहान समत, मिनी माथुर, गुरफतेह पीरजादा, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मुस्कान जाफरी ने अभिनय किया है। इसकी स्ट्रीमिंग छह सितंबर से प्राइम वीडियो पर शुरू होगी।

शादियों और तलाक के कारण पलक के बचपन को लेकर चिंतित थीं

अभिनेत्री श्वेता तिवारी अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। उनकी पहली शादी राजा चौधरी से हुई थी, जिनसे उनकी एक बेटी पलक तिवारी हैं। उनकी शादी को महत्वपूर्ण मुद्दों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण 2007 में उनका तलाक हो गया। 2013 में, उन्होंने अभिनव कोहली से शादी की, और उनका एक बेटा रेयांश कोहली है। हालांकि, उनकी दूसरी शादी में भी मुश्किलें आईं और उन्होंने और अभिनव ने 2019 में अलग होने की घोषणा की। वहीं, अब श्वेता ने अपनी टूटी हुई शादी और इसका बेटी पलक की परवरिश पर पड़े असर को साझा किया है। श्वेता तिवारी ने हाल ही में बताया कि कैसे वह अपनी अपमानजनक शादियों और तलाक के कारण पलक के बचपन को लेकर चिंतित थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, पलक जब मुझे उस दौर में देखती थी तो मैं अक्सर सोचती थी कि उसका बचपन कैसा होगा। किसी तरह, उसने हर चीज को सकारात्मक रूप से लिया और खुद को अलग तरीके से ढाला। श्वेता तिवारी ने आगे कहा, मेरी परवरिश का काम और उसकी खुद की संवेदनशीलता ज्यादा है। वह खुद एक शक्तिशाली लड़की है, वह समझ गई है कि अगर आप खुद को हल्के में नहीं लेंगे तो कोई भी इसे हल्के में नहीं लेगा।

मैं एक निष्पक्ष और भावुक अभिनेता हूं

अभिनेता केके मेनन ने खुद को एक बेहद भावुक कलाकार बताते हुए कहा कि वह खुद को किसी ऊंचे स्थान पर नहीं रखते हैं। हाल ही में शेखर होम सीरीज में नजर आए के के ने कहा, मैं चापलूसी नहीं करता, लोग तो सब वैसे ही हैं। आप लोगों को बदल नहीं सकते। मैं खुद को किसी ऊंचे स्थान पर नहीं रखता और न ही मुझे लगता है कि मैं सबसे बुरा हूं। इसलिए यह बीच की बात है। मैं एक निष्पक्ष रूप से भावुक अभिनेता हूं। मैं काम करते समय बहुत भावुक रहता हूं और जिस दिन काम खत्म होता है, मैं निष्पक्ष हो जाता हूं। आप अपना काम ठीक से करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अभिनय के संदर्भ में प्रभाववाद और अभिव्यक्तिवाद से उनका क्या तात्पर्य है तथा वे स्वयं को एक सिम्युलेटर के रूप में कैसे देखते हैं। अभिनेता ने कहा, मैं हमेशा खुद को सिम्युलेटर कहता हूं। अभिनेता, लेकिन सिम्युलेटर, यही मेरा काम है। मैं इस सीरीज में शेखर का किरदार निभा रहा हूं, वह सब एक सिमुलेशन है। मैं ऐसा नहीं हूं कि मैं के के मेनन हूं। यह एक प्रभाव है जो मैं दर्शकों पर डाल रहा हूं। उन्होंने अपने काम के प्रति खुद को समर्पित करने के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मुझे ये छोटी-छोटी बारीकियां मिलती हैं, जिनका मुझे खुद एहसास नहीं होता। मैंने खुद को उस स्थिति और माहौल के प्रति समर्पित कर दिया है और चीजें अपने आप घटित होती हैं। अगर आप यहां हैं और आप वास्तव में खुद को किरदार और स्थिति के प्रति समर्पित कर देते हैं, तो जादुई चीजें होती हैं।

उन्होंने आगे कहा, लोगों द्वारा बनाई गई चीजें अद्भुत हो सकती हैं, लेकिन उनकी अपनी सीमाएं होती हैं। प्रकृति की रचनाएं, जैसे कि पेड़ और पौधे, जादुई होते हैं और उन्हें लोगों द्वारा बनाई गई चीजों से मिलाना मुश्किल है। जब आप किसी काम में पूरी तरह से डूब जाते हैं, तभी बेहतर काम निकल कर सामने आता है। यह सीरीज दो व्यक्तियों की कहानी के बारे में है। जो एक-दूसरे से बिल्कुल भी मेल नहीं खाते। इसमें केके एक अजीब आदमी शेखर होम की भूमिका में हैं। वहीं इसमें रणवीर शौरी उनके साथी जयव्रत साहनी की भूमिका निभा रहे हैं।

फौजी में नहीं होंगी मृणाल ठाकुर?

फिल्म नन्ना, कल्कि 2898 एडी और अब सन ऑफ सरदार 2 नजर आने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने प्रभास की फिल्म फौजी को लेकर एक खुलासा किया है, जिससे उनके प्रशंसकों का दिल टूट गया है। क्योंकि अब वह इस फिल्म में प्रभास और मृणाल की जोड़ी को एक साथ नहीं देख पाएंगे। फिल्म कल्कि 2898 एडी में अपने शानदार अभिनय से सभी के दिलों को जीत चुकीं मृणाल ठाकुर जल्द ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में नजर आएंगी। वहीं पैन इंडिया स्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फौजी, राजा साहब और स्पिरिट को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। जहां कुछ दिन पहले फिल्म फौजी को लेकर यह जानकारी आई थी कि इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट मृणाल ठाकुर नजर आएंगी, वहीं अब खुद मृणाल ने इस बारे में खुलासा किया है। फिल्म कल्कि 2898 एडी में प्रभास, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और अमिताभ बच्चन के अलावा मृणाल ठाकुर भी फिल्म का अहम हिस्सा थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म फौजी को लेकर जहां पहले यह जानकारी सामने आई थी कि मृणाल इस फिल्म में प्रभास के अपोजिट मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं अब अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म फौजी हनु राघवपुडी के डायरेक्शन में बनने वाली फिल्म है। इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू हो सकती है। इस फिल्म की कहानी 1940 के दशक की ब्रिटिश बैकग्राउंड पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। विशाल चन्द्रशेखर फिल्म का संगीत और बैकग्राउंड स्कोर तैयार करेंगे। इस बड़े प्रोजेक्ट में प्रभास एक फौजी के किरदार में नजर आने वाले हैं। अब जब मृणाल ने इस बात से साफ इनकार कर दिया है कि वह फौजी का हिस्सा नहीं हैं, तो अब प्रभास के अपोजिट किस अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा। इसकी कोई भी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। बहरहाल, प्रभास के प्रशंसकों को उनकी हर एक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहता है। तो वहीं मृणाल के प्रशंसक उनकी और प्रभास की जोड़ी को इस फिल्म में ना देख पाने के लिए निराश हो गए हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी मृणाल काम की बात करें तो मृणाल ठाकुर फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में संजय दत्त और अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की घोषणा कुछ ही दिन पहले की गई थी। इस फिल्म में कई स्टार्स नजर आने वाले हैं, जिनमें से एक मृणाल भी हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी जानकारी खुद मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम उकाउंट पर एक वीडियो के जरिए साझा करके दी थी।

इमरजेंसी के बाद अभिनय छोड़ देंगी कंगना रणौत?

कंगना रणौत के राजनीति में कदम ने बॉलीवुड में उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज कर दी हैं। अब, अभिनेत्री से नेता बनीं कंगना ने इन अफवाहों को संबोधित करते हुए शोबिज में अपने अगले कदम को दर्शकों पर छोड़ दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल करने वालीं कंगना जल्द ही अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी में नजर आएंगी। इसके ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेत्री ने कुछ ऐसा कह दिया, जिससे उनके प्रशंसक आश्चर्यचकित रह गए। कंगना रणौत के बढ़ते राजनीतिक करियर के बीच, प्रशंसक सवाल कर रहे हैं कि क्या वह अभिनय से दूर जाने की योजना बना रही हैं। इमरजेंसी के ट्रेलर लॉन्च पर, कंगना ने इन चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं अभिनय जारी रखूंगी या नहीं, मैं चाहती हूं कि लोग इसका फैसला करें।

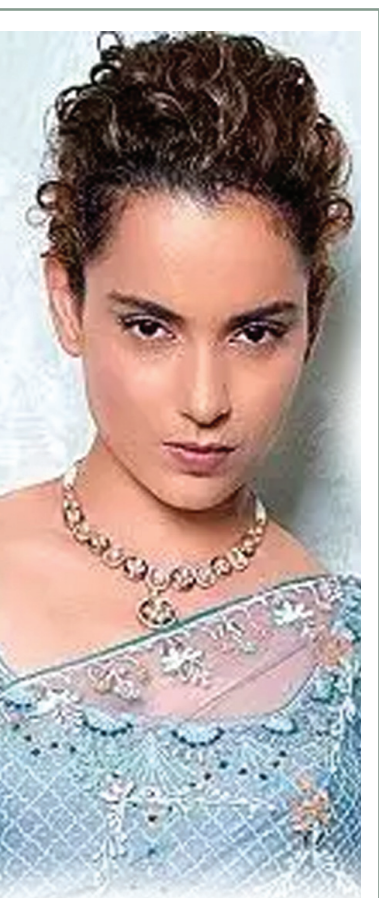

सेंसेक्स
80436.84 पर बंद
निफ्टी
24541.15 पर बंद

सोना
70,980
चांदी
86,000

संक्षिप्त समाचार

नंदन डेनिम लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में शानदार कमाई की

अहमदाबाद, एजेंसी। डेनिम उद्योग की अग्रणी कंपनी नंदन डेनिम लिमिटेड (बीएसई- 532641, एनएसई- एनडीएल) ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी कमाई की घोषणा की है। वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही के लिए, कंपनी ने ऑपरेशन से राजस्व 721.62 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 30 प्रतिशत की वृद्धि है। एबिटा में सालाना आधार पर 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की प्रथम तिमाही में 23.73 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में 34.48 करोड़ रुपये हो गई। एबिटा मार्जिन में 51 बेसिस पॉइंट का सुधार हुआ, जो 4.25 प्रतिशत से बढ़कर 4.76 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही) हो गया। शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर जबरदस्त 339 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024 की प्रथम तिमाही में 1.71 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही में 7.49 करोड़ रुपये हो गई। इससे पहले, बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन/स्प्लिट को 1:10 के अनुपात में मंजूरी दी थी, यानी 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले 1 शेयर को 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में बदलना, जो कंपनी के शेयरधारकों और अन्य वैधानिक नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन है।

एमपी बिरला ग्रुप ने स्वतंत्रता दिवस को एक अनोखी पहल एक पेड़ माँ के नाम के साथ मनाया

मैहर। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर इंटीग्रेटेड सीमेंट यूनिट (एमपी बिरला ग्रुप) ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस को एक अनोखी पहल एक पेड़ माँ के नाम के साथ मनाया। इस वृक्षारोपण अभियान के तहत कर्मचारियों और उनके परिवारों को अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री पी.के. चौधरी, यूनिट हेड, और अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया। कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इस पहल में भाग लिया, स्वतंत्रता की भावना का स्मरण करते हुए पर्यावरणीय संतुलन के संरक्षण के इस महान कार्य को समर्पित किया। आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड ने कुल 4,379 मिठाई के पैकेट 26 स्कूलों और 25 आंगनवाड़ियों में वितरित किए।

फाइबरवेब इंडिया की एबिटडा मार्जिन वार्षिक 1138 बीपीएस बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। 100 प्रतिशत ईओयू एवं नॉन फैब्रिक की निर्माता, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनेडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड के डायरेक्टर, श्री भावेश पी. शेठ ने कहा, हम सहर्ष फाइबरवेब इंडिया लिमिटेड के वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के उत्कृष्ट प्रदर्शन की घोषणा करते है. हमारी कंपनी ने बाजार के इस स्पर्धात्मक वातावरण में उल्लेखनीय ग्रोथ एवं लचीलापन प्रदर्शित किया है.हमने हमारे शुद्ध लाभ एवं ईपीएस में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है.

सरकार ने पूछा है ग्लोबेलाइजेशन का जोर घटने पर भी इकॉनमी मजबूत रहे

सरकार ने ब्लैक स्वान इवेंट्स से निपटने के लिए भी इनपुट मांगे हैं

ग्लोबल सप्लाई चेन में आ रहे संकट पर सरकार ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। लेकिन इस बीच सरकार को डर है कि ब्लैक स्वान इवेंट्स देश की प्रगति में बाधा डाल सकते हैं। वहीं सरकार ने ग्लोबेलाइजेशन का जोर घटने पर भी हमारी अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत रहे, इस पर भी मंथन शुरू कर दिया है। इनसे निपटने के लिए सरकार ने एक्सपर्ट्स से इनपुट मांगे हैं। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्रियों और छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने कहा कि सप्लाई चेन में संकटों का सामना करने के लिए भारत को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए पॉलिसी रिफॉर्म और इन्टरवेंशन तैयार कर रही है। पीके मिश्रा ने आर्थिक शोधकर्ताओं से अगले दो दशकों के लिए विकासशील परिदृश्य प्रदान करने, ब्लैक स्वान घटनाओं और ग्लोबेलाइजेशन के जोर से निपटने के तरीके पर इनपुट देने को कहा है।

पहले जानें क्या हैं ब्लैक स्वान घटनाएं

ब्लैक स्वान इवेंट्स का इस्तेमाल रिजर्व बैंक से लेकर राजनीति तक में किया जाता है। यह एक ऐसी घटना होती है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होती। जब यह होती है तो इसका असर बड़े पैमाने पर देखा जा सकता है। यह कोई आर्थिक संकट से जुड़ी घटना हो सकती है या कोई महामारी या कोई युद्ध। बाजार में ऐसी घटनाओं का डर काफी हावी रहता है। किसी भी तरह का आर्थिक संकट आना, बड़े आतंकी हमले होना, सरकार में भूचाल आना आदि ब्लैक स्वान इवेंट के उदाहरण है। काफी जगह कोविड को भी ब्लैक स्वान इवेंट माना गया था। भारतीय अर्थव्यवस्था के मामले में भी कई बार ब्लैक स्वान इवेंट की स्थिति से जुड़ी बातें सामने आई हैं। हालांकि रिजर्व बैंक ने इनका खंडन भी किया है। अपने संबोधन में पीके मिश्रा ने कहा कि सप्लाई चेन में व्यवधानों का सामना करने के लिए भारत को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, घटता ग्लोबेलाइजेशन और बढ़ता आर्थिक राष्ट्रवाद, उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रभाव और जलवायु परिवर्तन...ये कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जिनका हमें अपनी नीति और कार्यों दोनों में समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।

इन बातों का किया जिक्र

इकनॉमिक रिसर्च के लिए कुछ विचारों को सूचीबद्ध करते हुए मिश्रा ने कहा कि विकसित भारत का सफर तथ्यों, तर्क और विश्लेषणात्मक शक्ति पर आधारित उचित नीतियों के माध्यम से होना चाहिए। इसमें उन्होंने तीन मुख्य बातों के बारे में बताया

ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़ी बाधाएं

पीके मिश्रा ने कहा कि शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण सवालों के जवाब खोजने होंगे जैसे आगे चलकर ग्लोबेलाइजेशन का स्वरूप क्या हो सकता है, इसे कैसे फिर से देखा जाएगा, मैक्रोइकनॉमिक्स के मुद्दों के लिए माइक्रोइकनॉमिक्स की अवधारणा की प्रासंगिकता और आर्थिक मॉडल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग को शामिल करना। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण सरकारें समुद्र के रास्ते एक देश से दूसरे देश सामान भेज रही है। इससे सामान भेजने की लागत बहुत ज्यादा आ रही है जिससे प्रोडक्ट की कीमत भी बढ़ जाती है। वहीं लाल सागर में मालवाहक जहाजों पर हमले ने भी ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भरता के लिए चिंता पैदा की है।

एआई निगल जाएगा 6000 नौकरियां! सिसको सिस्टम्स ने किया छंटनी का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कंपनी सिसको सिस्टम्स बड़ी संख्या में छंटनी करने जा रही है। बुधवार को इसकी जानकारी सभी के साथ कंपनी ने साझा की थी। सिसको ने कहा है कि वो अपना ध्यान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और साइबर सिक्योरिटी की तरफ बढ़ाना चाहते हैं। बता दें, कंपनी करीब 7 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। 2024 में इससे पहले भी कंपनी ने एक बार छंटनी की है।

सिसको की तरफ से अभी तक कोई भी आधिकारिक नंबर नहीं साझा किया गया है। लेकिन माना जा रहा है कि करीब 6000 कर्मचारियों पर इस फैसले का प्रभाव पड़ेगा। बता दें, जुलाई 2023 में कंपनी में कुल 84,900 लोग काम करते थे। इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 4000 कर्मचारियों की छंटनी की थी। कंपनी की तरफ से छंटनी ऐसे समय में की जाने वाली है। जब उनका रेवन्यू सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घट गया है। कंपनी की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार इस बार की तिमाही में 13.64 बिलियन डॉलर का रेवन्यू जनरेट हुआ है। यह बाजार के अनुमान से अधिक है।

आईपीओ प्राइस से 75 प्रतिशत रिटर्न दे चुका टीबीओ टेक का शेयर, एक्सपर्ट बोले- अभी और देगा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जिन्होंने कुछ ही महीनों में मल्टीबैगर रिटर्न दे दिया है। टीबीओ टेक लिमिटेड भी उन कंपनियों में शामिल है। इस कंपनी ने अपनी शुरुआत के केवल तीन महीनों में ही आईपीओ के इश्यू प्राइस से 75 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज है। हालांकि, कुछ ब्रोकरेज फर्म इस शेयर में अभी और तेजी का अनुमान लगा रहे हैं।

टीबीओ टेक के शेयर शुक्रवार को ट्रेडिंग के दौरान लगभग 3 प्रतिशत बढ़कर 1615.55 रुपये के हो गए। बता दें कि इस कंपनी ने आईपीओ के दौरान 920 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से शेयर जारी किए थे। कहने का मतलब है कि शेयर आईपीओ कीमत से 75 फीसदी ऊपर है। इस शेयर के उच्चतम स्तर की बात करें तो जून 2024 में 1,938.75 रुपये पर पहुंच गया था।

टीबीओ टेक का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 60.91 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की अवधि में 47.3 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बी2बी ट्रैवल पोर्टल का परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 418.5 करोड़ रुपये हो गया। टीबीओ टेक का ग्रॉस ट्रांजैक्शन वैल्यू (जीटीवी) बढ़कर 7940 करोड़ रुपये हो गया, जो सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, समायोजित एबिटा सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर 85 करोड़ रुपये हो गया।

अडानी की दक्षिण पर नजर, अंबुजा सीमेंट ने पेन्ना सीमेंट का अधिग्रहण किया पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने देश के दक्षिणी हिस्से में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। अडानी की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज के साथ अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस अधिग्रहण के साथ ही पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज अब अंबुजा सीमेंट्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी बन गई है। बता दें कि अंबुजा सीमेंट्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर ने जून में पेन्ना सीमेंट में 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दी थी। यह सौदा 10422 करोड़ रुपये में हुआ था।

पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज साउथ की बड़ी कंपनी है। इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद माना जा रहा है कि अडानी साउथ में भी अपने कारोबार की पकड़ मजबूत करेगी। इस अधिग्रहण के पूरा होने के बाद पूरे भारत के सीमेंट बाजार में अडानी ग्रुप की हिस्सेदारी दो बढ़ गई है। वहीं दक्षिण भारत में हिस्सेदारी में 8 फीसदी का इजाफा हुआ है।

पेन्ना सीमेंट की मौजूदा सीमेंट उत्पादन क्षमता 14 मिलियन टन प्रति वर्ष है। इसमें 10 एमटीपीए पहले से ही ऑपरेशनल है। अडानी सीमेंट साल 2028 तक 140 एमटीपीए क्षमता का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। माना जा रहा है कि यह अधिग्रहण इस लक्ष्य को हासिल करने में बड़ा कदम साबित होग। जानकारों के मुताबिक इस कंपनी के अधिग्रहण से अडानी ग्रुप को न केवल दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करने में मदद मिलेगी, बल्कि वह श्रीलंका के मार्केट में भी प्रवेश कर सकेगा।

पेन्ना सीमेंट के पास आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान (निर्माणाधीन) में 14 मिलियन टन सालाना उत्पादन क्षमता है। इसके अलावा जोधपुर संयंत्र से भी 3 एमटीपीए सीमेंट उत्पादन की क्षमता मिलेगी। अडानी ग्रुप ने अपने एक बयान में कहा था कि यह कोलकाता, गोपालपुर, कराईकल, कोच्चि और कोलंबो में पांच बल्क सीमेंट टर्मिनलों के साथ अडानी समूह के समुद्री परिवहन लॉजिस्टिक्स को भी मजबूत करेगा। अडानी ग्रुप काफी तेजी से सीमेंट सेक्टर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। उसकी नजर गुजरात की कंपनी सौराष्ट्र सीमेंट, जयप्रकाश एसोसिएट्स का सीमेंट बिजनेस और एबीजी शिपयार्ड की कंपनी वदराज सीमेंट पर भी है। अडानी ग्रुप का लक्ष्य क्षमता बढ़ाने और अगले तीन से चार वर्षों में आदित्य बिड़ला ग्रुप की अल्ट्राटेक को पछाड़कर देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी बनना है। ग्रुप के पास अभी तीन सीमेंट कंपनियां हैं। इनमें अंबुजा, एसीसी और सांघी सीमेंट शामिल हैं। अब पेन्ना सीमेंट भी उसकी झोली में आ चुकी है।

ईको रीसाइकलिंग ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के स्टैंडअलोन लाभ में 98 प्रतिशत वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। भारत की प्रथम और एक प्रमुख प्रोफेशनल ई-वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी, ईको रीसाइकलिंग लिमिटेड ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही) के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए इको रीसाइकलिंग लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री बीके सोनी ने कहा, इस्तीमहि में हमारा प्रदर्शन जिम्मेदार रीसाइकलिंग और नियमों को अधिक सख्ती से लागू करने की स्वीकार्यता का परिणाम है. उक्त घटकों को ध्यान में रखते हुए हमने निरंतर आधुनिक टेक्नोलॉजी में निवेश किया है और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने और इनोवेशन की संस्कृति विकसित करने की गति तेज की . इसने हमें हमारी सेवा आफरिंग का विस्तार करने, कार्य कुशलता बढ़ाने और ज्यादा लाभप्रदता हासिल करने में समर्थ बनाया है. भारत के महत्वपूर्ण मिनरल्स की रीसाइकलिंग पर अधिक जोर दिए जाने से इकोरेको संसाधनों की रिकवरी और सक्षम रूप से पुनरउपयोग सुनिश्चित करते हुए अग्रणी स्थान पर है. बेस्ट और ली आयन बैटरीज की रीसाइकलिंग में हमारा हाल का विस्तार राष्ट्र के महत्वपूर्ण मिनरल मिशन को सपोर्ट करने के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करता है.

केरल का मालाबार क्षेत्र शुद्ध और अच्छी गुणवत्ता के नारियलों के लिए मशहूर है

भोपाल । उत्तरी केरल का मालाबार क्षेत्र नारियल की खेती के लिए जाना जाता है, क्योंकि अनुकूल जलवायु के चलते यहां गर्मी नमी और अच्छी बारिश होती है, जिससे नारियल की खेती के लिए यह स्थान एकदम सही है। आपको बता दें कि बेहतर नारियल तेल के लिए अच्छे नारियल बहुत ज़रूरी हैं और उत्तरी मालाबार प्रीमियम ग्रेड के नारियल के उत्पादन के लिए जाना जाता है, यही वजह है कि ऑयल ऑफ मालाबार ब्रांड अपने उत्पाद के लिए लगभग 10 प्रतिशत नारियल तेल मालाबार से लेता है, ताकि अच्छे नारियल तेल का निर्माण किया जा सके। कम ही लोगों को पता होगा कि मालाबार तट पर सदियों से नारियल के पेड़ों की खेती की जा रही है, ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि हज़ारों सालों से नारियल के पेड़ इस क्षेत्र की मुख्य फसल थे और यह नारियल के व्यापार का भी प्रमुख केंद्र था।

भारत में लोग सालों भर मच्छर के कारण होने वाली बीमारियों के बारे में परेशान रहते हैं: गुडनाइट सर्वेक्षण

मुंबई, एजेंसी। भारत में ज्यादातर लोगों को सालों भर मच्छर के कारण होने वाली बीमारियों का खतरा बना रहता है। देश में लगभग 81 प्रतिशत लोगों का मानना है कि मलेरिया और डेंगू जैसी मच्छर के कारण होने वाली बीमारी सिर्फ मानसून के दौरान ही नहीं, बल्कि साल के किसी भी समय हो सकती हैं। यह आश्चर्यजनक जानकारी, हाल ही में गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के भारत के अग्रणी घरेलू कीटनाशक ब्रांड गुडनाइट द्वारा 'एक मच्छर, अनगिनत खतरे' शीर्षक से किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण में सामने आई। यह सर्वेक्षण मार्केट रिसर्च फर्म यूगव ने किया था।

नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल (एनसीवीबीडीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल अकेले भारत में डेंगू के 94000 से ज्यादा मामले सामने आए। 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस है और यह रिपोर्ट सही समय पर इस स्थिति के बारे में लोगों को आगाह करती है। यह गुडनाइट के साथ निरंतर सतर्कता बरतने का आह्वान है, जो मच्छर के कारण होने वाली बीमारियों से सालों भर सुरक्षा को प्राथमिकता देने के महत्व पर रेखांकित करता है। गुडनाइट सर्वेक्षण में 1011 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों ने मलेरिया और डेंगू सालों भर होने के खतरे के बारे में चिंता जताई। 83 प्रतिशत पुरुष उत्तरदाताओं और 79 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने यह आशंका जाती। इसके अलावा, तृतीय-पक्ष द्वारा किये गए विभिन्न शोधों के अनुसार, भारत में मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से बहुत अधिक आर्थिक नुकसान होता है।

महिंद्रा ने लॉन्च की शानदार एसयूवी थार रॉक्स

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने थार रॉक्स ङ्क बेहतरीन एसयूवी पेश की है, जो देश में पारंपरिक मानदंडों को तोड़ने और एसयूवी परिदृश्य को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। थार रॉक्स 12.99 लाख की शुरुआती कीमत के साथ, महिंद्रा की बोल्डनेस और गैर-परंपरागत जज़्बे का प्रतीक है। लोगों का ध्यान आकर्षित करने और परिष्कृत ड्राइव और शक्तिशाली लेकिन सुरक्षित परफॉरमेंस देने के लिए निर्मित थार रॉक्स कई तरह के शानदार फीचर के साथ हर तरह की सड़क पर रोमांच का अहसास प्रदान करती है।

महिंद्रा के नए एमट्रुग्लाइड प्लेटफॉर्म पर निर्मित, थार रॉक्स बेहतरीन हैंडलिंग और बेहतरीन डायनेमिक्स के साथ बेहतरीन सवारी का अनुभव प्रदान करती है। यह थार के आउटडोर डीएनए को आधुनिक परिष्कार के साथ सहजता से मिश्रित करता है, जो एक प्रीमियम एसयूवी अनुभव प्रदान करता है जो उन लोगों की ज़रूरतों को पूरा करता है जिन्हें

अपने जीवन में हर कुछ बेहतरीन चाहिए।

थार रॉक्स का विभिन्न किस्म के और ऊंचाइयों कठिनतम परिस्थितियों वाले इलाकों में कठोर परीक्षण किया गया है, जिसमें +50ए सेंटीग्रेड वाले थार रेगिस्तान के तपते रेत के टीले, उमलिंग ला की ऊंचाई, कुर्ग के मुश्किल कीचड़ भरे और काज़ा का -20एसेंटीग्रेड की ठंढे इलाके शामिल है। यह व्यापक परीक्षण गारंटी देता है कि थार रॉक्स, दिल से भारतीय है लेकिन वैश्विक सोच रखने वालों के लिए शानदार और विश्वसनीय विकल्प है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीज़न के अध्यक्ष, श्री वीजय नाकरा ने कहा, थार ब्रांड हमेशा सांस्कृतिक रूप से उल्लेखनीय पेशकश रहा है, जो स्वतंत्रता और मज़बूत सामुदायिक भावना का प्रतीक है। थार रॉक्स इस विरासत को आगे बढ़ाती है और यह बेहतरीन एसयूवी है, जिसमें आकर्षक डिज़ाइन, बेहतरीन ड्राइव, दमदार परफॉरमेंस, बेहतरीन ऑफ-रोडिंग क्षमता, बेहतरीन सुरक्षा, शानदार जगह और उन्नत टेक्नोलॉजी का बेहतरीन संयोजन है। थार रॉक्स के साथ, हम सिर्फ एसयूवी के अनुभव को ही बेहतर नहीं बना रहे हैं, बल्कि हम अगले 3 से 5 साल में थार ब्रांड को वॉल्यूम के हिसाब से नंबर 1 एसयूवी (>12.5 लाख के सेगमेंट में) बनाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट के अध्यक्ष, आर वेलुसामी ने कहा, थार रॉक्स हमारे नए एमट्रुग्लाइड प्लेटफॉर्म पर निर्मित परिष्कृत बॉडी-ऑन-फ्रेम एसयूवी के एक नए युग का प्रतिनिधित्व करती है। यह अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म हमें दोनों लिहाज़ से सर्वश्रेष्ठ पेशकश करने में मदद करता है ङ्क एक्सयूवी700 जैसी मोनोकॉक एसयूवी में आमतौर पर पाए जाने वाले परिष्कृत अर्बन सोफिस्टिकेशन का मेल बेजोड़, टेक-एनेबल्ड ऑफ-रोड क्षमताओं के साथ करता है।

अमेज़न ग्लोबल सेलिंग के साथ कॉटिंग्टन लेन की अंतर्राष्ट्रीय सफलता

मुंबई , एजेंसी। इंदौर स्थित व्यवसाय, कॉटिंग्टन लेन, अपने शानदार होम लिनेन के साथ विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ रहा है, जो दुनिया के बेहतरीन गीजा कॉटन से तैयार किया गया है और अमेजन ग्लोबल सेलिंग द्वारा संचालित है। कृष्ण मुरारी द्वारा स्थापित, इस घरेलू ब्रांड ने तेजी से अपनी पहुंच का विस्तार किया है, अकेले अमेरिका में हर महीने लगभग 40,000-45,000 उत्पाद बेच रहा है। अमेजन ग्लोबल सेलिंग ने अपने नवीनतम अभियान भारत से दुनिया तक में कॉटिंग्टन लेन के संस्थापक कृष्ण मुरारी को अपने अनूठे उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए दिखाया है जो भारतीय शिल्प कौशल पर प्रकाश डालते हैं। 2015 में भारत में लॉन्च किया गया, अमेजन ग्लोबल सेलिंग सभी आकार के भारतीय व्यवसायों को अमेजन के अंतरराष्ट्रीय बाजारों के माध्यम से अपने उत्पादों को निर्यात करने में मदद करता है। इस कार्यक्रम ने अपने निर्यात कार्यों को शुरू करने या विस्तार करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए बाधाओं को काफी कम कर दिया है। अमेजन इंडिया में ग्लोबल ट्रेड के डायरेक्टर भूपेन वाकणकर के अनुसार, लगभग एक दशक पहले लॉन्च किया गया, अमेजन ग्लोबल सेलिंग भारतीय उद्यमियों को ई-कॉमर्स के माध्यम से संपन्न निर्यात व्यवसाय बनाने का अधिकार देता है।

महिला टी-20 विश्वकप 2024 की दावेदारी के लिए आगे आया यह देश

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने महिला टी-20 विश्वकप की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की है। जिम्बाब्वे ने पिछले दो एकदिवसीय विश्वकप क्वालीफायर (2023 और 2018 में) की सफलतापूर्वक मेजबानी की है और उनके दो नए स्टेडियम निर्माणाधीन हैं। इसी कारण से जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट की मेजबानी में अधिक दिलचस्पी ल रहा है। हालांकि उनकी महिला टीम क्वालीफाइ नहीं होने कारण कभी भी विश्वकप में भाग नहीं ले पाई है। जिम्बाब्वे अन्य बड़े आयोजनों की तैयारी के लिए टूर्नामेंट के तटस्थ मेजबान बनने के इच्छुक है। जिम्बाब्वे 2026 में नामीबिया के साथ पुरुष अंडर 19 विश्वकप और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ एकदिवसीय विश्वकप की सह मेजबानी करेगा। तब तक देश में दो और अंतरराष्ट्रीय मैदान होंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट और स्थानीय सरकारी अधिकारी विक्टोरिया फॉल्स और मुतारे में बहुउद्देशीय सुविधाओं के निर्माण पर काम कर रहे हैं। जिम्बाब्वे हरारे स्पोर्ट्स क्लब और बुलावायो में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब को टी-20 विश्वकप के मेजबान के रूप में पेश कर सकता है। इन मैदानों ने 2023 विश्वकप क्वालीफायर के सभी मैचों की मेजबानी की थी। जिम्बाब्वे में विश्वकप के आयोजन के लिए मौसम एक प्रमुख बिंदु साबित हो सकता है, क्योंकि देश में अक्तूबर में गर्मियों का मौसम रहेगा और तब कम बारिश की उम्मीद है। जिम्बाब्वे में अगर मैच होते है तो वहां दर्शकों की संख्या भी अच्छी होगा, जिसमें स्कूली बच्चों को भी शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने बारिश के मौसम के कारण मेजबानी की पेशकश को अस्वीकार कर दी थी तथा श्रीलंका भी मौसम संबंधी कारणों से दौड़ से बाहर हो गया है।

भाग्यश्री और सुमित होंगे पेरिस पैरालंपिक में भारत के ध्वजवाहक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में 28 अगस्त से शुरु हो रही पैरालंपिक खेलों में भाग्यश्री जाधव और सुमित अंतिल भारत के ध्वजवाहक होंगे। इस बार के पैरालंपिक खेलों में भारत 84 सदस्यीय दल भेज रहा है। यह पैरालंपिक इतिहास में भारत का सबसे बड़ा दल है। इससे पहले टोक्यों ओलंपिक में 54 पैरालंपिक एथलीटों ने शिरकत की थी। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने बताया कि इस बार भारत तीन नए स्पर्धा पैरा साईकलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाइंड जूडो में भी हिस्सा ले रहा है। इन तीनों खेलों को मिलाकर भारत पैरालंपिक में कुल 12 खेलों में चुनौती पेश करेंगे। महाराष्ट्र की भाग्यश्री ने 2022 एशियाई पैरा खेलों में गोला फेंक एफ34 स्पर्धा में रजत पदक जीता था और टोक्यो पैरालंपिक में सातवें स्थान पर रही थीं। उन्होंने फेजा विश्व कप और विश्व पैरा एथलेटिक्स खेलों में भी पदक जीते थे। स्टार पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित ने 2020 टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर के विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीता तथा 2022 एशियाई खेल में 73.29 मीटर के थ्रो के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

ईशान किशन ने बुची बाबू टूर्नामेंट में शतक जड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने घरेलू टूर्नामेंट बुची बाबू में मध्यप्रदेश के खिलाफ शतक जड़ कर टीम में वापसी की दावेदारी पेश की है। ईशान करीब 8 महीने से टीम से बाहर चल रहे हैं। वे पिछले साल के आखिरी महीने में साउथ अफ्रीका दौरे को बीच में ही छोड़ कर ब्रेक पर चले गए थे। इस दौरे में उन्हें टी-20 और टेस्ट टीम में जगह दी गई थी। उन्हें टी-20 के एक भी मैच में प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला था। वह वनडे स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे। इसके बाद टेस्ट सीरीज में उनका नाम था, लेकिन वे पहले ही भारत लौट गए थे। ईशान बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की कप्तानी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में उन्होंने 107 गेंदों पर 114 रन की पारी खेली जिसमें 10 छक्के और 5 चौके शामिल हैं। ईशान जब 92 के स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे, उसके बाद उन्होंने लगातार दो छक्के जड़ कर अपना शतक पूरा किया। ईशान ने मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच में107 गेंदों पर 114 रन की पारी खेली, जिसमें 10 छक्के और 5 चौके शामिल हैं।

विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थी। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया।

विनेश ने हाथ जोड़कर कहा कि मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूं। यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचाट में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचाट ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था।

लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया। नारंग ने लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जज्बे को सलाम। विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा कि विनेश स्वदेश लौट रही है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।

दूसरी पारी में टिके दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, वेस्टइंडीज पर हुई 239 रन की लीड

प्रोविडेंस (एजेंसी)। एडेन मार्कराम और काइल वेरेन के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 239 रन की बढ़त हासिल कर ली। अपनी पहली पारी में 160 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी।

मार्कराम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर वियान मुल्डर 34 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। उन्होंने शमर जोसेफ (25) के साथ दसवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के स्कोर के करीब पहुंचाया। प्रोविडेंस स्टेडियम में शुरुआती दिन 17 और दूसरे दिन आठ विकेट गिरे।

वियान मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले जेडेन सील्स ने दूसरी पारी में अभी तक 52 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। इन दोनों टीम के बीच त्रिनिदाद में खेला गया पहला मैच बारिश से प्रभावित रहा था तथा ड्रॉ समाप्त हुआ था। दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के बाद इन दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी। विंडीज ऑलराऊंडर जेसन होल्डर ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि बस अधिक से अधिक रन बनाने और साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। जब शमर आए तो वह बहुत सकारात्मक थे और उन्होंने गति बरकरार रखी। प्रत्येक पारी अलग है, मैं बस उसे वैसे ही खेलने की कोशिश करता हूं जैसे वह आती है। कुल मिलाकर, मैं जिस तरह से खेला उससे काफी खुश हूं। हमें बस अच्छा अनुशासन मिला, हमारे सीमरों ने बाद में इस ट्रैक पर अच्छा प्रदर्शन किया। हमें वह गति और अनुशासन बनाए रखना होगा। मुझे लगता है कि कल सुबह पहला सत्र महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण बात यह है कि बहुत अधिक रन न बनने दें और हमारे पास इस खेल में पर्याप्त समय है और हमें विश्वास है कि वे हमें जो भी मौका देंगे हम उसका पीछा कर सकते हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

वेस्टइंडीज – क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), मिकाइल लुइस, कीसी कार्टी, एलिक अथानाजे, केवम हॉज, जेसन होल्डर, जोशुआ दा सिल्वा (विकेटकीपर), गुडाकेश मोती, जोमेल वारिकन, शमर जोसेफ, जेडन सील्स

दक्षिण अफ्रीका – एडेन मार्करम, टोनी डी ज़ोरज़ी, ट्रिस्टन स्टब्स, टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, काइल वेरिन (विकेटकीपर), वियान मुल्डर, केशव महाराज, डेन पिड्ट, कैगिसो रबाडा, नंद्रे बर्गर

खिलाड़ी से कोच बनने के लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी :श्रीजेश

कोच्चि (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि अगले दो तीन महीने पर खिलाड़ी से कोच बनने के लिए खुद को तैयार करने पर बिताएंगे। यहां उनके स्वागत में हवाई अड्डे से पालारिवत्तोम तक रोडशो किया गया। श्रीजेश ने कहा, 'देश के लिए कड़ी मेहनत करके, कई कुर्बानियां देकर पदक जीता और यह सिर्फ मेरा नहीं बल्कि देश का पदक है। इस खुशी का हिस्सा बनना सोने पे सुहागे जैसा है। खुशी दुगुनी हो गई है। उन्होंने कहा, 'अब मुझे एक खिलाड़ी से एक कोच बनना है। इसके लिए मानसिक रूप से तैयारी करनी होगी। अगले दो तीन महीने वही करूंगा।

यहां पहुंचने पर श्रीजेश के स्वागत के लिए काफी भीड़ जमा थी जिनमें कई विधायक भी थे। लोगों ने हाथ में श्रीजेश की तस्वीर वाले प्लेकार्ड ले रखे थे। रोडशो के दौरान खुली जीप में श्रीजेश ने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्हें फूल, गुलदस्ते भेंट किये गए और लोगों में उनसे हाथ मिलाने की होड़ लगी थी। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया। अब वह जूनियर टीम के कोच होंगे।

श्रीलंकाई बल्लेबाज निरोशन डिकवेला डोपिंग में फंसे, तत्काल निलंबित

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को डोपिंग टेस्ट में विफल पाये जाने पर

अनिश्चितकालीन प्रतिबंधित कर दिया गया है। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने यहां जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिकवेला पर निलंबन तत्काल प्रभाव से लागू होगा और तब तक जारी रहेगा जब तक कि आगे की सूचना न दी जाए। विज्ञप्ति अनुसार, ''लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2024 के दौरान श्रीलंका एंटी-डोपिंग एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षण खेल की अखंडता बनाए रखने के लिए एसएलसी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

खेल मंत्रालय के सहयोग से और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के दिशानिर्देशों के अनुसार की गई इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्रिकेट निषिद्ध पदार्थों के प्रभाव से मुक्त रहे। एसएलसी, खेल मंत्रालय और एसएलएडीए के साथ मिलकर खेल को डोपिंग उल्लंघनों से बचाने के लिए घरेलू टूर्नामेंटों के दौरान इन परीक्षणों को भी आयोजित कराया जाता है।

डिकवेला हाल ही में संपन्न लंका प्रीमियर लीग (एसपीएल) के दौरान विश्व डोपिंग रोधी दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित एक डोपिंग टेस्ट को पास करने में विफल रहे हैं। आगे की जांच पूरी होने तक उन्हें क्रिकेट के सभी प्रारूपों से निलंबित कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज डिकवेला ने एलपीएल 2024 में गैल मार्वल्स की टीम की कप्तानी की थी। वह आखिरी बार मार्च 2023 में राष्ट्रीय टीम के लिए खेले थे। इस साल की शुरुआत में बंगलादेश के खिलाफ श्रीलंका की टी-20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था।

पेरिस पैरालम्पिक

खेल मंत्री मांडविया बोले- मैंने 25 पदक का लक्ष्य बताया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी जिंदगी में हर तरह की चुनौतियों को मात देकर पैरालंपिक खेलों में भारत के प्रतिनिधित्व के लिए तैयार खिलाड़ी एक बार फिर से इन खेलों में अपनी चमक बिखरने को तैयार हैं। पैरालंपिक खेलों का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक पेरिस में होगा। भारत के 84 सदस्यीय दल के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित विदाई समारोह में केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि उन्हें 'चुनौती' को चुनौती देने वाले खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। इस मौके पर खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया और उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल मौजूद थे।

मांडविया ने पिछले कुछ वर्षों में पैरा खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का 84 सदस्यों का दल पेरिस जा रहा है। पिछली बार टोक्यो पैरालंपिक में यह संख्या 56 थी। हमारे 56 खिलाड़ियों के दल ने 19 पदक जीते लेकिन इस बार हमारे खिलाड़ियों की संख्या 84 है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी पेरिस में पहले से अच्छा प्रदर्शन कर अपने माता पिता और देश का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने पैरालंपिक खिलाड़ियों से कहा कि आप चुनौती को चुनौती देने वाले खिलाड़ी हो, आप विपरीत परिस्थिति को अनुकूल करने वाले लोग हो। आपको बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस मौके पर भाला फेंक चैंपियन सुमित और गोला फेंक की अनुभवी खिलाड़ी भाग्यश्री जाधव को उद्घाटन समारोह के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक नामित किया गया।

सुमित ने कहा कि मैं इन खेलों में एक बार फिर से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। कोशिश रहेगी कि स्वर्ण पदक के साथ देश वापस आए। तोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि इस बड़े आयोजन में देश का ध्वजवाहक होना गर्व की बात है। यह पहली बार है जब मैं पैरा खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनूंगा। काफी अच्छा लग रहा है। पीसीआई अध्यक्ष झाझड़िया ने कहा कि उन्हें भारतीय दल से 25 से ज्यादा पदक की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मैंने 25 पदक का लक्ष्य बताया है लेकिन मुझे उससे अधिक पदक की उम्मीद है। मैं खुद खिलाड़ी रहा हूं और मैंने भारतीय खिलाड़ियों की तैयारियों को करीब से देखा है। मुझे उनसे काफी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। हम अगर इस लक्ष्य को हासिल कर सकें तो पदक तालिका में शीर्ष 20 देश में जगह बना सकते है। उन्होंने कहा कि उन्हें एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा सफलता की उम्मीद है। ओलंपिक में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मुझे एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा पदक की उम्मीद है। इसमें हमारे 38 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। हमारे सभी खिलाड़ी पदक के दावेदार है।

तीन महीने के ब्रेक पर होंगी मनु भाकर , सीखेंगी यह 3 चीजें, कोच राणा हुए चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार अभ्यास के दौरान पिस्टल रिकॉइल से उनके निशानेबाजी वाले हाथ में घाव हो गया लिहाजा ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर अब 3 महीने तक ब्रेक की हकदार है लेकिन यह उनके लिए छुट्टी नहीं होगी। मनु के रूटीन में कोई बदलाव नहीं होगा यानी वह सुबह छह बजे उठकर योग करेंगी। इसके अलावा वह अपने कुछ शौक भी पूरे करना चाहती है जिसमें घुड़सवारी, स्केटिंग, भरतनाट्यम और वॉयलिन का अभ्यास शामिल है। 22 वर्ष की मनु ने शुक्रवार को अपने कोच जसपाल राणा के साथ अपने करियर और भविष्य की योजनाओं पर बातचीत की।

हरियाणा के झज्जर की रहने वाली मनु ने कहा कि अब मेरे पास ब्रेक है तो मैं फिर से मार्शल आर्ट्स का अभ्यास कर सकती हूं। उन्होंने कहा कि मेरे पास पहले उतना समय नहनीं था लेकिन अब अपने शौक के लिये समय निकाल सकती हूं। मुझे घुड़सवारी का शौक है, स्केटिंग और फिटनेस वर्कआउट का शौक है। इसके अलावा मैं भरत नाट्यम सीख रही हूं। मुझे भारतीय नृत्य शैलियां पसंद है। वॉयलिन बजाना भी सीख रही हूं।

मनु ने 'छुट्टी' के लिए अपनी 'बकेट लिस्ट% का खुलासा किया तो राणा के चेहरे पर मुस्कान आ गई जिन्होंने घुड़सवारी के लिए मना किया। उन्होंने कहा कि फिर उसे एक पीस में लौटना होगा। यह सुनकर मनु हंस पड़ी। राणा ने कहा कि उसे स्केटिंग और घुड़सवारी नहीं करनी चाहिए क्योंकि कुछ भी होगा तो वह जिम्मेदार होगी। यह सोचकर कौन घोड़े पर बैठता है कि वह गिर जाएगा।

मनु ने कहा कि मैं ओलंपिक खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मुझे घुड़सवारी करनी है। मुझे स्काय डाइविंग, स्कूबा डाइविंग भी करनी है। मैंने लंबा इंतजार किया है। कोच राणा ने कहा कि इस चोट की वजह से हम उसे 3 महीने का ब्रेक दे रहे हैं। उसे पिछले 8 महीने से यह घाव है जो अभी तक भरा नहीं है। इसलिए आराम जरूरी है। हमने विश्व कप की घोषणा से बहुत पहले यह फैसला लिया था। इस ब्रेक में वह बस निशानेबाजी नहीं करेगी लेकिन सुबह योग वगैरह सब करेगी। मनु अक्टूबर में दिल्ली में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में नहीं खेलेंगी।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में दो नई रेल लाइन के फाइनल सर्वे को मंजूरी

कोरबा, एजेंसी। रेल मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के कोरबा से अंबिकापुर और गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) नई रेल लाइन के लिए फाइनल सर्वे को मंजूरी दे दी है। इसके तहत कोरबा से अम्बिकापुर (180 किमी) एवं गढ़चिरौली से बचेली (व्हाया-बीजापुर) (490 किमी) नई रेल लाइन निर्माण के लिए फाइनल सर्वे व डीपीआर(विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने के लिए रेल मंत्रालय की ओर से 16.75 करोड़ रुपए की राशि भी मंजूर की गई है। दोनों नई रेल लाइन के लिए फाइनल सर्वे की मंजूरी पर रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण राज्य है। छत्तीसगढ़ में इस समय 37,018 करोड़ रुपए की लागत से 2,731 किलोमीटर की 25 नई रेल लाइन परियोजनाओं पर काम चल रहा है। जब रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हो और उसी समय नई पटरी का निर्माण, नए स्टेशन का निर्माण, रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास एवं यार्ड रिमॉडलिंग जैसे रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर से संबंधित विभिन्न कार्य किए जाते हैं, तो ट्रेनों के सुगम परिचालन में कई तरह की परेशानियां सामने आती हैं। इसी के चलते कई बार ट्रेनों को रद्द भी करना पड़ता है लेकिन हम संकल्पित हैं कि छत्तीसगढ़ में जल्द से जल्द विश्वस्तरीय रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित करेंगे और राज्य के लोगों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध कराएंगे एवं अधिक से अधिक ट्रेनें चलाएंगे। रेलमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात हुई थी। इस दौरान उन्होंने राज्य में रेलवे से संबंधित कई परियोजनाओं की मांग की थी। इन्हीं में से आज 670 किलोमीटर की दो नई रेल लाइन परियोजनाओं की डीपीआर (16.75 करोड़ रुपए) को स्वीकृति दी गई है। इनमें 180 किलोमीटर लंबी कोरबा एवं अंबिकापुर नई रेल लाइन परियोजना की डीपीआर (4.5 करोड़ रुपए) एवं 490 किलोमीटर लंबी गढ़चिरौली-बचेली वाया बीजापुर नई रेल लाइन परियोजना की डीपीआर (12.25 करोड़ रुपए) शामिल है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल छत्तीसगढ़ राज्य में रेल नेटवर्क का जाल बिछाने के लिए कृत संकल्पित है। इस वर्ष केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में रेल विकास के लिए 6,922 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जो कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान छत्तीसगढ़ को प्रति वर्ष आवंटित किए जाने वाले औसतन 311 करोड़ रुपए के बजट से लगभग 22 गुना अधिक है।

बंगाल की स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार- राज्यपाल सीवी आनंद बोस

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में डॉक्टर से रेप और हत्याकांड को लेकर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने ममता बनर्जी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बंगाल में बर्बरता और घोटालों ने आम लोगों की जिंदगी दुश्वार कर दी। उन्होंने बंगाल की स्थिति के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि दो मेडिकल स्टूडेंट्स ने उनसे कहा कि उनका परिवार चाहता वे यह प्रोफेशन छोड़ दें। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में आनंद बोस ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में मृत पाई गई ट्रेनी डॉक्टर के नाम पर राजभवन का एक कक्ष खोला गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का नाम अभया दिया गया है। अगर किसी भी डॉक्टर को कभी धमकी मिलती है या फिर डर लगता है तो वह राजभवन के इस कक्ष का मेहमान हो सकता है। इस हत्याकांड के बाद विरोध प्रदर्शन और अस्पताल में तोड़फोड़ को लेकर राज्यपाल ने कहा कि राज्य में गुंडागर्दी और घोटाले बहुत बढ़ गए हैं और आम लोगों का जीना मुहाल हो गया है। उन्होंने कहा, मेडिकल स्टूडेंट्स का कहना है कि उन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। कैंपस के अंदर सुरक्षा के इंतजाम ही नहीं हैं। कुछ छात्राओं ने कहा कि उनके माता-पिता प्रोफेशन छोड़ने को कह रहे हैं। उनका कहना है कि जीवन किसी भी प्रोफेशन से ज्यादा जरूरी है। वहीं डॉक्टर गांवों में सेवा करने को इसलिए नहीं तैयार हैं क्योंकि वहां गुंडागर्दी बहुत है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सड़कों पर राजनीति के नाम पर क्या होता है। यह मेरा काम नहीं है लेकिन इससे समाज में डर फैलरहा है। बंगाल में हिंसा ही हिंसा है। उन्होंने कहा कि गोपालकृष्ण गोखल ने कहा था, जो आज बंगाल सोचता है वही क ल भारत सोचेगा। यही बात रवींद्रनाथ टैगोर ने भी कही थी कि जहां लोगों के जेहन में डर ना हो ऐसे लोकतंत्र की जरूरत है। लेकिन उनके सपनों का बंगाल अब कहां है।

पहला रनवे और एटीएस टावर तैयार, नवंबर में ट्रायल रन; नोएडा एयरपोर्ट से दिसंबर से शुरू होगी उड़ान

ग्रेटर नोएडा एजेंसी।
नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और 3900 मीटर लंबा पहला रनवे बनकर तैयार हो गया। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) ने एटीसी को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) को हस्तांतरित कर दिया है। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि दिसंबर से एयरपोर्ट से विमानों की उड़ान शुरू होनी है। ऐसे में प्रथम चरण के तहत एक रनवे, एटीसी और टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा था। शुक्रवार को एयरपोर्ट का पहला 3900 मीटर लंबा रनवे बनकर पूरी तरह से तैयार हो गया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक्स हैंडल से भी रनवे की तस्वीर जारी कर जानकारी दी गई। वहीं, खास बात यह भी है कि एटीसी टावर का निर्माण पूरा होने के बाद इसे एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को हस्तांतरित कर दिया गया है। अब एएआई एटीसी के उपकरणों की जांच समेत अन्य औपचारिकताएं पूरी करेगा। यह कार्य एक माह में पूरा किया जाना है।

वहीं, टर्मिनल बिल्डिंग के निर्माण में रुकावट बनी स्टील भी काफी समय पहले आ चुकी है। पहले टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण 90 प्रतिशत तक पूरा होने का दावा किया गया है। टर्मिनल बिल्डिंग में यात्रियों के चेकइन और बॉर्डिंग से लेकर अन्य उपकरण स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें ई-गेट के साथ ही फ्लाइट इंफॉर्मेशन डिस्प्ले सिस्टम भी शामिल हैं। इसके अलावा बिल्डिंग मैनेजमेंट सिस्टम को परखा जा चुका है।प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट पर पांच मंजिला एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर

बनाया गया है। यह टावर हवाई यातायात की निगरानी के लिए होता है। एटीसी का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के हाथों में होता है। एटीसी का प्राथमिक उद्देश्य हवा में विमानों के टकराव को रोकना और पायलटों को जानकारी और सहायता प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि पहला चरण 1334 हेक्टेयर में विकसित होगा। एयरपोर्ट पर नवंबर से ट्रायल रन शुरू होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक एयरपोर्ट पर विमानों के टेकऑवर से लेकर लैंडिंग तक हर प्रकार के उपकरणों की जांच की जानी है। वहीं, अप्रैल में एयरपोर्ट पर नेविगेशन प्रणाली की जांच के लिए बीचक्राफ्ट किंग एयर बी-300 उड़ान भरकर चुका है। विमान से नेविगेशन प्रणाली की जांच की गई थी। ये प्रक्रिया एक सप्ताह तक चली थी। अब रनवे का ट्रायल किया जाएगा। विमानों की उड़ान से पहले हर प्रकार के उपकरणों की बारीकी से जांच की जाएगी। टर्मिनल बिल्डिंग में यात्रियों को कैसे लाया जाएगा, यात्री विमान तक कैसे पहुंचेंगे, इसके अलावा विमान की उड़ान के समय नेविगेशन, रडार सिस्टम ठीक से काम कर रहे हैं आदि बिंदुओं की जांच की जाएगी।

नायल के सीईओ अरुणवीर सिंह ने कहा, एयरपोर्ट पर एटीसी टावर और रनवे बनकर तैयार हो गया है। एटीसी को एयरपोर्ट अथॉरिटी को हस्तांतरित कर दिया गया है। एक माह में एटीसी के उपकरणों की जरूरी टेस्टिंग और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर दी जाएंगी।

सबसे ज्यादा सीट का मतलब सीएम पद नहीं, उद्धव ठाकरे ने बढ़ाई कांग्रेस की टेंशन

मुंबई, एजेंसी। शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को आगामी विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के मुख्यमंत्री पद पर दावे वाले फॉर्मूले की बजाय चुनाव से पहले ही मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने पर जोर दिया और कहा कि वह महा विकास आघाडी (एमवीए) की ओर से घोषित ऐसे किसी भी उम्मीदवार का समर्थन करेंगे। एमवीए पार्टी कार्यकर्ताओं को यहां संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए हुए हैं तो विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र के स्वाभिमान को बचाने की लड़ाई है। उन्होंने आगे कहा कि वह इस विचार का समर्थन नहीं करते कि अधिकतम विधायकों वाली पार्टी को मुख्यमंत्री पद मिले। उद्धव ठाकरे के इस बयान के बाद कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, राज्य में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है और अब ठाकरे के बयान से साफ है कि वे मुख्यमंत्री पद सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले दल को ही मिले, इसके इच्छुक नहीं हैं।

एमवीए में शिव सेना (यूबीटी), शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस शामिल हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला पहले किया जाना चाहिए न कि चुनाव में सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के तर्क वाले आधार पर। ठाकरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन के दौरान उनका अनुभव यह रहा कि जिसके पास संख्या होगी उसे मुख्यमंत्री का पद मिलेगा। उन्होंने इस नीति को नुकसानदेह करार दिया क्योंकि इससे एक दल, अपने गठबंधन में बढ़त बनाए रखने के लिए दूसरे दल के उम्मीदवार को हराने की कोशिश करेगा।

ठाकरे ने कहा, पहले (मुख्यमंत्री का चेहरा) फैसला करें और फिर आगे बढ़ें लेकिन इस नीति (जिनके पास सबसे ज्यादा सीट होंगी उसे मुख्यमंत्री पद मिलेगा) के अनुसार न चलें।

अटल सेतु पर आत्महत्या कर रही थी महिला, पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंच बचाई जान

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के नवी मुंबई में आत्महत्या की कोशिश करने वाली महिला को पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ से बचा लिया। महिला ने अटल सेतु से कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम 7 बजे मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ने वाले अटल सेतु पर एक महिला पहुंची थी। इस दौरान महिला अटल सेतु पर चढ़ गई और फ्लाईओवर से समंदर में कूदने की कोशिश करने लगी।

हालांकि, मौके पर मौजूद एक शख्स ने महिला को पकड़ लिया। इस बीच अटल सेतु पर पेट्रोलिंग पर निकली गाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पकड़ लिया। और उसे ऊपर की ओर खींच लिया। महिला की उम्र 56 साल के आसपास बताई जा रही है। वह मुलुंड की रहने वाली है और मानसिक तनाव से पीड़ित है। जानकारी के अनुसार, मानसिव तनाव के कारण ही वह आत्महत्या के इरादे से अटल सेतु पर आई थी।

महिला जब सेतु से कूदने जा रही थी तभी स्थानीय ट्रैफिक पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए उसे बचा लिया। बता दें कि जिन पुलिसकर्मियों ने महिला को बचाया है। उनके नाम ललित शिरसाट, किरण मात्रे, यश सोनवणे और मयूर पाटिल हैं। इन पुलिसकर्मियों की तत्परता के कारण ही महिला की जान बच पाई। फिलहाल महिला को काउंसलिंग और इलाज के लिए घर भेज दिया है।

गंगाजल सप्लाई को अगले माह शुरू होगा सर्वे; 5 जगह बनेंगे रिजर्व वायर

गाजियाबाद एजेंसी।
गाजियाबाद के खोड़ा में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। खोड़ा में गंगाजल की आपूर्ति के लिए अगले महीने से सर्वे का काम शुरू कर दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश जल निगम अगले महीने प्राइवेट कंपनियों से सर्वे करवाएगी। सर्वे टीम गलियों और सड़कों की नपाई, मिट्टी की जांच सहित गंगा जल लाइन और रिजर्व वायर बनाने के लिए पूरा खाका तैयार कर जल निगम को रिपोर्ट सौपेंगी। जल निगम इसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। गंगा जल आपूर्ति के लिए 247 करोड़ रुपये की राशि शासन द्वारा पहले ही पारित की जा चुकी है। खोड़ा में पांच जगह रिजर्व वायर बनाए जाएंगे।

नोएडा के छिजारसी से पाइप लाइन के जरिये पांचों रिजर्व वायर में गंगा जल पहुंचाया जाएगा। रिजर्व वायर में मोटर के जरिए घर घर तक गंगा जल पहुंचेगा। खोड़ा में गंगा जल आपूर्ति के बाद खोड़ा उन चुनिंदा नगरपालिकाओं में शामिल हो जाएगी, जिसमें एक ही योजना में पूरी नगरपालिका को गंगा जल उपलब्ध करवाया गया है।

गाजियाबाद में 10 एकड़ में नई टाउनशिप बसाने की तैयारी, तष्ठ की इन इलाकों पर नजर टैंकरों और सबमर्सिबल के सहारे 12 लाख की आबादी ~ खोड़ा की 12 लाख की आबादी टैंकरों और समर्सिबल से पानी की जरूरत पूरी कर रही है। लगातार जल दोहण से खोड़ा के पानी का स्तर 500 फीट तक पहुंच गया है, जिसके कारण खोड़ा में धीरे धीरे समर्सिबल भी बंद होते जा रहे हैं।

लोग प्राइवेट टैंकरों से पानी खरीद कर अपनी जरूरत पूरी कर रहे हैं, जिससे निवासियों की आधी आमदनी पानी की जरूरत पूरी करने में खर्च हो जाती है। नगरपालिका परिषद द्वारा 70 टैंकर चलाए गए, लेकिन 35 टैंकर ही फिलहाल पानी पहुंचा रहे हैं। नगरपालिका के टैंकरों पर रोजाना पानी के लिए झड़पें होती हैं। पानी की पर्याप्त आपूर्ति के बाद लोगों की दिक्कत दूर हो सकेगी।

खोड़ा पिछले दस वर्षों से पानी की समस्या से जूझ रहा है। खोड़ा के जनप्रतिनिधियों ने इस समस्या से किनारा कर लिया था, जिसके बाद आम नागरिकों ने धरना प्रदर्शन और हस्ताक्षर अभियान चलाएं। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मोर्चा खोला। पानी की मांग को लेकर कई बार लोग भूख हड़ताल तक कर चुके हैं।

बांग्लादेशी सुरक्षा बलों ने अनावश्यक बल प्रयोग किया, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इसके पुख्ता संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने शुक्रवार को कहा कि इस बात के पुख्ता संकेत हैं कि बांग्लादेशी सुरक्षा बलों ने विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर अनावश्यक बल का प्रयोग किया, जिसके बाद भीड़ हिंसक हो गई और प्रदर्शनकारियों ने ढाका की सड़कों पर अपना कब्जा कर लिया। भीड़ को हिंसक होते देख 76 वर्षीय शेख हसीना प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर हेलीकॉप्टर से पड़ोसी देश भारत भाग गईं, जिससे उनके 15 साल के कठोर शासन का नाटकीय अंत हो गया। यूएन ने कहा कि पांच अगस्त को शेख हसीना के अपदस्थ होने से पहले कई हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शनों में 450 से ज्यादा लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बांग्लादेश में हुई हिंसा पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें यूएन ने कहा, सुरक्षा बलों ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अनावश्यक और अनुपातहीन बल का प्रयोग किया।

इसके मजबूत संकेत हैं, जो आगे की स्वतंत्र जांच की मांग करते हैं। कथित उल्लंघनों में न्यायेतर हत्याएं, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और हिरासत, जबरन गायब करना, यातना और दुर्व्यवहार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा पर गंभीर प्रतिबंध शामिल हैं। रिपोर्ट में कानून और व्यवस्था की तेजी से बहाली की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही आगे की जानमाल हानि, हिंसा और प्रतिशोध की कार्रवाई को रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने यूएन जांचकर्ताओं को उनके निष्कासन के साथ हुई हिंसा की जांच करने के लिए आमंत्रित किया है। 84 वर्षीय यूनुस पिछले सप्ताह यूरोप से लौटे हैं और एक अस्थायी प्रशासन का नेतृत्व कर रहे हैं, जो लोकतांत्रिक सुधारों को आगे बढ़ाने की चुनौती का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा, बांग्लादेश में परिवर्तन यह सुनिश्चित करने का एक मौका था कि शासन अधिकारों और कानून पर आधारित हो।

पाकिस्तान में सिख महिला को बंधक बनाकर 9 महीने तक गैंगरेप, बेटे का भी अपहरण किया

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के फैसलाबाद जिले में एक सिख महिला को 9 महीने तक बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला और उसके नाबालिग बेटे को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया है और इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना लाहौर से करीब 130 किलोमीटर दूर पंजाब के फैसलाबाद जिले में हुई। पीड़िता तलाकशुदा सिख महिला है और वह अपने बेटे के साथ अकेली रहती थी। कुछ साल पहले, पीड़िता की एक दोस्त, साइमा, ने उसे खुर्शीद शाहजाद नामक व्यक्ति से मिलवाया था। साइमा ने यह परिचय अपने हितों के लिए कराया था, जो आगे चलकर इस भयावह घटना का कारण बना। खुर्शीद शाहजाद और उसके भाई किजर शाहजाद ने पीड़िता को जबरदस्ती बंधक बना लिया और उसे उनके घर में कैद कर लिया। इस दौरान, वे उसे नियमित रूप से धमकाते रहे और बार-बार उसके साथ दुष्कर्म करते रहे। महिला को इस अवैध कैद से बचने का कोई मौका नहीं दिया गया। आरोपियों ने उसके नाबालिग बेटे का अपहरण भी कर लिया और उसे अपनी मर्जी से काम करने के लिए मजबूर किया। आरोपियों ने पीड़िता के बेटे को ननकाना साहिब से फैसलाबाद आने के लिए मजबूर किया। उन्होंने बच्चे को बहाना बनाकर बुलाया कि उसकी बुआ के घर जाना है। लेकिन फैसलाबाद पहुंचने पर, आरोपियों ने बच्चे को बंधक बना लिया और पीड़िता को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया। पीड़िता के रिश्तेदारों ने पुलिस से संपर्क किया और पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। 14 अगस्त को पुलिस ने आरोपियों के घर पर छापा मारा और वहां से महिला और उसके बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने खुर्शीद शाहजाद और किजर शाहजाद को गिरफ्तार कर लिया है।

अंतरिक्ष में ज्यादा समय रहकर सुनीता विलियम्स और विल्मोर समय की समझ को बदल सकेंगे

न्यूयॉर्क , एजेंसी। नासा के दो अंतरिक्ष यात्री, कमांडर बैरी विल्मोर और पायलट सुनीता विलियम्स, इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर फंसे हुए हैं और धरती पर उनकी वापसी कब होगी, किसी को इसकी जानकारी नहीं है। दोनों अंतरिक्षयात्रियों को सिर्फ आठ दिनों के लिए स्पेस स्टेशन भेजा गया था, लेकिन विमान खराब हो जाने से दोनों वहीं फंस गये।

उनके फंसने की वजह बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में आई खराबी है। आईएसएस के रास्ते में अंतरिक्ष यान में हीलियम लीक और थ्रस्टर समस्याओं का अनुभव हुआ, जिससे इसकी सुरक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ गईं।

नासा और बोइंग, वर्तमान में यह आकलन कर रहे हैं कि स्टारलाइनर अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर सुरक्षित रूप से वापस ले जा सकता है या नहीं। यदि सुरक्षित पाया जाता है, तो विल्मोर और विलियम्स जल्द ही वापस आ सकते हैं। लेकिन, अगर अधिकारी स्टारलाइनर

का उपयोग करने के खिलाफ फैसला करते हैं, तो अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में कम से कम 6 महीने और रहना पड़ सकता है, जो काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

इस तरह की चरम स्थितियों में, जीवन पर संकट के अलावा जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव काफी ज्यादा होते हैं, जिससे उनका स्पेस स्टेशन में रहना और ज्यादा तनावपूर्ण और चिंताजनक हो जाती है। समय की धारणा का विकृति इस तनाव में एक महत्वपूर्ण कारक है। इंतजार करते समय, लोग समय पर बार बार ध्यान देते हैं, जिसकी वजह से लोग फ्रस्टेशन में जाने लगते हैं। सामान्य दैनिक जीवन के दौरान, हमारा दिमाग सीमित क्षमता के कारण अक्सर समय को नजरअंदाज करता रहता है। लेकिन, इंतजार करते समय, यह जानने की बाक बार इच्छा होती, कि यह कब खत्म होगा, और यह भावना, हमारा ध्यान बार बार समय की तरफ ले जाता है, जिससे मिनट और घंटे ऐसा महसूस होते हैं, जैसे वे खींच रहे हों। तनाव और बेचैनी इस प्रभाव को बढ़ा देती है, जिससे कठिन परिस्थितियों में इंतजार और भी लंबा लगता है। अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सामान्य इंसानों की तरफ स्पेस में नॉर्मल जिंदगी जीना संभव नहीं होता है और उनके लिए अपने दोस्तों और परिवार के लोगों से भी बात करना काफी मुश्किल हो जाता है। जो उनके इंतजार को और भी ज्यादा लंबा बना देता है। हालांकि, चरम वातावरण में समय की धारणा पर रिसर्च ने वैज्ञानिकों को कुछ जानकारियां प्रदान की हैं।

मानव मनोविज्ञान और जीव विज्ञान का अध्ययन करने वाले शिक्षाविदों ने अंटार्कटिक अनुसंधान स्टेशनों में चालक दल के सदस्यों के साथ चल रहे शोध किए हैं। इन अध्ययनों का उद्देश्य यह समझना है, कि चरम वातावरण में इंतजार सामान्य दैनिक जीवन के दौरान इंतजार से अलग है या नहीं। वैज्ञानिक अक्सर अंटार्कटिका जैसे चरम वातावरण में लंबे समय तक अलग-थलग जीवन बिताते हैं। इंस्टिट्यूटो एंटार्टिको अर्जेंटिनो, फ्रेंच पोलर इंस्टीट्यूट और इतालवी अंटार्कटिक कार्यक्रम जैसे संगठन जमे हुए महाद्वीप पर शोध करने के लिए 16 महीने तक चालक दल भेजते हैं। मार्च से अक्टूबर तक ध्रुवीय सर्दियों के दौरान, टीमों को लगभग अंधेरा और चरम मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ता है।

सीमित इंटरनेट कवरेज इन क्रू को बाहरी दुनिया से और अलग करता है। पिछले एक साल में, शोधकर्ताओं ने अध्ययन किया है, कि अंटार्कटिका में जीवन, लोगों के समय के अनुभव को कैसे प्रभावित करता है।

फिलीपीन में पंजाबी युवक की मौत

मनीला, एजेंसी। फिलीपीन की राजधानी में मनीला में एक पंजाबी युवक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान 26 वर्षीय कीमती लाल के रूप में हुई है, जो जालंधर जिले के शाहकोट विधानसभा क्षेत्र के कस्बे लोहियां खास मन्याला का निवासी था। कीमती लाल करीब छह साल पहले बेहतर रोजगार की तलाश में मनीला गया था। कीमती लाल के परिवार ने बताया कि पिछले दिन एक दर्दनाक सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। किसी गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। आज जब राखी से पहले कीमती लाल का शव उसके घर पहुंचा, तो परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया जा रहा है कि कीमती लाल अपनी दो बहनों का इकलौता भाई था और नवंबर में उसकी शादी होने वाली थी। शादी की खुशियां घर में आने से पहले ही मातम छा गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129